@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 25 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 194 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संजय राउत ने दिए मनसे के साथ गठबंधन के संकेत

मुंबई, 24 मई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच गठबंधन की चर्चा है, लेकिन हाल ही में मनसे के एक शीर्ष नेता ने कहा कि बेहतर प्रस्ताव मिलने पर ही गठबंधन पर विचार किया जाएगा। हालांकि अब शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी मनसे के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मराठी लोगों की भलाई के लिए दोनों नेता साथ आएंगे। संजय राउत ने कहा कि मराठी लोगों की भलाई के लिए उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे के साथ गठबंधन के लिए मनसे और दिल से तैयार हैं। गौरतलब है कि इस साल के अंत में मुंबई, ठाणे, नासिक, नागपुर और पुणे के नगर निगमों सहित महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। संजय राउत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब गुरुवार को मनसे के नेता संदीप देशपांडे ने कहा था कि राज ठाकरे शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन पर तभी विचार करेंगे, जब कोई ठोस प्रस्ताव सामने आएगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन के पिछले प्रयासों के लिए उन्हें धोखा मिला था। उन्होंने कहा, अगर शिवसेना (यूबीटी) को लगता है कि मनसे के साथ गठबंधन संभव है, तो उन्हें एक ठोस प्रस्ताव के साथ आना चाहिए। राज ठाकरे इस पर फैसला लेंगे। राज ठाकरे ने पिछले महीने फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के साथ एक इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि मराठी मानुस के लिए वे शिवसेना यूबीटी से हाथ मिला सकते हैं। इसके कुछ घंटों बाद ही उद्धव ठाकरे ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद ही दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा शुरू हो गई थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति से पवार और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश की गई है, लेकिन उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता। पुणे में एक मराठी समाचार पोर्टल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में राज ठाकरे ने कहा, जहां तक ठाकरे ब्रांड का सवाल है, मेरे दादा प्रभोदनकर ठाकरे ने महाराष्ट्र पर सबसे पहले बड़ा प्रभाव डाला। उनके बाद बालासाहेब ठाकरे और फिर मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने संगीत में अपनी छाप छोड़ी। बाद में उद्धव और मैंने दोनों ने अपना प्रभाव छोड़ा। मनसे नेता ने कहा कि निस्संदेह इन ब्रांड्स को खत्म करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि इन्हें आसानी से खत्म नहीं किया जा सकता।

केंद्र-राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं: प्रधानमंत्री मोदी

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 24 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। नई दिल्ली में गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय विकसित राज्य के लिए विकसित भारतञ्च2047 था। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य- एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस बीच उत्तराखंड के

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में विकसित राज्य-विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए आयोजित यह बैठक राज्यों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप-समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इस राष्ट्रीय आकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। जीडीपी वृद्धि पर पहला उप-समूह निवेश, विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखेगा। जनसंख्या प्रबंधन पर दूसरा उप-समूह भारत को वृद्धावस्था और कम प्रजनन क्षमता जैसी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए अपने जनसांख्यिकीय लाभ का लाभ उठाने में मदद करेगा। तीसरा उप-समूह प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा। एनडीए शासित पुडुचेरी सहित तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लिया हिस्सा

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 24 मई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने %विकसित भारत ञ्च2047% की अवधारणा में राज्य के सक्रिय योगदान को रेखांकित करते हुए हरियाणा का विजन डॉक्यूमेंट-2047 प्रस्तुत किया, जिसमें वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीयत, नीति और निर्णय हमेशा राष्ट्रहित में निर्णायक रहे हैं। विकसित भारत का विजन आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त, सक्षम, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण का है। इस विजन को साकार करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें हरियाणा राज्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार ने राज्य का विजन डॉक्यूमेंट-2047

तैयार किया है, जो राष्ट्र के विजन डॉक्यूमेंट से सामंजस्य करते हुए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने का हमारा लक्ष्य है। मेरा अनुरोध है कि हरियाणा विजन-2047 को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत डैशबोर्ड में एकीकृत किया जाए। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए छः महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष बल दिया है। इन बिंदुओं का राज्य के इस वित्त वर्ष के बजट में भी समावेश किया गया है। हमने हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए %डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर% नाम से एक नया विभाग बनाया है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसी नवीनतम तकनीकों द्वारा विकास की संभावनाओं की तलाश करेगा। डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर हरियाणा के विजन-2047 के अनुरूप एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक पहल, तकनीकी दूरदर्शिता और एकीकृत नीति बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए हरियाणा ए.आई. मिशन की स्थापना कर रहे हैं। हाल ही में, हरियाणा ने इसके लिए विश्व बैंक से समझौता किया है। युवाओं को स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंटर्नशिप, मेंटरशिप और सस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए %हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड% तेजी से कार्य कर रहा है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने निजी निवेशकों को 2 हजार करोड़ रुपये का एक %फंड ऑफ फंड्स% बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह स्टार्टअप्स में निवेश करके हरियाणा को नवाचार व उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अर्थव्यवस्था के तेज विकास में तकनीकी बाधा बड़ी समस्या है और कौशल की शेल्फ लाइफ कम होती जा रही है। इसलिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाया जाना चाहिए।

वे कांग्रेस को खत्म करके ही छोड़ेंगे: शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, 24 मई। भाजपा ने शनिवार को नीति आयोग की बैठक पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता किसी न किसी मुद्दे पर विवाद पैदा करने की अपनी प्रवृत्ति के कारण अपनी पार्टी को खत्म कर देंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, यह देश के विकास के लिए निर्णय लेने के लिए टीम इंडिया की बैठक है। जयराम रमेश इसमें भी खामियां निकाल रहे हैं। बता दें कि, कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी रमेश ने नीति आयोग को अयोग्य संस्था बताते हुए केंद्र पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इसकी बैठक पाखंड और ध्यान भटकाने की एक और कवायद है। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शुरू हुई। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता सरकार द्वारा बुलाई गई हर बैठक में खामियां निकालते रहते हैं ताकि कोई विवाद पैदा हो। उन्होंने कहा, जयराम रमेश कांग्रेस की राम राम करके ही छोड़ देंगे। इस बैठक का विषय है विकसित राज्य के लिए विकसित भारतञ्च2047। भाजपा प्रवक्ता ने नीति आयोग की बैठक को टीम इंडिया की बैठक बताया और कांग्रेस पर इस पर आपत्ति जताने के लिए हमला बोला। शाहनवाज हुसैन ने कहा, नीति आयोग देश की एक बड़ी संस्था है। यह देश के लिए नीतियां बनाती है। इसकी बैठक में देश के विकास के लिए मुख्यमंत्रियों समेत प्रतिष्ठित लोग एक साथ बैठते हैं। कांग्रेस ने इस पर भी आपत्ति जतानी शुरू कर दी है।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे यूनुस

कौमी पत्रिका
नसीरउद्दीन

ढाका, 24 मई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे। यह जानकारी शनिवार को उनके कैबिनेट के एक वरिष्ठ सलाहकार वाहीदुद्दीन महमूद ने दी। यह बयान ऐसे समय आया है जब यूनुस के इस्तीफे की अटकलें दो दिन पहले सामने आई थीं। यूनुस ने कथित तौर पर कहा था कि मौजूदा हालात में काम करना मुश्किल हो गया है। बता दें कि, सरकार, सेना और तमाम राजनीतिक दलों के बीच उपजे मतभेद के कारण उनके इस्तीफा देने की आशंका तेज हो गई थी। अंतरिम सरकार में योजना सलाहकार वहीदुद्दीन महमूद ने सलाहकार परिषद की एक औचक बैठक के बाद पत्रकारों से कहा उन्होंने (यूनुस) यह नहीं कहा कि वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि हमें सौंपे गए काम और जिम्मेदारियों को पूरा करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन हम उन पर काबू पा रहे हैं। वहीदुद्दीन महमूद ने आगे कहा- वे निश्चित रूप से बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी सलाहकार कहीं नहीं जा रहा है क्योंकि हमें सौंपी गई जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है; हम इस कर्तव्य को नहीं छोड़ सकते। मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को छात्र नेतृत्व वाले नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के नेताओं से बात करते हुए संकेत दिया था कि वे इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि राजनीतिक दलों के बीच सहमति की कमी के चलते उन्हें काम करने में कठिनाई हो रही है। इसके बाद गुरुवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में भी उन्होंने इसी प्रकार की भावना जाहिर की थी। हालांकि, बैठक में मौजूद उनके सलाहकारों ने उन्हें इस्तीफा न देने के लिए मनाया। शनिवार को ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर में हुई कार्यकारी आर्थिक परिषद (ईसीएनईसी) की बैठक के बाद अचानक एक बंद कमरे की बैठक बुलाई गई, जिसमें 19 सलाहकारों ने हिस्सा लिया। इसमें यूनुस के चुनावी सुधारों, जुलाई घोषणा पत्र और आगामी चुनावों पर चर्चा हुई।

देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले, अस्पताल अलर्ट पर

नई दिल्ली, 24 मई। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं। हालांकि सभी मामले गंभीर हैं। आइए 10 प्वाइंट में समझते हैं कोरोना का खतरा कैसे बढ़ रहा है? दक्षिण एशिया में कोविड के मामलों में उछाल ओमिक्रॉन छ्ह.1 वैरिएंट के प्रसार के कारण आया है। डॉक्टर बता रहे हैं कि वैरिएंट काफी है सक्रिय है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंताजनक वैरिएंट घोषित नहीं किया है। मौजूदा कोविड मरीजों में आमतौर पर हल्के लक्षण आ रहे हैं। संक्रमित व्यक्ति चार दिन में ठीक हो जाता है। इसके सामान्य लक्षण बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, थकान और थकावट शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्र से लंबित देय राशि जारी करने की वकालत की

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में भाग लिया जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। बैठक में इस वर्ष 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्य/2047' विषय पर चर्चा की गई। बैठक में विकास की राह में चुनौतियां तथा विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इन चुनौतियों का सामना करने पर बल दिया गया। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पर्वतीय राज्यों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं की पात्रता में छूट देते हुए अधिक धनराशि आवंटित की जानी चाहिए। उन्होंने राज्य को लम्बे समय से लम्बित देय राशि को भी जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर केन्द्र द्वारा लम्बित देय राशि को समय पर जारी किया जाता है तो हिमाचल प्रदेश आत्मनिर्भर राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश को देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में लाने के लिए राज्य सरकार के विजन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में पर्यटन गतिविधियों को ब?ावा देने के लिए विभिन्न

कदम उठाए गए हैं। देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए धार्मिक, इको, जल, प्राकृतिक गतिविधि आधारित और स्वास्थ्य पर्यटन को विविध आयाम प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग?ा हवाई अड्डे पर ब? विमानों के उतरने के लिए हवाई पट्टी का विस्तारीकरण किया जा रहा है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ पर्यटकों को भी सुविधा होगी। उन्होंने जल विद्युत परियोजनाओं में राज्यों के अधिकारों की भी पुरजोर वकालत की और मुफ्त रॉयल्टी और 40 वर्ष पूरे कर चुके पीएसयू तथा सीपीएसयू को राज्य को सौंपने का मामला भी उठाया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की ऊर्जा नीति के अनुसार रॉयल्टी संबंधी मामला भी उठाया। सरकार की वर्तमान नीति के अनुसार पहले 12 वर्षों के लिए 12 प्रतिशत, उसके उपरान्त 18 वर्षों के लिए 18 प्रतिशत तथा इसके बाद 10 वर्षों के लिए 30 प्रतिशत रॉयल्टी का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कार्यरत निजी कम्पनियां सरकार की ऊर्जा नीति की अनुपालना कर रही हैं। उन्होंने केन्द्रीय पीएसयू को भी इस नीति को अपनाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की वन सम्पदा उत्तर भारत को प्राण वायु प्रदान करती है तथा देश के हरित आवरण को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य को ग्रीन बोनस मिलना चाहिए।

अमेरिका ने यूरोपीय संघ आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ की लगाने की घोषणा की

एजेंसी

वाशिंगटन/ब्रुसेल्स। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ (ईयू) से सभी आयात पर एक जून से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की और कहा व्यापार वार्ता बेनतीजा रही। श्री ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा कि यूरोपीय संघ दशकों से अमेरिका का शोषण कर रहा है। उन्होंने ईयू पर भारी व्यापारिक बाधाएं, वैट टैक्स, ज्यादा कॉरपोरेट जुर्माने, मुद्रा में हेरफेर और अनुचित मुकदमों का आरोप लगाया, जिससे हर साल 250 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हो रहा है। की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा कि ईयू के साथ समझौता करना 'बहुत मुश्किल' रहा है। श्री ट्रंप ने लिखा, ईयू के साथ हमारी बातचीत कहीं नहीं पहुंची है, इसलिए मैं एक जून 2025 से सीधे 50 प्रतिशत टैरिफ की सिफारिश कर रहा हूं। बाद में राष्ट्रपति कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं किसी सौदे की तलाश में नहीं हूं, टैरिफ 50 प्रतिशत तय है। लेकिन अगर वे यहां प्लांट बनाएंगे, तो कोई टैरिफ नहीं लगेगा।÷ राष्ट्रपति ने दावा किया कि ईयू समझौता करना चाहता है, लेकिन सही तरीके से नहीं करता। श्री ट्रंप की टिप्पणियां ऐसे समय आई जब कुछ घंटों बाद ही अमेरिका और ईयू अधिकारियों की व्यापार वार्ता होनी थी, जो अब अधर में लटक गई है। वहीं यूरोपीय आयोग ने कहा कि वह बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन ज़रूरत पड़ी तो जवाब देने को भी तैयार है।

इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में 75 से भी अधिक आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया

यरुशलम। इजरायली वायुसेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान समूची गाजा पट्टी में आतंकवादियों के 75 से भी अधिक ठिकानों पर हमला किया है। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने यहां जारी बयान में कहा कि उसकी वायुसेना ने आतंकवादियों के 75 से भी ज्यादा ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। बयान के मुताबिक हमलों में आतंकवादियों , रॉकेट लांचरों, सैन्य परिसरो, हथियार भंडारण सुविधाओं और अन्य सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया है। इस बीच फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि सुबह गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 16 फिलिस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। इजरायली सुरक्षा बलों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देश की सुरक्षा एजेंसी की खुफिया सहायता के साथ काम कर रहे उसके जमीनी बल समूचे इलाके में अपना अभियान जारी रखे हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में बाढ़ के कारण लगभग दस हजार संपत्तियां क्षतिग्रस्त

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में बाढ़ के कारण लगभग दस हजार संपत्तियों के क्षतिग्रस्त होने का अनुमान है।राज्य के आपातकालीन सेवा प्राधिकरण ने कहा कि शुरुआती अनुमानों से पता चलता है कि राज्य के पूर्वी क्षेत्रों में बाढ़ के पानी में 10,000 से अधिक संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गई। राज्य आपातकालीन सेवा (एसईएस) के मुख्य अधीक्षक पॉल मैकक्वीन ने आज सुबह संवाददाताओं को बताया कि क्षति आकलन प्रक्रिया शुरू करने के लिए टीमें रवाना होंगी।उन्होंने कहा, 'मैं दोहराता हूं कि यह अभी भी एक खतरनाक स्थिति है जहां बुनियादी ढांचे और संपत्तियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है।' 'दुर्भाग्यवश जब तक पानी के स्तर में और कमी नहीं हो जाती तब तक लोगों को अपने घरों में वापस जाने देना संभव नहीं है तथा हमें विश्वास है कि वे अपने घरों और समुदायों तक सुरक्षित पहुंच सकेंगे।' एनएसडब्ल्यू पुलिस ने शुक्रवार शाम को एक बयान में कहा कि बचाव अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित मध्य उत्तरी तट पर एक जले हुए वाहन के अंदर एक शव मिला। यह लगातार पांच दिनों की मूसलाधार बारिश के बाद मध्य उत्तरी तट और आसपास के क्षेत्रों में आई व्यापक बाढ़ की समस्या में पांचवीं मौत है।

पाकिस्तान में भारत की सैन्य कार्रवाई आतंकवादी हमले के खिलाफ थीः जयशंकर

कोपहेगन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिमी देशों को स्पष्ट किया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कश्मीर मुद्दे को लेकर नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में की थी। डॉ. जयशंकर ने डेनमार्क के एक अखबार 'पोलिटिकेन' को दिए साक्षात्कार में कहा, यह कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की बर्बरतापूर्वक की गयी हत्या के जवाब में की गयी भारत की कार्रवाई थी।उन्होंने पश्चिम देशों द्वारा पिछले कुछ दशकों से पाकिस्तान को दिये जा रहे समर्थन पर कहा कि पाकिस्तान 1947 से ही कश्मीर में हमारी सीमाओं का उल्लंघन करता आ रहा है, लेकिन लोकतंत्र का हिमायती यूरोप इस क्षेत्र में सैन्य तानाशाहों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है। उन्होंने पश्चिमी देशों पर तंज कसते हुए कहा, पश्चिमी देशों की तरह किसी ने भी पाकिस्तान के सैन्य शासन का समर्थन नहीं किया। एक सवाल पर उन्होंने कहा विश्व और यूरोप के बारे में मेरा दृष्टिकोण अपने अनुभवों के आधार पर है। आप सीमाओं की अखंडता के बारे में बात करते हैं - तो क्यों न हम अपनी सीमाओं की अखंडता से शुरुआत करें। यही वह जगह है जहाँ मेरी दुनिया शुरू होती है, लेकिन हमें हमेशा कहा गया है कि हमें इसे खुद ही हल करना होगा।

IMF 2025 की दूसरी छमाही में कर सकता है पाकिस्तान के लिए अगला फंडिंग रिव्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) 2025 की दूसरी छमाही में पाकिस्तान के लिए अगला फंडिंग रिव्यू कर सकता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आईएमएफ वित्त वर्ष 2026 के बजट की शर्तों पर एक समझौते पर पहुंचने के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ निरंतर चर्चा जारी रखेगा। आईएमएफ के अनुसार, अगली एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) और रेजिलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) रिव्यू से जुड़ा अगला मिशन 2025 की दूसरी छमाही में होने की उम्मीद है। नाथन पोर्टर के नेतृत्व में आईएमएफ मिशन ने अपने कर्मचारियों का दौरा पूरा कर लिया है, जिसमें हाल के आर्थिक विकास, कार्यक्रम कार्यान्वयन और वित्त वर्ष 2026 के लिए बजट रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया गया। पोर्टर ने कहा, हमने अधिकारियों के साथ

उनके वित्त वर्ष 2026 के बजट प्रस्तावों, व्यापक आर्थिक नीति और 2024 ईएफएफ; 2025 आरएसएफ द्वारा समर्थित सुधार एजेंडे पर उपयोगी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने सामाजिक और प्राथमिकता वाले व्यय की सुरक्षा करते हुए राजकोषीय कंसोलिडेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 में सकल घरेलू उत्पाद का 1.6 प्रतिशत प्राथमिक अधिशेष प्राप्त करना है। आईएमएफ के बयान में कहा गया है कि चर्चा में वित्तीय व्यवहार्यता में सुधार और पाकिस्तान के बिजली क्षेत्र की उच्च लागत संरचना को कम करने के उद्देश्य से वर्तमान ऊर्जा क्षेत्र सुधारों के साथ-साथ दूसरे संरचनात्मक सुधारों को भी शामिल किया गया। भारत ने कहा है कि वह आईएमएफ की पाकिस्तान पर लगाई गई 11 अतिरिक्त शर्तों के लिए आभारी है। साथ ही, भारत की ओर से हाल ही में दिए गए बेलआउट पैकेज के समय पर गंभीर चिंता जताई गई है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि इस फंड ने अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान के बढ़ते रक्षा खर्च का समर्थन किया होगा। यह बेलआउट तब आया जब पाकिस्तान भारत के ऑपरेशन सिंदूर का जवाब दे रहा था। भारत की ओर से बेलआउट पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया था क्योंकि पाकिस्तान आतंकवादियों को भारतीय नागरिकों के खिलाफ राज्य प्रायोजित हमले करने के लिए अपनी धरती का उपयोग करने की अनुमति देता है।

नेपाल के पूर्व उप-प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली जमानत, अंतिम फैसला आने तक जेल में ही रहना होगा

एजेंसी

काठमांडू। सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम को-ऑपरेटिव धोखाधड़ी मामले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व उप-प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री रवि लामिछाने को हिरासत में लेने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा है। अब इस मुकदमे पर जिला कोर्ट से अंतिम फैसला आने तक उन्हें जेल में ही रहना होगा। न्यायमूर्ति नहकुल सुवेदी और न्यायमूर्ति बालकृष्ण ढकाल की संयुक्त पीठ ने लामिछाने की पत्नी निकिता पौडेल की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्हें हिरासत से रिहा करने की मांग की गई थी। इस फैसले के साथ लामिछाने तब तक हिरासत में रहेंगे जब तक रूपंदेही जिला न्यायालय धोखाधड़ी मामले पर अंतिम फैसला नहीं दे देता। जिला न्यायालय द्वारा सभी आरोपों से बरी किए जाने पर ही उन्हें रिहा किया जाएगा। लामिछाने को मूल रूप से उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद हिरासत में लिया गया था, जिसने

जिला न्यायालय के पहले के फैसले को पलट दिया था, जिसमें उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए लामिछाने ने सुप्रीम कोर्ट में एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि उनकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी है। उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने की मांग करते हुए एक अलग याचिका भी प्रस्तुत की थी।

रूस ने यूक्रेन में मचाई तबाही, राजधानी कीव में त्राहिमाम-त्राहिमाम

एजेंसी

कीव। रूस ने देररात यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के हिस्सों में भारी तबाही मचाई। रूस ने बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलें दागकर पिछले दिनों मॉस्को में किए गए हमलों का माकूल जवाब दिया। इस हमले में पूरी राजधानी चपेट में आ गई। कीव में कई जगह विस्फोट के बाद आग लग गई। त्राहिमाम-त्राहिमाम मच गया। जब जान पर बन आई तो सैकड़ों लोगों ने भागकर भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण ली। सीबीएस न्यूज के अनुसार, रूस का हवाई हमला सुबह होने के बाद थमा। बताया गया है कि रूस का हमला दोनों देशों के कैदियों की अदला-बदली शुरू करने के कुछ घंटों बाद हुआ। पिछले सप्ताह इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने कैदियों की अदला-बदली पर सहमति व्यक्त की थी। पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा है कि आज सुबह कीव के कम से कम चार शहरी जिलों में इंटरसेप्ट की गई मिसाइलों और ड्रोन का मलबा गिरा है। छह लोग रक्तरंजित मिले हैं।कीव के सोलोमियांस्की जिले में दो जगह आग लग गई।हमले से पहले, मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने सुबह कहा कि ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक आवासीय इमारत पर गिरा। कैदियों की अदला-बदली पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पहले चरण में 390 यूक्रेनियों को घर वापस लाया गया। सप्ताहांत में और लोगों की रिहाई की उम्मीद है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे यूक्रेन से भी इतनी ही संख्या में कैदी मिले हैं। एक यूक्रेनी अधिकारी के अनुसार, यह अदला-बदली उत्तरी यूक्रेन में बेलारूस की सीमा पर हुई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रिहा किए गए रूसियों को उपचार के लिए बेलारूस ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन के युद्ध में अब तक दसियों हजार सैनिक मारे गए हैं। 16 मई की इस्तांबुल में बैठक के बाद तुर्किये के विदेशमंत्री हकन फिदान ने दोनों पक्ष प्रथम चरण की अदला-बदली के बाद फिर से मिलने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। लेकिन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि लड़ाई समाप्त करने के लिए अगले दौर की वार्ता के स्थल पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, क्योंकि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

जापान में भारतीय प्रतिनिधिमंडल, सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से कराया अवगत

एजेंसी

टोक्यो। जेडीयू से सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो के इंडिया हाउस में जापान के राजनीतिक, सरकारी और शैक्षणिक हलकों के लोगों के साथ बातचीत की और सीमा पार आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया। यह प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के महत्व और पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई को उजागर करने के लिए भारत के वैश्विक कूटनीतिक आउटरीच अभियान का एक हिस्सा है। भारतीय सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर को सीमा पार आतंकवादी हमलों के खिलाफ भारत की 'न्यू नॉर्मल' नीति बताया। जापान में भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'संजय कुमार झा के नेतृत्व में संसद सदस्यों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के राजनीतिक, सरकारी और शैक्षणिक क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की और इंडिया हाउस में जापान में भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज द्वारा आयोजित रात्रिभोज में

सीमा पार आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का एक मजबूत और एकीकृत राष्ट्रीय संदेश दिया।' इससे पहले टोक्यो में आयोजित एक प्रेस वार्ता में झा के नेतृत्व में सांसदों ने स्थानीय मीडिया को सीमा पार हमलों के खिलाफ भारत की 'नई सामान्य' नीति, आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता और राष्ट्रीय हित के सभी मामलों में सभी दलों के एकजुट रहने के संकल्प के बारे में जानकारी दी। झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी और बृज लाल, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सदस्य जॉन बरिटास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद शामिल हैं। उन्होंने टोक्यो में जापान-भारत संसदीय मैत्री लीग के साथ भी बातचीत की, तथा ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक आउटरीच अभियान के तहत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया।

हार्वर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों पर प्रतिबंध को लेकर ट्रंप प्रशासन पर दायर किया मुकदमा

एजेंसी

वाशिंगटन। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर दूसरी बार मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा ऐसे समय में किया गया है जब एक दिन पहले ही गृह सुरक्षा विभाग ने कहा था कि वह प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के नामांकन से रोक देगा। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन गार्बर ने हार्वर्ड समुदाय के सदस्यों को लिखे एक पत्र में कहा, यह निरस्तीकरण हार्वर्ड के खिलाफ हमारे द्वारा अपनी अकादमिक स्वतंत्रता को त्यागने से इनकार करने तथा हमारे पाठ्यक्रम, हमारे संकाय और हमारे छात्र निकाय पर संघीय सरकार के अवैध नियंत्रण के आगे झुकने के लिए सरकार की जवाबी कार्रवाई की श्रृंखला को आगे बढ़ाता है। गार्बर ने कहा, हम इस गैरकानूनी और अनुचित कार्रवाई की निंदा करते हैं। यह हार्वर्ड के हजारों छात्रों और विद्वानों के भविष्य को खतरे में डालता है और देश भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले उन अनगिनत लोगों के लिए चेतावनी है जो अपनी शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपने पूरे करने के लिए अमेरिका आए हैं। हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अभी शिकायत दर्ज की है और एक अस्थायी निरोधक आदेश के लिए प्रस्ताव भी दायर किया जाएगा। उन्होंने कहा, जब हम कानूनी उपायों की तलाश करेंगे, तो हम अपने छात्रों और विद्वानों का समर्थन करने के लिए अपनी पूरी शक्ति से काम करेंगे। समाचार एजेंसी के अनुसार अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने गुरुवार को इस निर्णय की घोषणा की। नोएम ने एक बयान में कहा, इसे देश भर के सभी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को नामांकित करना एक विशेषाधिकार है अधिकार नहीं और हार्वर्ड द्वारा संघीय कानून का पालन करने में बार-बार विफल रहने के कारण यह विशेषाधिकार रद्द कर दिया गया है। सचिव ने कहा कि भावी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के नामांकन पर रोक लगाने के अलावा, मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा, अन्यथा उन्हें अपना कानूनी दर्जा खोना होगा। 11 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने हार्वर्ड को एक पत्र भेजा, जिसमें मांग की गई कि विश्वविद्यालय सार्थक प्रशासनिक सुधार और पुनर्गठन करे। प्रशासन की मुख्य मांगों में परिसर में यहूदी विरोधी भावना को समाप्त करना तथा कुछ अल्पसंख्यक समूहों को लाभ पहुंचाने वाली विविधता पहलों को समाप्त करना शामिल है। 14 अप्रैल को हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने अपने प्रशासन, नियुक्ति और प्रवेश प्रक्रियाओं में व्यापक परिवर्तन करने की ट्रंप प्रशासन की मांग को अस्वीकार कर दिया। इसके कुछ ही घंटों बाद, ट्रंप प्रशासन ने विश्वविद्यालय को दिए जाने वाले 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बहु-वर्षीय अनुदान और 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बहु-वर्षीय अनुबंध मूल्य पर रोक लगाने की घोषणा की।

ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन के बीच साझेदारी की घोषणा की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान स्थित निप्पॉन स्टील के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूएस स्टील का मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित अमेरिकी स्टील निर्माता जापान की निप्पॉन को खरीदने को तैयार है। न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि यूएस स्टील अमेरिका में ही रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग के महान शहर में रहेगा। यह यूनाइटेड स्टेट्स स्टील और निप्पॉन स्टील के बीच एक नियोजित साझेदारी है। इससे कम से कम 70,000 नौकरियां पैदा होंगी।

बताया गया है कि ट्रंप की इस घोषणा के बाद यूएस स्टील के शेयरों में 21 फीसद का उछाल आया है और आफ्टरमार्केट ट्रेडिंग में लगातार इजाफा हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह 30 मई को पिट्सबर्ग में यूएस स्टील के मुख्यालय का दौरा करेंगे। उधर, इस पर व्हाइट हाउस ने तुरंत कोई और स्पष्टीकरण नहीं दिया और ना ही यह स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था के तहत यूएस स्टील पर स्वामित्व किसका होगा। यूएस स्टील ने ट्रंप की प्रशंसा की है। यूएस स्टील ने कहा कि वह साहसी नेता और सफल व्यवसायी हैं। वह जानते हैं कि अमेरिका, अमेरिकी श्रमिकों और अमेरिकी विनिर्माण के लिए सबसे अच्छा सौदा कैसे प्राप्त किया जा सकता है। यह साझेदारी अमेरिका के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा, 'उत्तर कोरिया की रणनीतिक स्थिति हुई काफी मजबूत'

एजेंसी

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों की तुलना में अपनी 'सबसे मजबूत स्थिति' में है। इसकी वजह यह है कि उत्तर कोरिया लगातार उन्नत हथियार बना रहा है, जो उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की मुख्य भूमि में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। अमेरिका के रक्षा विभाग की खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने एक रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट का नाम है '2025 वर्ल्डवाइड थ्रेट असेसमेंट' यानी '2025 वैश्विक खतरे का आकलन'। इसमें उत्तर कोरिया, चीन, रूस, ईरान और अन्य देशों या संगठनों से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों के बारे में जानकारी दी गई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों को लेकर चिंता बढ़ रही है। साथ ही, पिछले साल जून में

रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुई 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' संधि के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य रिश्तों को लेकर भी चिंता जताई गई है। डीआईए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 'उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन को अब अपने शासन की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को लेकर पहले से ज्यादा भरोसा हो गया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि 'उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों में अपनी सबसे मजबूत स्थिति में है। उसके पास अब ऐसे हथियार और सैन्य ताकत है जो पूर्वोत्तर एशिया में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकती है। इसके साथ ही, वह अमेरिका तक को डराने की अपनी क्षमता को बेहतर बना रहा है। 'रिपोर्ट में बताया गया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के बदले रूस, उत्तर कोरिया, चीन और ईरान के साथ अंतरिक्ष, परमाणु और मिसाइल से जुड़ी तकनीक, जानकारी और सामान साझा कर रहा है। इससे अगले तीन से पांच वर्षों में इन तीनों देशों के खतरनाक हथियार बनाने के कार्यक्रमों में तेजी आ सकती है। एजेंसी ने कहा है कि 'उत्तर कोरिया अपने मिसाइल कार्यक्रम के लिए ऐसी चीजें गैरकानूनी तरीके से खरीद रहा है, जिन्हें वह खुद अपने देश में नहीं बना सकता। इसमें उसे अक्सर चीन और रूस के लोगों की मदद मिलती है।

गर्मी से झुलसने लगे संयुक्त अरब अमीरात के लोग, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस पार

एजेंसी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के लोग गर्मी से झुलसने लगे हैं। यहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। हालांकि आसमान साफ है। संयुक्त अरब अमीरात अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इसकी सीमा ओमान और सऊदी अरब से लगती है। तपते रेगिस्तान में पारा के अचानक उछाल मारने से हर कोई हैरान-परेशान है। गल्फ न्यूज के अनुसार, अबू धाबी के अल शावमेख में तापमान 50.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुक्रवार इस साल का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी ने नौकरीपेशा और कामकाजी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों को बाहर निकलते ही त्वचा के झुलसने का अहसास हो रहा है। तटीय क्षेत्रों में नमी बढ़ने और हलकी हवा के बीच लोग चिलचिलाती धूप

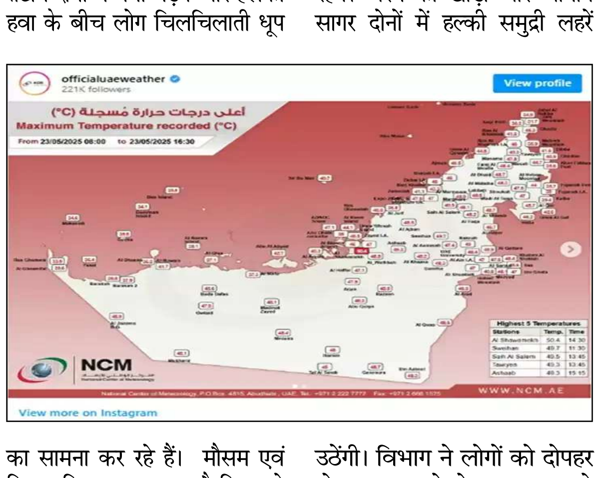

का सामना कर रहे हैं। मौसम एवं विज्ञान विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अरब की खाड़ी और ओमान सागर दोनों में हल्की समुद्री लहरें उठेंगी। विभाग ने लोगों को दोपहर दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक बाहर न निकलने की सलाह दी है।

चीन ने की वाशिंगटन में इजरायली दूतावास कर्मचारियों की हत्या की निंदा

एजेंसी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि चीन वाशिंगटन में इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या की कड़ी निंदा करता है। सुश्री माओ ने एक वक्तव्य में कहा कि हमने प्रासंगिक जानकारी प्राप्त कर ली है। चीन किसी भी प्रकार की हिंसा की निंदा करता है।

बांग्लादेश में राजनीतिक हलचल तेज, असमंजस के बीच यूनुस ने वार्ता के लिए बीएनपी और जमात को आमंत्रित किया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में 'पतन के भंवर' की अटकलों में फंसी 10 माह पुरानी अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के आज बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से मिलने की संभावना के बीच राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। संसदीय चुनाव के मुद्दे पर कुछ माह से यूनुस राजनीतिक दलों के निशाने पर हैं। समाचार पोर्टल अनुसार, यूनुस बढ़ते राजनीतिक तनाव और अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में अपने भविष्य पर सवालिया निशान के बीच बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से मिलने के लिए तैयार हो गए हैं। यूनुस ने बीएनपी प्रतिनिधिमंडल को आज शाम 7~30 बजे अपने आधिकारिक आवास स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से उनकी मुलाकात जमुना में ही रात 8~30 बजे होगी। बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य खांडेकर मुशर्रफ हुसैन और जमात प्रमुख शफीकुर रहमान अपनी-अपनी पार्टी नेताओं का नेतृत्व करेंगे। बीएनपी नेता सलाहुद्दीन अहमद और जमात के उप प्रमुख सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने इसकी पुष्टि की है। सनद रहे कि पिछले साल छात्र और जन विद्रोह के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पांच अगस्त को देश छोड़ दिया था। तीन दिन बाद नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. यूनुस ने अंतरिम सरकार के सलाहकार के रूप में शपथ ली थी। लगभग 10 महीने बाद देश में फिर राजनीतिक तनाव भड़क गया है। इसके केंद्र में संसदीय चुनाव में हो रही देरी और ढाका दक्षिण नगर निगम के मेयर के रूप में बीएनपी नेता इशराक हुसैन के शपथ ग्रहण में अडंगा है। इसके अलावा जुलाई विद्रोह के नेताओं के नेतृत्व में कई सलाहकारों के इस्तीफे की मांग की गई। राजनीतिक गहमागहमी के बीच ऐसी खबरें सामने आईं कि सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान ने दिसंबर तक चुनाव कराने के बारे में आंतरिक रूप से बात की थी। इस पृष्ठभूमि में, पूर्व सलाहकार नाहिद इस्लाम ने गुरुवार को सलाहकार यूनुस से बात की। नाहिद ने फरवरी में अंतरिम सरकार से इस्तीफा देकर छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) का गठन किया है। नाहिद के मिलने के बाद दो मौजूदा छात्र सलाहकार महफूज आलम और आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने भी मुख्य सलाहकार से मुलाकात की। बीएनपी ने इस घटनाक्रम से कुछ घंटे पहले अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अंतरिम सरकार को चेताया कि संसदीय चुनाव हर हाल में दिसंबर तक होने चाहिए। इसके बाद जमात ने बिना चूके उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद शफीकुर ने सार्वजनिक रूप से यूनुस से सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। इस बीच, यूनुस के विशेष सहयोगी फैज अहमद तैयब ने फेसबुक पर पोस्ट कर उम्मीद जताई कि मुख्य सलाहकार इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने चुनाव के संबंध में सेना प्रमुख की हालिया टिप्पणियों पर भी सवाल उठाए। हालांकि, तैयब ने बाद में पोस्ट को डिलीट कर दिया। बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के गुस्से और हताशा के कारण इस्तीफा देने की खबर से पूरे देश में हलचल है। हालांकि कोई भी पार्टी नहीं चाहती कि प्रोफेसर यूनुस इस्तीफा दें। पार्टियां अंतरिम सरकार से संसदीय चुनाव के लिए एक विशिष्ट तारीख की मांग कर रही हैं। बताया जा रहा है कि प्रो. यूनुस ने गुरुवार को सलाहकार परिषद की नियमित बैठक के बाद कुछ लोगों से इस्तीफा देने पर चर्चा की। अचानक हुई इस चर्चा ने देश में खलबली मचा दी। कहा जा रहा कि यूनुस विभिन्न दलों के असहयोग से परेशान हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए वायुक्षेत्र के उपयोग से जुड़ा प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग से जुड़े प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। भारत सरकार ने यह निर्णय पाकिस्तान के जवाब में लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत की ओर से जारी 'नोटम' की जानकारी दी। इसके अनुसार पाकिस्तान पंजीकृत विमानों और पाकिस्तान की वायुसेवा कंपनियों या संचालकों द्वारा संचालित, स्वामित्व या पट्टे पर लिए गए विमानों और सैन्य विमानों पर भारतीय वायु क्षेत्र में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध अब 23 जून तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भी भारत के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग पर प्रतिबंध 23 जून तक बढ़ा दिया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच वायु मार्ग बंद हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत ने अपनी उड़ानों की योजना में बदलाव किया है। अतिरिक्त दूरी और उड़ान समय को उनकी समय-सारिणी में पहले से जोड़ा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि आज ही इंडिगो का विमान एक 'हेलस्टॉर्म' में फंस गया। विमान ने लाहौर एटीसी से पाकिस्तान के वायु क्षेत्र में थोड़े समय के लिए प्रवेश की अनुमति मांगी। लाहौर एटीसी ने नोटम का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय अधिकारियों ने विमान को सुरक्षित रूप से श्रीनगर की ओर मोड़ दिया।

नेशनल हेराल्ड मामला सोनिया-राहुल के नैतिक पतन की पराकाष्ठा का प्रमाण : तरुण चुग

नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने तंज कसा है कि नेशनल हेराल्ड का मामला कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नैतिक पतन की पराकाष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में चार्टशीट दाखिल की। इसमें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। चुग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मामला 2013 में दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका के माध्यम से शुरू हुआ। उस समय यूपीए सरकार सत्ता में थी। इसी मामले में राहुल और सोनिया जमानत पर हैं। उन्होंने कहा कि केस से जुड़े लेन-देन में लगभग 142 करोड़ रुपये के हेराफेरी के मामले में कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। कांग्रेस को बताना चाहिए कि इसका प्रयोग किसने और कहां किया। भाजपा महामंत्री चुग ने कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक दल के रूप में अपनी ही संपत्ति पर भ्रष्टाचार किया है। आमतौर पर अपने घर में कोई चोरी नहीं करता, लेकिन इस मामले में कांग्रेस ने अपनी ही संपत्ति हथियाने का काम किया।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की वैश्विक पहुंच मजबूत कूटनीति का प्रतीक : आनंद शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने केंद्र सरकार के उस फैसले को 'अच्छी पहल' बताया, जिसमें आतंकवाद पर भारत का रुख दुनिया के सामने रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजा गया है। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उठाया गया है। आनंद शर्मा ने समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में इस पहल को भारतीय कूटनीति में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने वैश्विक मंच पर एकजुट राष्ट्रीय रुख पेश करने के महत्व पर जोर दिया। शर्मा ने कहा कि आतंकवाद की चुनौती के बीच देश की एकता जगजाहिर करने के लिए यह एक सराहनीय कदम है। सभी राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडल, एक स्वर में बोलते हुए, हमारी राष्ट्रीय सहमति को मजबूत करने और वैश्विक गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में मदद करते हैं। शर्मा दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, कतर और इथियोपिया का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं और कांग्रेस द्वारा सुझाए गए नामों में एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्हें सरकार ने किसी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया है। वह शशि थरूर के बाद इस पहल का समर्थन करने वाले दूसरे कांग्रेस नेता हैं। हालांकि, कांग्रेस के कुछ वर्गों ने इस प्रयास की आलोचना करते हुए इसे ध्यान भटकाने वाली रणनीतिबताया है।

ड्रोन के जरिए पहुंचाई जाएगी दुर्गम इलाकों में मछली: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से जानकारी दी गई है कि दुर्गम इलाकों में एग्रीगेटर से वितरण बिंदु तक मछली ले जाने का काम बहुत जल्द ड्रोन के माध्यम से होता नजर आएगा। मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव (मत्स्य पालन) डॉ. अभिलक्ष लिखी के अनुसार, जीवित मछली परिवहन के लिए वर्तमान में ड्रोन तकनीक पर एक पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य 70 किलोग्राम पेलोड ड्रोन विकसित करना है, जो दुर्गम इलाकों में जीवित मछली ले जाने में सक्षम हो। एक कार्यक्रम में, डॉ. लिखी ने राज्यों से इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और संस्थागत तालमेल के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सहयोगी प्रयासों को मजबूत करने का आग्रह किया। मछुआरों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया, जिसमें रिसोर्स मैपिंग, बायोमेट्रिक पहचान और चेहरे की पहचान जैसे पहलू शामिल हैं। ग्रीन और ब्लू सस्टेनेबिलिटी सिद्धांतों से जुड़ी स्मार्ट, इंटीग्रेटेड मछली पकड़ने के बंदरगाहों और मॉडर्न फिश मार्केट के विकास को भविष्य की प्रमुख प्राथमिकता के रूप में पहचाना गया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने रखा रूस के समक्ष आतंक के खिलाफ भारत का रुख

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने रूस की यात्रा की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के पक्ष पर केंद्रित यह यात्रा महत्वपूर्ण रही। प्रतिनिधिमंडल ने रूस की संसद के दोनों सदनों और थिंक टैंकों के साथ कई बैठकें कीं। इन उच्च स्तरीय बातचीतों ने भारत और रूस के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को फिर से पुष्टि की। रोज स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिनिधिमंडल ने रूस के उप विदेश मंत्री एंद्रेई रुडेनको के साथ विस्तृत चर्चा की। चर्चा में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर जोर दिया गया। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के प्रति अपनी

जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया और कहा कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को सहन नहीं करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के पहले उपाध्यक्ष एंद्रेई डेनिसोव के साथ व्यापक चर्चा की। इस संवाद में वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ विधायी समन्वय को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य डूमा के अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लुत्स्की के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने भारत-रूस के ऐतिहासिक और विश्वसनीय संबंधों की पुष्टि की। चर्चा में वैश्विक सुरक्षा आर्किटेक्चर, उभरते भू-राजनीतिक माहौल और बहुपक्षीय सहयोग शामिल थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल फ्रादकोव के साथ भी बातचीत की। उन्होंने आतंकवाद के रास्तों, दुष्प्रचार पारिस्थितिकी तंत्र और क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाले राज्य प्रायोजित प्रचार पर विचार-विमर्श किया।

हार्वर्ड विवि के पूर्व छात्र और सांसद राघव चड्ढा ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना की

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के प्रतिष्ठिति उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। चड्ढा ने एक्स पोस्ट में ट्रंप प्रशासन के हार्वर्ड में विदेशी विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रतिबंध लगाने की खिलाफत की है। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के हालिया कदम से हार्वर्ड और उसके बाहर के अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सपनों और भविष्य को खतरा है। हार्वर्ड समुदाय के एक गौरवशाली सदस्य के रूप में मैंने शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए समर्थन दिखाने के लिए हार्वर्ड की टीशर्ट के समर्थन वाली पहनी है।

मैं हार्वर्ड और उन सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ खड़ा हूं, जिनके सपने और भविष्य खतरे में हैं। हमें शैक्षणिक स्वतंत्रता और वैश्विक सहयोग की रक्षा करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रतिबंध लगाने के बाद हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा कर दिया है।

राहुल गांधी के बयान देश की सुरक्षा के लिए घातक : भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को देश की सुरक्षा और सशस्त्र बलों के मनोबल के लिए 'हानिकारक' बताया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी का यह पूछना कि भारतीय वायुसेना के कितने विमान गिरे, एक 'गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील' व्यवहार है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। भाटिया ने बताया कि वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल भारती पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 'कॉम्बैट सिचुएशन' के दौरान इस प्रकार के सवालों का उत्तर देना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल के ऐसे वक्तव्य न केवल सुरक्षा एजेंसियों की कार्यवाही को बाधित करते हैं, बल्कि शत्रु देशों के हित में जाते हैं। प्रवक्ता ने कांग्रेस पर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघर्ष

काल में कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक अपमानजनक छवि पोस्ट की गई थी, जिसे बाद में बिना किसी सार्वजनिक क्षमा याचना के हटा दिया गया। उन्होंने दावा किया कि इस पोस्ट को पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री ने रीपोस्ट कर टिप्पणी की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन 'सिंदूर' एक ऐतिहासिक सफलता रही, जिसे देश के 140 करोड़ नागरिकों का समर्थन प्राप्त है और जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने पाकिस्तान की नेता मरियम नवाज के बयान का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने 6 से 9 मई के बीच पाकिस्तान को हुए भारी नुकसान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जहां पाकिस्तान खुद इस बात को मान रहा है, वहीं राहुल गांधी उसी समय भारत की आलोचना कर रहे हैं।

आतंकवाद पर जर्मन विदेश मंत्री ने किया भारत के आत्मरक्षा अधिकार का समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने आतंकवाद के खिलाफ एक सख्त रुख अपनाते हुए भारत में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही उन्होंने भारत का इसके खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन भी किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हम 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से बेहद दुखी हैं। हम नागरिकों पर किए गए इस हमले की सबसे मजबूत शब्दों में निंदा करते हैं। हमारे दिल से सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं हैं वाडेफुल ने यह भी स्पष्ट किया कि जर्मनी भारत के आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा, भारत के पास आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का हर अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा, यह महत्वपूर्ण है कि यह संघर्ष विराम

> **विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हम 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से बेहद दुखी हैं।**

स्थिर रहे और संवाद हो ताकि द्विपक्षीय समाधान खोजा जा सके। इससे उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मध्यस्थता के दावों के बीच जर्मनी की प्राथमिकता भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच सीधे संवाद को बनाए रखने की है। विदेश मंत्री वर्तमान में जर्मनी की यात्रा पर हैं। अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त की और जर्मनी के समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद के खतरे पर विस्तार से चर्चा की। यह हमारे लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। भारत ने कई बार आतंकवादी हमलों का सामना किया है, और ऐसे में हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह न मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और जर्मनी की साझेदारी इस वैश्विक खतरे के विरुद्ध साझा प्रयासों को और सशक्त बनाएगी।

कूटनीतिक संवाद की कड़ी में चार प्रतिनिधिमंडलों को विदेश सचिव ने किया ब्रीफ

एजेंसी
नई दिल्ली विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अमेरिका और अन्य देशों की यात्रा पर जाने वाले चार संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत चल रहे वैश्विक अभियान को लेकर ब्रीफ किया। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर सहित भारत के विरुद्ध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को विश्व समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करना है। इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-समाजवादी पक्ष (एनसीपी-एसपी) सांसद सुप्रिया सुले और भाजपा सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं। विदेश सचिव की ब्रीफिंग के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सांसदों, थिंक टैंकों, मीडिया और आम नागरिकों से मिलेंगे। यह एक व्यापक प्रयास है। हमारा लक्ष्य है कि इन देशों की जनता, संसद और

सरकार को हमारी चिंताओं के प्रति संवेदनशील बनाएं और भारत का पक्ष मजबूती से रखें। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर सभी सांसदों को भारत का पक्ष दुनिया के सामने स्पष्ट रूप से रखना चाहिए। पहलगाम की बर्बर घटनाओं के बाद दुनिया को बताना जरूरी है कि भारत शांति और कूटनीति चाहता है, लेकिन हमले होंगे तो जवाब भी देंगे। पाकिस्तान का 70 वर्षों का इतिहास सबके सामने है। भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है जहां निर्णय सेना नहीं बल्कि चुनी हुई सरकार लेती है। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा ने कहा कि विदेश सचिव और उनकी टीम से हमें व्यापक जानकारी मिली। भारत में जो एकता दिख रही है, वह इस अभियान के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। हम यह संदेश लेकर पूरी दुनिया तक पहुंचेंगे। सुप्रिया सुले ने कहा कि हम शांति और मित्रता का संदेश देने जा रहे हैं।

हमारा समूह कल दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया और कतर की यात्रा पर रवाना होगा। भारत आतंकवाद के खिलाफ है और यह कतई बर्दाश्त नहीं है। हम आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर समस्या है, जिससे भारत 1947 से पीड़ित रहा है। यही कारण है कि पाकिस्तान और भारत के बीच कभी अच्छे संबंध नहीं बन सके। दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं है जो आतंकवाद के दंश से अछूता हो।

लोक सभा अध्यक्ष रविवार से झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 25 मई से झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वह रविवार को जमशेदपुर, झारखंड में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्लेटिनम जुबली समारोह में प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। झारखंड दौरे के दौरान बिरला रांची के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वह रांची में डंगराटोली स्थित स्वर्ण भूमि में विभिन्न सोसाईटियों द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भी शामिल होंगे। जमशेदपुर में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्लेटिनम जुबली समारोह में केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य और पूर्व संसद सदस्य भी शामिल होंगे । सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) 1948 में अपनी

स्थापना के समय से ही झारखंड के आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। इस चैम्बर के लगभग 1,500 सदस्य हैं और अप्रत्यक्ष रूप से 175,000 से अधिक लोग इससे जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री के पास रेलवे को अत्याधुनिक बनाने का विजन, बिहार के लिये बहुत कुछ सोचा है: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जमालपुर रेल कारखाना स्थित इरिमी सभागार में आज आयोजित कार्यक्रम में शामिल विभिन्न संगठनों से जुड़े अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रेलवे को अत्याधुनिक बनाने का विजन है, उन्होंने बिहार के लिये बहुत कुछ सोचा है। उन्होंने कहा कि 350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर रेल कारखाना का आधुनिकीकरण होगा। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि अब तक रेल अधिकारियों और सुपरवाइजरों को इनहाउस ट्रेनिंग देने वाली इरिमी अब युवाओं को भी प्रशिक्षित करेगी। वर्ष 2026 में शुरू होने वाले नए बैच से इसकी शुरुआत होगी। जमालपुर पहुंचे केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस कोर्स के शुरू होने से यहां प्रतिभावान युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर सम्मानजक पद प्राप्त कर सकेंगे। रेलमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद बीते साठ वर्षों में रेलवे का महज 20 हजार किलोमीटर विद्युतीकरण हो सका था लेकिन पिछले 11 वर्षों में हमने 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा रेलवे का

विद्युतीकरण किया है। पहले हमें डीजल दूसरे देशों से आयात करना पड़ता था इसलिए प्रधानमंत्री ने रेलवे के लिये संपूर्ण विद्युतीकरण का संकल्प लिया। भारत को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री का विजन है। नए तरह के रेलवे ट्रैक, नई तकनीक से युक्त ट्रेनें इन सब पर हमारा फोकस है।रेलमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में बिहार में रेलवे में हुए विकास की चर्चा की। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहले बिहार में रेलवे के लिये सिर्फ एक हजार करोड़ का बजट होता था, लेकिन अब 10 हजार करोड़ का है। केन्द्र सरकार ने बिहार से जुड़े हुए रेलवे प्रजेक्ट पर एक लाख करोड़ का इनवेस्टमेंट किया है। रेलमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों की टीम ने जमालपुर रेल कारखाने के विकास के लिये पूरा एक्शन प्लान तैयार किया है।

नागरिकों को अधिकार दिलाने नए आपराधिक कानून का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन आवश्यक: अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, महानिदेशक, बीपीआरडी और निदेशक, एनसीआरबी सहित गृह मंत्रालय और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में गृहमंत्री शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण अमल से ही नागरिकों को उनके अधिकार मिल सकते हैं जिसके लिए तकनीक का उपयोग और निरंतर निगरानी अति आवश्यक है। गृहमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश को नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए पिन-पॉइंटेड प्रारूप में समीक्षा करनी चाहिए जिससे राज्य में नए कानूनों पर जल्द से जल्द अमल सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि 60 और 90 दिन की समयसीमा के अंदर आरोपपत्र दाखिल करने और आरोप तय करने के लिए समयसीमा तय करने पर जोर देना ज़रूरी है।

चुनाव आयोग मतदान केंद्रों पर देगा मोबाइल जमा कराने की सुविधा

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए दो नई पहल की है। आयोग अब मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही अब, मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद उम्मीदवार मतदाताओं के सहयोग के लिए अपने बूथ लगा सकेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि यह निर्णय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही मतदाताओं के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए निरंतर नवाचार भी कर रहा है। इसके साथ ही आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल स्विच ऑफ मोबाइल फोन ही मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में लाने की अनुमति होगी। मतदाता अपने मोबाइल फोन को मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर स्थापित बॉक्स या जूट बैग में जमा कर सकते हैं। मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन

ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि चुनाव अधिकारी के पास यह अधिकार होगा कि वे किसी मतदान केंद्र पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण इस सुविधा को नहीं दे।

आयोग ने इसके अलावा प्रचार के लिए भी नए नियम बनाए हैं। अब मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद कहीं भी उम्मीदवार मतदाताओं के सहयोग के लिए अपने बूथ लगा सकेंगे। यह बूथ मतदान के दिन उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं को अनौपचारिक पहचान पर्चियां जारी करने के लिए स्थापित किए जाते हैं। पहले यह सीमा 200 मीटर होती थी।

पिछले 45 सालों से भारत के खिलाफ आतंकवादियों को तैयार कर रहा पाकिस्तान : मनीष तिवारी

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को आतंकवाद की जननी बताया। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत के खिलाफ आतंकवादियों को तैयार करके अपने नापाक मंसूबों को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एक ताना-बाना बुनने का काम किया है, जिसे हमने समय-समय पर विफल भी किया है, लेकिन हर बार मुंह की खाने के बाद भी उसकी अक्ल ठिकाने नहीं आई है। अब समय आ चुका है कि पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किया जाए। उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हम अलग-अलग देशों में जाकर उन्हें बताएंगे कि किस तरह से पाकिस्तान अपने यहां आतंकवादियों को तैयार करके भारत में अशांति फैलाना चाहता है। इस बार हम पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा लाकर रहेंगे और उन्हें बताएंगे कि पाकिस्तान अब न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरा बन चुका है। अगर समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो यह आने वाले दिनों में हम सभी लोगों के लिए एक बड़ी विपदा बन सकता है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान अपने यहां आतंकवादियों को तैयार कर रहा है, उन्हें ट्रेनिंग देता है। इसके बाद उन्हें भारत भेजता है। उसे कई बार चेताया गया कि वह भारत के खिलाफ आतंकी कृत्यों को करना बंद करे, लेकिन वह अभी तक अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। बता दें कि कांग्रेस नेता मनीष तिवारी सुप्रीया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। वह इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र जा रहे हैं। सुप्रीया सुले के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता मनीष तिवारी, भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी, भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या, कांग्रेस नेता आनंद शर्मा और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन शामिल हैं।

गुरुग्राम को पायलट प्रोजेक्ट के तहत 3 माह में किया जाएगा पॉलीथिन मुक्त: राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। गुरुग्राम को पर्यावरण के दृष्टिकोण से अधिक स्वच्छ और बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने आज गुरुग्राम में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम मानेसर व गुरुग्राम, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। राव नरबीर सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ठोस और सुनियोजित कार्ययोजना बनाई जाए तथा सख्ती से लागू की जाए। राव ने बताया कि हरियाणा प्रदेश को पॉलीथिन तथा प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सभी निर्णायक पहल की जा रही है। इन्ही प्रयासों के तहत सर्वप्रथम गुरुग्राम में तीन माह का एक विशेष पायलट अभियान चलाया जाएगा। जिसका उद्देश्य शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह मुक्त करना है। इस अभियान में पॉलीथिन बैग, प्लास्टिक कप, प्लेट, चम्मच, स्ट्रॉ, आदि के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह अभियान केवल प्रतीकात्मक न होकर जमीनी स्तर पर प्रभावी और दीर्घकालिक परिणाम देने वाला होना चाहिए।

सम्मान उसका अधिकार - छेडख़ानी और डराने-धमकाने के विरुद्ध एक अभियान

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन चंद्रशेखर के मार्गदर्शन और हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के दिशानिर्देशनुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम द्वारा 'सम्मान उसका अधिकार' छेडख़ानी और डराने-धमकाने के विरुद्ध युवतियों में जागरूकता और विधिक साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु मई के माह में जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत युवतियों में जागरूकता और विधिक साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के तत्वावधान में सम्मान उसका अधिकार के तहत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान छेडख़ानी और डराने-धमकाने के खिलाफ केंद्रित था, जिसका उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों के प्रति जागरूक करना था। विशेष रूप से भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (छेडख़ानी) और धारा 79 (डराना-धमकाना) पर चर्चा की गई। सत्र में इन प्रावधानों के अंतर्गत दंड और सजा, तथा घटनाओं की रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता अधिवक्ता विजय यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि छेडख़ानी और डराना-धमकाना एक क़ानूनी अपराध है।

नूंह में भाजपा कार्यालय पर महारानी अहिल्याबाई होलकर के जन्मदिन पर हुआ जिला संगोष्ठी का आयोजन

नूंह। पुण्य श्लोक महारानी अहिल्या बाई होलकर के जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर जिला कार्यालय नूंह झिर कमल पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू की अध्यक्षता में जिला संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने शिरकत की। इस संगोष्ठी में चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन परिचय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो महापुरूषों, वीरों, योद्धाओं सभी का सम्मान करती है। भाजपा ने समय समय पर महापुरूषों का सम्मान करते हुए उनकी याद में पार्टी द्वारा कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका-साथ, सबका-विकास और सबका-विश्वास के नारे पर चलते हुए भाजपा ने सभी वर्ग के लोगों को एक साथ लेकर चलने का काम किया है।

निगमायुक्त ने किया एमजी रोड का निरीक्षण

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने गुरुवार को एमजी रोड मेट्रो स्टेशन से सिकंदरपुर तथा सिकंदरपुर से एमजी रोड मेट्रो स्टेशन तक पैदल चलकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं का स्वयं अनुभव करना तथा विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत को समझना था। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने पैदल चलकर फुटपाथ, सडक़ किनारे की साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट्स, जल निकासी व्यवस्था, सीएंडडी वेस्ट, अतिक्रमण और यातायात से जुड़ी समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान के आदेश दिए। इस मौके पर अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका, संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव, निगम पार्षद कुणाल यादव, जोनल टैक्सेशन अधिकारी राजेश यादव, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई व हर्ष चावला सहित आसपास की सोसायटियों के नागरिक उपस्थित थे।

हरियाणा के 3 मेजर को शौर्य चक्र मिला, पानीपत के धौंचक को आतंकी मुठभेड़ में लगी थी गोली

• मोहाली के शहीद कर्नल को कीर्ति चक्र

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में पहले चरण के गैलेंट्री अवॉर्ड्स दिए। ये अवॉर्ड ड्यूटी के दौरान असाधारण बहादुरी, समर्पण और बलिदान देने वालों के सम्मान में दिए गए। इसमें हरियाणा के एक शहीद समेत 3 मेजर को शौर्य चक्र और पंजाब के शहीद कर्नल को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए पानीपत के मेजर आशीष धौंचक की मां कमला सम्मान लेते वक्त भावुक हो गईं। राष्ट्रपति ने उन्हें गले लगाया और सांत्वना दी।

पत्नी ज्योति भी भावुक नजर आईं। आशीष धौंचक (36) 13 सितंबर 2023 को शहीद हुए थे। मेजर आशीष 19 राष्ट्रीय राइफल्स की सिख लाइट इन्फैंट्री में तैनात थे। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 15 अगस्त 2023 को सेना मेडल दिया था। मेजर आशीष की 4 साल की एक बेटी है। उनकी पत्नी ज्योति गृहिणी हैं। मेजर का परिवार ज्ञष्ठद्ब सिटी में रहता था। मेजर आशीष ने अपने लिए पानीपत की TDI सिटी में नया घर बनवाया था। इसमें वह अपने बर्थडे पर शिफ्ट होने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हो गए।

अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट के कार्यों को जल्द पूरा करें अधिकारी : श्याम सिंह राणा

• कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने की विकास कार्यों की समीक्षा, 30 जून तक पूरा करने के दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट गन्नौर (सोनीपत) में चल रहे विकास कार्यों को आगामी 30 जून 2026 तक पूरा कर लें, ताकि इस मार्किट को शुरू किया जा सके। श्री राणा आज यहां अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को कहा कि यह मार्किट हरियाणा के किसानों के लिए ख़ास फायदेमंद साबित होगी, क्योंकि इससे फ़लों और सब्जियों की बिक्री अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि इस मंडी में 20 लाख टन प्रति वर्ष बागवानी उत्पाद का व्यापार होने का अनुमान है , ऐसे में राज्य के किसानों को उनके बागवानी एवं कृषि उत्पाद को एक ही जगह बेचने की सुविधा मिल जाएगी। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यह मंडी विश्व स्तर पर फल व सब्जी उत्पादकों को उनकी कृषि आय बढ़ाने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विपणन सुविधा प्रदान करेगी । श्री श्याम सिंह राणा को समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि इस मंडी का क्षेत्रफल 554 एकड़ है एवं इस मंडी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 17 शैडों और

13 बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। ये सभी शैड अलग-अलग बागवानी उत्पादों के लिए चिह्नित किए गए हैं, जिसमे मुख्यतः आम, केला, सेब व तरबूज व अन्य मिक्श-फ्रूट शामिल हैं। इनके अलावा टमाटर, प्याज व अन्य विभिन्न सब्जियां, फूल, मछली व मीट तथा विदेशी पैवेलियन के साथ ही किसानों के लिए शैड का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 13 बिल्डिंग जैसे कि किसान विश्राम गृह , वर्कशॉप, पुलिस स्टेशन, टैक्सी स्टैंड, रिटेल जॉन, संस्थान बिल्डिंग, मजदूरों के लिए डोर मैट्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट में चल रहे सड़क निर्माण, पार्किंग का कार्य तथा बरसाती पानी की निकासी एवं सीवरेज व्यवस्था से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक मे कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, एच.आई.एच.एम.सी.एल. के प्रबंध निदेशक श्री मुकुल कुमार, मुख्य अभियंता श्री मोहिन्द्र सिंह समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़-भिवानी के लोस सांसद धर्मबीर सिंह बने खाद्य आपूर्ति मंत्रालय परामर्श समिति के चेयरमैन

भडारण किए गए खाद्यान्न सुरक्षा की दिशा में सुधार होने की बनी संभावना

एजेंसी

कनीना। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को भारतीय खाद्य निगम, खाद्य आपूर्ति मंत्रालय की सर्वोच्च परामर्श समिति में हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किए जाने पर भाजपा पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है। एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, चेयरमैन अमरजीत यादव, अनूप सुहाग, राजकुमार यादव ने बताया कि उनकी नियुक्ति के बाद खाद्य सुरक्षा की दिशा में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में किसनों द्वारा धरती का सीना चीरकर कड़ी मेहनत से अन्न पैदा किया जाता है। हजारों एमटी अन्न रूपी खाद्य पदार्थ देखरेख में कमी तथा लापरवाही के कारण गोदामों में खराब हो जाता है। सांसद के कुशल नेतृत्व में अन्न को सुरक्षित रखने तथा समय-समय पर देखरेख करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। अन्न भंडारण में उपयोग होनें वाली

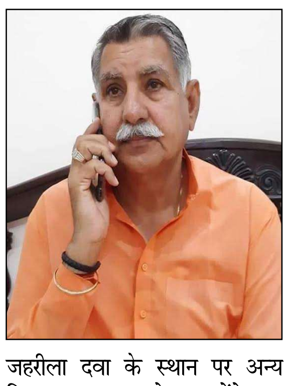

जहरीला दवा के स्थान पर अन्य विकल्प का चयन होगा। उन्होंने कहा कि अन्न को सरकार की पीडीएस योजना के तहत आमजन तक समयानुसार उपलब्ध कराया जाएगा।

एनडीआरएफ की टीम ने जिला प्रशासन के साथ की टेबल टॉप एक्सरसाइज

• डीसी डा. विवेक भारती ने दिए क्विक रिस्पांस देने के निर्देश
• जल्द होगी एनडीआरएफ के साथ मिलकर मॉक ड्रिल रिहर्सल

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा अथवा युद्ध जैसे चुनौतीपूर्ण हालात में क्विक रिस्पांस सबसे महत्वपूर्ण होता है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के आने तक जिला प्रशासन की टीम तथा सिविल डिफेंस वालंटियर्स जनहानि को रोकने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में हम सभी को हमेशा के लिए ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। डीसी आज लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में एनडीआरएफ 7वीं बटालियन भटिंडा की टीम के साथ प्रशासनिक अमले के साथ हुई टेबल टॉप एक्सरसाइज में बोल रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही एनडीआरएफ तथा प्रशासनिक अधिकारियों व

सिविल डिफेंस वालंटियर के साथ एक मॉक ड्रिल रिहर्सल कराई जाएगी। इसमें हमारी तैयारियों को परखा जाएगा। इस मौके पर असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी ने बताया कि स्थानीय नागरिकों को बेहतर आपदा प्रबंधन सीखाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल गृह मंत्रालय की टीम 19 से 31 मई तक विभिन्न स्कूल-कॉलेजों तथा गांवों में आपदा से निपटने के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में जल्द ही एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ आपात स्थितियों और आपदाओं पर त्वरित एवं कुशल प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह बल आपात स्थिति में राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करता है। इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र अहलावत, नारनौल के एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, सीएमओ डा. अशोक कुमार, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा एनडीआरएफ इंस्पेक्टर शिवकुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त अधिकारिता बोर्ड की मासिक बैठक ली

• अब हर माह अपनी तीन उपलब्धियां बताएंगे विभाग • सीएम विंडो, सीपीग्राम, एसएमजीटी तथा समाधान शिविर की समीक्षा की

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि अब प्रत्येक माह होने वाली अधिकारियों की बैठक में प्रमुख विभाग अपनी मुख्य तीन उपलब्धियां बताएंगे। इसके लिए बाकायदा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करके लाएं। डीसी आज लघु सचिवालय में अधिकारिकता बोर्ड की मासिक बैठक में बोल रहे थे।

उपायुक्त ने कहा कि उपलब्धियां के साथ-साथ यह भी देखा जाएगा की संबंधित प्रोजेक्ट, योजना तथा कार्यक्रम में जिला महेंद्रगढ़ प्रदेश में कौन से स्थान पर है। अन्य जिलों से उसे कार्य की तुलना भी की जाएगी। इसके अलावा उपायुक्त ने इस मौके पर सीएम विंडो, सीपीग्राम, एसएमजीटी तथा समाधान शिविर के संबंध में भी समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री का इस विषय पर विशेष फोकस रहता है।

हीट वेव को देखते हुए एहतियात बरतें नागरिक: गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी विभाग आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा के दिशा निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करें। मनुष्य तथा अन्य जीवों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने कार्यालय में पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाए ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए कि हीट वेव को देखते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगवाई जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुओं को हीट वेव से बचने के लिए जरूरी है कि सभी जोहड़ों में पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए ओआरएस की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए की चिकित्सक बार-बार नागरिकों को गर्मी से बचाव के बारे में जागरूक करते रहे। उपायुक्त इतनी बिजली विभाग को निर्देश दिए कि घोषित पावर कट नहीं लगने चाहिए । ग्राम स्तर तक निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

जिला परिषद उपचुनाव के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

नामांकन पत्र 24 मई से 30 मई तक प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपायुक्त की कोर्ट में दाखिल करवाए जा सकते हैं

एजेंसी

नूंह। जिला परिषद नूंह के उप चुनाव में सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने जिला परिषद उपचुनाव के दौरान नामांकन प्रक्रिया के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की है, वो अधिकारी व कर्मचारी 24 मई को जिला कलेक्टर, नूंह के न्यायालय में रिपोर्ट करेंगे। जिला परिषद के वार्ड नंबर-17 के सदस्य पद के लिए होने वाले उप चुनाव के मद्देनजर नामांकन पत्र 24 मई से 30 मई तक राजपत्रित अवकाश को छोड़कर प्रात~ 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपायुक्त की कोर्ट में दाखिल करवाए जा सकते हैं। उन्होंने नामांकन से संबंधित सभी कार्यों के लिए एडीसी कार्यालय के जिला योजना अधिकारी दीवान सिंह को इंचार्ज बनाया है व राजकीय माध्यमिक विद्यालय पलड़ी के अध्यापक संजय साहू उनका सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय ऊंटका के अध्यापक अनीश नामांकन पत्र जारी

करने व रजिस्टर का रखरखाव करेंगे। फिरोजपुर-झिरका में एसईपीओ जोगेंद्र दहिया दैनिक आधार पर प्राप्त नामांकन के लिए नामांकन रजिस्ट्रर बनाए रखने व प्रत्येक नामांकन फॉर्म के लिए फाइल बनाने, मतदाता सूची में उम्मीदवार के नाम की जांच व सत्यापन करेंगे।

जिला परिषद नूंह से पीओ राहुल नामांकन पत्र व उसके साथ संलग्र सभी जरूरी दस्तावेजों की जांच करना करना सुनिश्चित करेंगे। ग्राम पंचायत साकरस के सचिव सचिन कुमार मतदाता सूची उपलब्ध कराएंगे। जिला परिषद नूंह से डाटा एंट्री ऑपरेटर नवीन पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकन अपलोड करने संबंधी कार्य करेंगे।

सिंधु जल समझौते में भारत के साथ पानी के वितरण में हुआ पक्षपात: प्रो. अमित काम्बोज

अधिवक्ता परिषद करनाल ने उठाई सिंधु जल समझौते की पुनर्समीक्षा की मांग

एजेंसी

करनाल। अधिवक्ता परिषद करनाल इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष नरेश कुमार राणा की अध्यक्षता में सिंधु जल समझौता (इंडस वॉटर ट्रीटी) विषय पर एक महत्वपूर्ण स्टडी सर्कल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर अमित काम्बोज रहे, जिन्होंने सिंधु जल समझौते पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की दृष्टि से किया गया था, जिसमें विश्व बैंक ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई थी। किंतु इस समझौते में भारत के साथ पानी के वितरण में पक्षपात किया गया, जिससे भारत को बहुत कम मात्रा में जल मिलने की व्यवस्था की गई, जबकि पाकिस्तान को अधिक जल आवंटित किया गया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इस समझौते की पुनः समीक्षा करना आवश्यक है, ताकि देशहित में उचित निर्णय लिए जा सकें। वर्तमान परिस्थिति में सिंधु जल समझौता की पुनः समीक्षा कर देश हित में आगे कदम उठाये जाये। बता दें कि अधिवक्ता परिषद् करनाल इकाई ने सर्वप्रथम इस विषय पर हरियाणा में स्टडी सर्कल का कार्यक्रम किया है। प्रोफेसर अमित काम्बोज ने ज़ोर देते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों, बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य, पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों की जटिलता, तथा भारत की बढ़ती जल आवश्यकता को देखते हुए इस समझौते की व्यापक समीक्षा आवश्यक हो गई है।

तावडू में नगर पालिका कार्यालय में हाउस की बैठक का किया गया आयोजन

एजेंसी

तावडू। शहर के बिलासपुर मार्ग पर स्थित नगरपालिका कार्यालय में हाऊस की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता सोनी ने की। बैठक में विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। यह जानकारी नगरपालिका वाईस चेयरमैन धर्मेन्द्र भारद्वाज ने दी।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में सभी वार्डो के पार्षद विकास कार्यों की सूची बनाकर लाए थे। जिनके वार्ड में जो-जो विकास होना था, उस पर चर्चा की गई। वहीं इस बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। लेकिन बिजली बोर्ड व जनस्वास्थ्य विभाग से कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा।

इस बैठक में नगरपालिका कार्यालय को सेनिटेशन का सामान जैम पोर्टल के माध्यम से पालिका के खर्चे पर खरीदने बारे, नगरपालिका कार्यालय में कंप्यूटर हार्डवेयर, इंटरनेट वाईफाई, प्रिंटर, कार्टेज, माऊस व कीबोर्ड आदि जैम पोर्टल के माध्यम से पालिका के खर्चे पर खरीदने व मेनटिनेंस बारे, नगरपालिका कार्यालय में प्रयोग होने

वाले वाहनों-जनरेटर आदि का डीजल व रखरखाव तथा बीमा अदायगी बारे, नगरपालिका तावडू आम चुनाव 2025 के बिलों की अदायगी बारे, डोर-टू-डोर टेंडर प्रक्रियाधीन है व वर्तमान में नगरपालिका द्वारा डोर-टू-डोर कूडा उठाया जा रहा। पालिका के पास 2 ट्रैक्टर ट्रॉली व 3 टेंपो टिप्पर है तथा एक जेसीबी किराए पर ली हुई है। नगरपालिका सीमा क्षेत्र के पार्कों व शहर में आवश्यकता अनुसार डस्टबीन लगवाने बारे, तावडू के विभिन्न कार्यों हेतु सब कमेटी पर विचार विमर्श, आतंकी बंदरों का टेंडर करने बारे व आवारा कुत्तों की नसबंदी कराने हेतु टेंडर करने बारे चर्चा की गई। बैठक में नगरपालिका सचिव सुमित शर्मा व कार्यालय स्टाफ के अलावा सभी पार्षद मौजूद रहे।

एचएल सिटी ने अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग के फ्लैट्स की दी अलॉटमेंट, पहली चाबी थ्री बीएचके फ्लैट्स के ऑनर रविन्द्र को मिली

एजेंसी

बहादुरगढ़। एचएल सिटी कमिटमेंट, शांत, सुरक्षित और लग्जरी लिविंग का पर्याय बन चुकी है। अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग के तहत एचएल सिटी ने फ्लैट्स की चाबी अलॉटियों को देनी शुरू कर दी है। थ्री बीएचके फ्लैट नंबर 1210 की चाबी अलॉटी रविन्द्र को दी गई। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने रविन्द्र और उनके परिवारों के हाथों में चाबी सौंपकर शुभकामनाएं भी दी हैं। एचएल सिटी में हजारों फ्लैट्स का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है। हाल फिलहाल भी एचएल सिटी में हजारों लोग आधुनिक लाइफस्टाइल का आनंद ले रहे हैं। एचएल सिटी मे 24 घण्टे सुरक्षा के लिए गार्ड लगाए गए हैं सीसीटीवी सर्विलांस के साथ चौड़ी और साफ सड़कें बनी हुई हैं। पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था है। इसके साथ कि

एथलेटिक्स ट्रैक, साइकल ट्रैक, ओपन जिम, हरियाली और बच्चों के शानदार झूलों से युक्त पार्क बनाए गए है। एचएल सिटी में ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल, सबसे ब?ा आधुनिक जिम, मंदिर और जी डी गोयनका स्कूल भी स्थापित किया गया। लोगों की शॉपिंग जरूरतों को पूरी करने के लिए बहादुरगढ़ का सबसे बड़ा मॉल भी है जिसमे सिनेमा हॉल, होटल ,खाने पीने की ब्रांडेड शॉप्स और शॉपिंग के लिए ब्रांडेड शोरूम भी खुले हुए हैं। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून के कहना है कि लोगों की हर सुख सुविधा का ख्याल रखते हुए एचएल सिटी का निर्माण किया गया है। बेहतर निर्माण क्वालिटी के लिए बेस्ट कंस्ट्रक्शन मैटीरियल और क्वालीफाईड इंजीनियरस साइट पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एचएल सिटी लोगों के सपनो के घर का सपना साकार करती है और जीवन का सुखद अनुभव प्रदान कर रही है।

सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2फीसदी पर आने की उम्मीद, रिपोर्ट में दावा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा। इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5त्न है, अब इसके घटकर 4.2फीसदी आने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2त्न तक पहुंच सकता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे, वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करने मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा।

बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद चंडोक को भारत लाया गया; अमेरिका से किया गया प्रत्यर्पित

नई दिल्ली। भारत में बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद सिंह चंडोक को सीबीआई की ओर से अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद वतन वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया है। चंडोक पर शेल कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से वरिष्ठ अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर करोड़ों डॉलर की तकनीकी सहायता धोखाधड़ी करने का आरोप है। सीबीआई के मुताबिक, चंडोक को एक अमेरिकी अदालत ने बड़े पैमाने पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में दोषी ठहराया था, जिसमें उसने और उसके सहयोगियों ने तकनीकी सहायता प्रदाता के रूप में खुद को पेश किया था। उन सभी ने पीड़ितों को बड़ी रकम हस्तांतरित करने के लिए धोखा दिया था। अमेरिकी न्याय विभाग के मार्च 2022 के प्रेस बयान के अनुसार, उसे इस योजना में उसकी भूमिका के लिए छह साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने 2022 में उसे दोषी ठहराए जाने के बाद एक बयान में कहा था कि एक अमेरिकी अदालत ने 2022 में चंडोक को एक अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहायता घोटाले का हिस्सा होने के लिए दोषी ठहराया है। उसने अमेरिकियों के साथ ठगी की। उसने ज्यादातर बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाश। उसने लोगों से उनकी जीवन भर की बचत ठग ली।

बढ़ती मांग के बीच गिरी बैटरी धातुओं की कीमतें, लिथियम 80फीसदी सस्ता; आपूर्ति बढ़ना बना वजह

नई दिल्ली। दुनियाभर में बैटरियों के लिए जरूरी खनिजों और धातुओं खासकर लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल जैसे तत्वों की मांग 2024 में तेजी से बढ़ी। ये धातुएं ई-वाहनों, सौर और पवन ऊर्जा सिस्टमों में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों के लिए जरूरी हैं। इसके बावजूद इन धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, लिथियम की कीमतें 2021-22 में आठ गुना बढ़ी थीं, अब उनमें 80 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल के दाम भी 10 से 20 फीसदी तक घटे हैं। कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण इन खनिजों की आपूर्ति बढ़ना है। चीन, इंडोनेशिया और कांगो जैसे देशों ने इनका खनन-उत्पादन तेजी से बढ़ाया है। 2020 के बाद से बैटरी में इस्तेमाल होने वाली धातुओं की आपूर्ति पिछले दशक की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी।

'आईएमएफ से मिली मदद से हथियार नहीं खरीद सकेगा पाकिस्तान', ऋण की शर्तों पर सामने आया अपडेट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने साफ किया कि पाकिस्तान विस्तारित निधि सुविधा के तहत अपने केंद्रीय बैंक को मिली वित्तीय सहायता को इसके लिए तय कार्यक्रम से इतर इस्तेमाल को मंजूरी नहीं दे सकता। आईएमएफ के अनुसार, इसके साथ ही अनधिकृत सरकारी संवितरण या उधार सहित दुरुपयोग को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। आईएमएफ की ओर से यह स्पष्टीकरण ऐसे मौके पर आया, जब भारत की ओर से वैश्विक एजेंसी से पाकिस्तान को फंडिंग दिए जाने पर बात करने की खबरें आ रही हैं। संचार प्रमुख जूली कोजैक ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि आईएमएफ का वित्तपोषण स्पष्ट रूप से भुगतान संतुलन की समस्याओं के समाधान के लिए है। इसमें स्थापित कार्यक्रम शर्तों से विचलन की स्थिति में राजकोषीय प्रबंधन में सुधार करने जैसी संरचनात्मक शर्तें शामिल हैं। एजेंसी के अनुसार ये शर्तें भविष्य की समीक्षाओं को प्रभावित करेगा। उन्होंने आईएमएफ की उस प्रोटोकॉल की ओर भी इशारा किया, जिसके तहत कार्यकारी बोर्ड ऋण कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा करता है... ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसे वापस पटरी पर लाने के लिए नीतिगत बदलावों की जरूरत है या नहीं। कोजैक ने कहा, ... हमारे बोर्ड ने पाया कि पाकिस्तान ने वास्तव में सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार देश के विनिर्माण पर एप्पल के भरोसे को दर्शाता है : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में चुनौतियों के बावजूद आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार करने का एप्पल का निर्णय देश के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दिखाता है। 2025 के अंत तक सभी आईफोन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में बनाया जाएगा, जबकि कुछ साल पहले एप्पल की सप्लाई चेन पर चीन का प्रभुत्व था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी दूरदर्शी नीतियों और भारत सरकार के निरंतर प्रयासों की बदौलत, भारत तेजी से हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक ग्लोबल हब बन रहा है।' एप्पल के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने भारत में 12,700 करोड़ रुपए का निवेश किया है, साथ ही पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन जैसे अन्य साझेदार भी

परिचालन बढ़ा रहे हैं। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्रमुख कंपनी की बेंगलुरु में स्थित यूनिट लॉन्च के लिए लगभग तैयार है और जून की शुरुआत में ही कमर्शियल एप्पल शिपमेंट शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'भारत 2027 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जिसमें 120 बिलियन डॉलर का लक्ष्य निर्यात के लिए है। मात्र एक दशक पहले, भारत में 80 प्रतिशत से अधिक स्मार्टफोन आयात किए जाते थे और स्मार्टफोन निर्यात न के बराबर था। पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'मुझे भारत-एप्पल साझेदारी को मजबूत करने में भूमिका निभाने पर गर्व है। यह तो बस शुरुआत है।' भारत में एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट निर्माता पहले से ही अपने परिचालन का विस्तार कर रहे हैं। बेंगलुरु में फॉक्सकॉन का प्लांट पूरी क्षमता पर 20 मिलियन आईफोन का उत्पादन कर सकता है। भारत में एप्पल की विनिर्माण शक्ति पहले से ही प्रभावशाली है। पिछले वर्ष भारत में 22 बिलियन डॉलर मूल्य के आईफोन असेंबल किए गए, जिसमें तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन ने एप्पल के निर्यात में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान दिया। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में फॉक्सकॉन की फैक्ट्री से निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। आज, भारत में दुनिया भर में एप्पल के कुल आईफोन उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा है, जो दर्शाता है कि ब्रांड की वैश्विक योजनाओं के लिए भारत कितना महत्वपूर्ण बन गया है।

भारत में आईफोन विनिर्माण पर ट्रंप की चेतावनी : एप्पल को देना होगा 25 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण भारत या किसी अन्य देश में किया गया तो कंपनी को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने बहुत पहले एप्पल के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) टिम कुक को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि मैं चाहता हूं कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में ही हो, भारत या अन्य किसी देश में नहीं। उन्होंने दुहराया कि यदि एप्पल ऐसा नहीं करती है तो उसे अमेरिका को 25 प्रतिशत आयात शुल्क चुकाना पड़ेगा। पिछले दस दिनों में यह दूसरी बार है जब श्री ट्रम्प ने श्री कुक को भारत में निवेश को लेकर चेतावनी दी है।

श्री ट्रम्प ने 15 मई को कतर की राजधानी दोहा में एक व्यापार सम्मेलन में कहा था, भारत अपना ध्यान खुद रख सकता है। मैंने टिम कुक से कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन मैंने सुना है कि आप भारत में विनिर्माण बढ़ा रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा करें।

गौरतलब है कि एप्पल वर्तमान में भारत में आईफोन का विनिर्माण तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी की योजना है कि अगले कुछ वर्षों में उसके कुल आईफोन विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक ले जाई जाए ताकि चीन पर निर्भरता को कम किया जा सके।

अडाणी समूह पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेशः गौतम अडाणी

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने अगले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश का ऐलान किया। यह निवेश उस 50,000 करोड़ के अतिरिक्त है, जिसकी घोषणा अडाणी समूह ने इसी साल फरवरी में असम में निवेश के तौर पर की थी। इस तरह समूह की कुल प्रतिबद्धता एक लाख करोड़ रुपये हो गई है।गौतम अडाणी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर भारत में निवेश की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अडाणी समूह अगले 10 सालों में क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी, सड़कों के निर्माण और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। उन्होंने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में गौतम अडाणी ने कहा, ''तीन महीने पहले असम में हमने 50 हजार करोड़ रुपये का

निवेश करने का वादा किया था। यह निवेश स्मार्ट-मीटर, हाइड्रो पंप स्टोरेज, विद्युत पारेषण, सड़क एवं राजमार्ग, डिजिटल बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स के साथ ही 'स्किलिंग एवं वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' के माध्यम से क्षमता-निर्माण सहित हरित ऊर्जा का विस्तार करेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पहल स्थानीय नौकरियों, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता देगी, जो विकसित भारत 2047 से संबंधित है। समूह के चेयरमैन ने कहा, पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और घाटियों में भारत की विकास कहानी का एक नया अध्याय सामने आ रहा है। हमारी कहानी विविधता, लचीलेपन और अप्रयुक्त क्षमता में निहित है। ये क्षेत्र अब हमारे सांस्कृतिक गौरव, आर्थिक वादे और रणनीतिक दिशा का स्रोत है।

एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, निचले स्तर से एक हजार अंक उछला सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुवार की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार अंदाज में वापसी की। मजबूत ग्लोबल संकेतों और यूएस बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण विदेशी निवेशक भी आज पूरे उत्साह में नजर आए। लगातार हुई खरीदारी के सपोर्ट के कारण सेंसेक्स आज निचले स्तर से 1 हजार अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में लगभग 300 अंक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत और निफ्टी 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थकेयर सेक्टर में आज बिकवाली का मामूली दबाव नजर आया, जिसकी वजह से बीएसई का हेल्थकेयर

इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.88 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.98 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का आह्वान किया। भारत ने यह अपील बुधवार को ब्राजील की अध्यक्षता में 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण को खत्म करने का आह्वान किया है ताकि अंतर-ब्लॉक व्यापार को मजबूत किया जा सके और वैश्विक दक्षिण के भीतर अधिक एकजुटता को बढ़ावा दिया जा सके। मंत्रालय ने बताया कि 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक 21 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसका विषय अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूती था। भारत ने इस मंच का

उपयोग ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण का विरोध करने के लिए किया, जिससे ब्लॉक के भीतर आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला।

15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक का एक प्रमुख परिणाम तीन अनुलग्नकों सहित संयुक्त घोषणा का अनुमोदन थाः-

-विश्व व्यापार संगठन में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत बनाने पर ब्रिक्स घोषणापत्र।

-ब्रिक्स डेटा अर्थव्यवस्था शासन समझ।

-ब्रिक्स व्यापार और सतत विकास कार्यक्रम।

भारत साल 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है। भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों का समाधान करने में ब्राजील की अध्यक्षता के समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण की सराहना की।

भारत ने लंबे समय से चले आ रहे विकास संबंधी मुद्दों को हल करने की जरूरतों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के स्थायी समाधान की मांग की। 30 फॉर 30 के भारतीय प्रस्ताव पर भी जोर दिया गया, जो 2025 में डब्ल्यूटीओ की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 30 वृद्धिशील सुधार पेश करने का प्रयास करता है।

रुपया 67 पैसे उछला

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ी चिंता से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.95 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया चार पैसे फिसलकर 85.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली होने से यह 85.14 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 85.95 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के चलते डॉलर में कमजोरी देखी गई, जिसका लाभ रुपये को मिला और रुपये में मजबूती दर्ज की गई।बाजार विश्लेषक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर कटौती विधेयक के संभावित

प्रभाव का मूल्यांकन कर रहे हैं, जिससे अमेरिकी ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। निवेशकों के बीच इस बात को लेकर चिंता है कि यह विधेयक अमेरिका के वित्तीय घाटे को और गहरा कर सकता है, जिससे डॉलर पर दबाव बढ़ा है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र को 2.68 लाख करोड़ रुपये अधिशेष हस्तांतरण को दी मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.68 लाख करोड़ रुपये का भारी लाभांश देने को अपनी मंजूरी दे दी है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के लाभांश भुगतान 2.1 लाख करोड़ रुपये से 27.4 फीसदी अधिक है। इसके पहले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भुगतान वितरण 87,416 करोड़ रुपये रहा था। इससे केंद्र को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को 4.4 फीसदी तक कम करने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैठक आज मुंबई में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में रिजर्व बैंक ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार को

2,68,590.07 करोड़ रुपये करोड़ रुपये (2.69 ट्रिलियन रुपये) का अधिशेष हस्तांतरण करने की घोषणा की है। यह केंद्रीय बैंक का अब तक का सबसे बड़ा हस्तांतरण है, जिससे चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार के राजकोषीय संसाधनों को काफी बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा केंद्रीय बोर्ड की 616वीं बैठक में आरबीआई अधिकारियों ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की है, जिसमें भविष्य के लिए जोखिम भी शामिल थे। 202425 में लाभांश भुगतान पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की तुलना में 27.37 फीसदी अधिक है। इसके अलावा आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को पिछले 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया गया है। केंद्रीय बोर्ड की बैठक में डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक, अजय सेठ, सचिव, आर्थिक मामले विभाग, नागराजू मद्दिराला, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, पंकज रमनभाई पटेल और डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

रिलायंस समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 75 हजार करोड़ का करेगा निवेश :मुकेश अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 350 बायोगैस संयंत्र की स्थापना, अपनी दूरसंचार सेवाओं, खुदरा कारोबार एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा

मुकेश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस जियो पूर्वोत्तर राज्यों के सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि जियो ने पहले ही क्षेत्र की 90 फीसदी आबादी को कवर कर लिया है, जिसमें 5 मिलियन से अधिक 5-जी ग्राहक हैं, जबकि इस साल इस संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य है।

मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो की प्राथमिकता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्रांतिकारी शक्ति को सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों तक पहुंचानी होगी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर राज्यों में रिलायंस के निवेश को दोगुना करने का भी वादा किया, जिसका लक्ष्य 75 हजार करोड़ रुपये है। रिलायंस ने पिछले 40 वर्षों में इस क्षेत्र में पहले ही करीब 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट के दौरान मुकेश अंबानी ने क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए छह सूत्री प्रतिबद्धताएं रखीं, जिसमें निवेश, कनेक्टिविटी, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और खेल शामिल हैं। उन्होंने इसके हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर में रिलायंस फाउंडेशन के प्रमुख पहलों की घोषणा की, जिसमें मणिपुर में एक नए 150-बेड वाले अस्पताल, मिजोरम विश्वविद्यालय के साथ जीनोमिक अनुसंधान साझेदारी और गुवाहाटी में एक अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब के जरिए इस क्षेत्र में विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल लाना शामिल है।

आरबीआई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर लगाया 63.60 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) पर नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन के चलते 63.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने

बताया कि उसने 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2024 को बैंक की वित्तीय स्थिति के संबंध में निरीक्षण किया था, जिसके दौरान उसने पाया कि यूबीआई में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीईएएफ) में तय समय सीमा के भीतर आवश्यक राशि का हस्तांतरण नहीं किया गया। गिरवी मुक्त कृषि ऋण के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन में बैंक ने कुछ मामलों में 1.60 लाख रुपये तक के कृषि ऋण पर गिरवी मांगा। इन उल्लंघनों के मद्देनजर आरबीआई ने बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बैंक के जवाब, अतिरिक्त स्पष्टीकरण और व्यक्तिगत सुनवाई में दी गई दलीलों पर विचार करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर यह जुर्माना लगाया गया है।

मनोहर लाल ने कर्नाटक में समय पर बकाया भुगतान और ट्रांसमिशन बाधाओं के समाधान का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बेंगलुरु में कर्नाटक के विद्युत क्षेत्र की व्यापक समीक्षा की। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने के साथ लागत आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा उन?होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया विद्युत मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज तथा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आरईसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान राज्य सरकार ने कर्नाटक में विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। विद्युत उत्पादन मिश्रण, ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के लिए राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) में चुनौतियों और वितरण बुनियादी ढांचे

को बेहतर बनाने के लिए समर्थन की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने और लागत-आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया और राज्य को अगस्त

> **मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है।**

2025 तक सरकारी प्रतिष्ठानों, स्थानीय निकायों और कॉलोनियों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर पूरी तरह से लगाने की सलाह दी। उन्होंने सरकारी बिजली बकाया के कुशल प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत भुगतान तंत्र की जरूरत पर भी जोर दिया मनोहर लाल ने राज्य सरकार को वाणिज्यिक, औद्योगिक और अन्य उपभोक्ता श्रेणियों के लिए स्मार्ट मीटरिंग के रोलआउट को समयबद्ध तरीके से तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे को बाधित करने वाले आरओडब्ल्यू मुद्दों के शीघ्र समाधान की सलाह दी और भारत सरकार द्वारा जारी मुआवजा तंत्र को अपनाने का आह्वान किया।

ग्लूटामाइन शरीर के लिए क्यों है जरूरी एक्सपर्ट की राय

शरीर के विकास और सही तरह से कार्य करने के लिए सभी तरह के विटामिन और मिनरल जरूरी है. इसलिए एक बैलेंस डाइट लेने की सलाह दी जाती है. जिससे शरीर को सभी तरह के पोषक तत्व मिल सकें. लेकिन फिर भी कुछ पोषक तत्व ऐसे हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. उन्हीं में से एक ग्लूटामाइन भी है. यह भी हमारे हेल्दी रहने के लिए जरूरी होता है.

ग्लूटामाइन एक अमीनो एसिड है जो शरीर द्वारा प्रोड्यूस होता है और कई तरह के फूड्स में भी पाया जाता है. यह इम्यूनिटी और डाइजेस्टिव सिस्टम को हेल्दी रखने में मदद करता है. ग्लूटामाइन एक जरूरी अमीनो एसिड है जो शरीर में कई कार्य करता है. यह प्रोटीन के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स के रूप में काम करना है. आइए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट से

शरीर के लिए क्यों जरूरी है ग्लूटामाइन?

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज में कंसल्टेंट डॉक्टर अंकित बंसल ने बताया कि ग्लूटामाइन एक महत्वपूर्ण अमीनो एसिड है जो शरीर में बहुत से कार्य करने के लिए जरूरी होता है. यह हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने, इम्यूनिटी को बढ़ाने, आंतों को हेल्दी रखने और चोट या संक्रमण के बाद जल्दी रिकवरी में मदद करता है. यह शरीर में प्राकृतिक रूप से बनता है, लेकिन जब हम बहुत ज्यादा मानसिक या शारीरिक तनाव में होते हैं, सर्जरी के बाद, किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे होते हैं या बहुत ज्यादा व्यायाम करते हैं, तब इसकी जरूरत बढ़ जाती है और शरीर खुद से पर्याप्त मात्रा में नहीं बना पाता.

ग्लूटामाइन की कमी से क्या होता है?

अगर शरीर में ग्लूटामाइन की कमी हो जाती है तो व्यक्ति को थकान, मांसपेशियों में कमजोरी, बार-बार संक्रमण होना, पाचन संबंधी समस्याएं जैसे गैस या दस्त, और घाव भरने में देरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. कुछ लोगों का वजन कम होने लग सकता है और इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है.

कौन-से फूड्स में पाया जाता है?

इसकी कमी को दूर करने के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी है जिसमें अंडा, चिकन, मछली, दूध, दही, पनीर, दालें, नट्स और हरी सब्जियां शामिल हों. ग्लूटामाइन सप्लीमेंट्स भी मिलते हैं, लेकिन डॉक्टर की सलाह के बिना इन्हें लेना ठीक नहीं है. खासकर एथलीट्स या बॉडीबिल्डिंग करने वाले लोग जो ज्यादा ट्रेनिंग करते हैं, उनके लिए यह जरूरी हो सकता है.

अगर शरीर में थकान, कमजोरी और बार-बार बीमार पड़ने जैसे लक्षण दिखाई दें तो जांच करवाना अच्छा रहेगा ताकि समय रहते इलाज हो सके. सही खानपान, पर्याप्त आराम और डॉक्टर की सलाह से शरीर में ग्लूटामाइन की कमी को ठीक किया जा सकता है.

अजब-गजब कहानियों के ज़रिए जारी है ताजपोशी

अध्यात्म और भारतीय पौराणिक ग्रंथों के विवेचनाकार देवदत्त पटनायक एक जगह लिखते हैं कि प्राचीन काल से ही गाथाओं के माध्यम से सत्ता की स्थापना होती आई है

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह पर भी मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संज्ञान लेने के बाद एफआईआर दर्ज़ की गई लेकिन न कोई गिरफ़्तारी हुई और न ही इस्तीफ़ा। कर्नल सोफ़िया कुरैशी को आतंकवादी की बहन% बताने पर पार्टी और सरकार की चुप्पी बताती है कि उसे मंत्रियों को हर बयान पर संरक्षण देना है और शिक्षाविदों को डराना। मासूम हैं वे बहस करने वाले जो सत्ता के इस व्यवहार को हिन्दू-मुस्लिम का फर्क बता रहे हैं।अध्यात्म और भारतीय पौराणिक ग्रंथों के विवेचनाकार देवदत्त पटनायक एक जगह लिखते हैं कि प्राचीन काल से ही गाथाओं के माध्यम से सत्ता की स्थापना होती आई है। राजा में देवत्व का अंश बताया जाता था। यूं तो राजा अक्सर वंश विशेष से ही चुने जाते थे लेकिन जब ऐसा भी नहीं हो पाता था तब जो भी चुना जाता था, उसे लेकर यही साबित किया जाता था कि उस पर देवताओं की असीम कृपा है। वह परम प्रतापी और विलक्षण है। तब ऐसा कौन कर पाता था और किसे यह जिम्मेदारी दी जाती थी? कौन यह स्थापित करता था कि इस पर देवताओं की कृपा है और यह आम से बहुत अलग और विशेष है? क्योंकि ऐसा न होने पर प्रजा का उस पर विश्वास होना संभव नहीं होता था जिससे राजकाज में बाधा आती थी। इसके लिए प्राचीन भारत के वैदिक काल में दूसरों पर राज करने के इच्छुक महत्वाकांक्षी क्षत्रप ब्राह्मणों द्वारा अनुष्ठान करवाते थे और इन अनुष्ठानों के सफ़लतापूर्वक पूरे होने का तात्पर्य यह था कि देवता उस क्षत्रप के साथ हैं। अग्निष्टोम,अग्निचयन,अश्वमेध यानी वाजपेयी और हिरण्यगर्भ यजुर्वेद और ब्राह्मण साहित्य में अनुष्ठान का ब्यौरा मिलता है। फिर भी केवल इतना पर्याप्त नहीं था। बाद के दौर में ब्राह्मण कथाकार बन गए और उन्होंने राजा के राजत्व की पुष्टि करने के लिए कथाएं बताईं जिनसे साबित हो जाता था कि राजाओं का उद्गम अलौकिक है।

वैसे यहां यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि आधुनिक भारत में किसने खुद को अलौकिक और नॉन बायोजिकल बताने की कोशिश की। आज का मुख्यधारा का मीडिया कहानियां सुनाने की भूमिका में है। बस, किसी तरह देवत्व स्थापित हो जाए। येन-केन बस वह यही स्थापित करने में लगा रहता है कि यह सत्ता दूध से धुली हुई है और इसका जयकारा नहीं लगाया तो अनर्थ हो जाएगा, राज्य कष्टों से घिर जाएगा। हम सब जानते हैं कि निकट अतीत में किन-किन रूपों को स्थापित करने के प्रयास समय-समय पर हुए। तब के संजय (महाभारत युग में युद्ध का सीधा हाल सुनाने वाले) ने तो धृतराष्ट्र को युद्ध का सीधा हाल ही जस का तस सुनाया था, आज का दौर तो उन्माद पैदा कर %ज़ोम्बी जनरेशन% बना रहा है। वो ज़ोम्बी जो मुर्दा होकर भी अपनी जानलेवा हरकतों से किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मुख्यधारा के मीडिया की जो भूमिका रही, उस पर पूरी दुनिया में बहस -बातचीत हो रही है कि आख़िर इस उत्तेजना की ज़रूरत क्या थी, जिसने शौर्य और वीरता के असली पराक्रम को जनता तक नहीं पहुंचने दिया।

युद्ध जिसका दूसरा नाम केवल ज़िन्दगियों का ख़ात्मा है, उसकी इतने उन्मादी ढंग से वकालत क्यों की जा रही है? वह भी सदियों से शांति का संदेश देने वाली भारत भूमि से। राम, महावीर, बुद्ध, नानक और कबीर की धरा से ऐसे विध्वंस के संदेश क्यों? क्या केवल सत्ता को स्थापित और ख़ुश करने के लिए? फिर जो मीडिया की भूमिका इतनी ही छोटी, सीमित और अविश्वसनीय हो गई है तब उस पर वह भरोसा भी क्यों किया जाए? सत्ता तो चाहती है कि जनता पहले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के सांप्रदायिक, स्त्री विरोधी और अश्लील बयान को सुने, फिर समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के जातिसूचक बयानों को और फिर अली खान महमूदाबाद की फेसबुक पोस्ट में ऐसी उलझे कि सवाल-जवाब का स्तर बस गिरता ही चला जाए।

अली खान हरियाणा में स्थित अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफ़ेसर और हेड हैं। वे अपने विषय के स्कॉलर माने जाते हैं। उनकी राय सुनी जाती है। कैंब्रिज और दमस्कस यूनिवर्सिटी से उनकी पढ़ाई हुई है और वे उस अशोका यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं जिसकी बुनियाद लिबरल एजुकेशन की रही है। जब वह प्रोफ़ेसर अपनी बात कहता है तब बजाय उसे समझने के राज्य सरकार उसे तुरंत जेल में डाल देती है, पूछताछ के लिए रिमांड पर ले लेती है । कल्पना कीजिये कि आप रात में अपनी कोई बात लिखकर सोए हों और अगले दिन पुलिस फ़ोर्स इस तरह आपको गिरफ़्तार करने घर में दाख़िल हो जैसे आप कोई आतंकवादी हों। गर्भवती पत्नी की फ़रियाद का भी कोई असर नहीं होता। तब क्या हम देश में लिखने-बोलने की आज़ादी को ख़त्म कर केवल दमन का शासन स्थापित कर रहे हैं? यही तो लिखा था प्रो. अली ने कि %अनेक दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफ़िया कुरैशी की प्रशंसा कर रहे हैं, यह ख़ुशी की बात है लेकिन ये लोग अगर इसी तरह ऐसे लोगों के लिए भी आवाजें उठाएं जो मॉब लिंचिंग, गैर-कानूनी बुलडोज़र और सत्तादल की शह पर चलाए गए साम्प्रदायिक नफ़रत के शिकार हुए हैं, वे सरकार से मांग करें कि इन्हें भारतीय नागरिक के तौर पर सुरक्षा दी जाए तो देश आगे बढ़ेगा। दो महिला सैनिकों के ज़रिए जानकारी देने का नज़रिया बेहतरीन है लेकिन इस नज़रिये को हक़ीक़त में बदलना चाहिए नहीं तो यह केवल सरकार का दिखावा या पाखंड माना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से अली को ज़मानत मिल गई है लेकिन उन्हें पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया है और हिदायत दी गई है कि जांच तक आप इस मामले में कुछ नहीं लिखेंगे और मीडिया से भी बात नहीं करेंगे। न्यायालय को पोस्ट लिखने का समय भी सही नहीं लगा। अब सरकार शायद इसे अपने हिसाब से देखेगी। इससे उसकी समय, भावना और अभिव्यक्ति पर नियंत्रण की सोच को बल मिलेगा। लोकतंत्र पर नए पहरे होंगे। बेशक ज़मानत बड़ी राहत है।

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह पर भी मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संज्ञान लेने के बाद एफआईआर दर्ज़ की गई लेकिन न कोई गिरफ़्तारी हुई और न ही इस्तीफ़ा। कर्नल सोफ़िया कुरैशी को आतंकवादी की बहन% बताने पर पार्टी और सरकार की चुप्पी बताती है कि उसे मंत्रियों को हर बयान पर संरक्षण देना है और शिक्षाविदों को डराना।मासूम हैं वे बहस करने वाले जो सत्ता के इस व्यवहार को हिन्दू-मुस्लिम का फर्क बता रहे हैं। वे कह रहे हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि उनके नाम में अली है और उनका नाम विजय है। यह गिरफ़्तारी इस आधार पर नहीं बल्कि सत्ता को आईना दिखाने वालों को सबक सिखाने के लिए है। यह बताने के लिए कि, %सावधान, ऐसा लिखोगे तो कुचले जाओगे%। नाम का ध्यान तो केवल इसलिए रखा जाता है कि इससे मुद्दा बनता है, चीखने वाली बहस बनती है। आप बहस करना बंद कर दीजिए, मुद्दा खुद अपनी मौत मर जाएगा लेकिन इसमें किसकी दिलचस्पी है? जिस मीडिया को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही कम लोगों ने देखा, उसे ज़िंदा रखने के लिए ऐसे ही मसलों की तलाश रहती है। अगर आप %विजय बनाम अली% करते रहेंगे तभी तो कहानियां बनती रहेंगी और प्राचीन काल की तरह गाथाओं के माध्यम से सत्ता भी निर्बाध चलती रहेगी। बेशक सुप्रीम कोर्ट ने जहां प्रोफ़े सर अली को ज़मानत दी, मंत्री विजय की नामंज़ूर कर दी।

सत्ता को स्थापित करने के लिए अजब -गजब कहानियों का यह दौर आधुनिक और नए भारत में नहीं चलना चाहिए। देवदत्त पटनायक के अनुसार, पश्चिम भारत की एक कहानी में ऋषियों की मुलाक़ात ऐसे पुरुष से हुई थी जो नाग के फन के नीचे सोए रहकर धूप से बचते थे या फिर कुछ शेर से दो-दो हाथ कर लेते थे। गुजरात के चावड़ा राजवंश के अनुसार एक राजकुमार इसलिए अलौकिक बताए गए क्योंकि वह झूले में पड़े रहते थे और धूप उन्हें स्पर्श भी नहीं कर पाती थी जबकि ऐसा पेड़ की छाया के स्थिर रहने के कारण होता था। आज ऐसी हर कहानी के जवाब विज्ञान के पास हैं। आज़ाद भारत में सब नागरिक बराबर और समान हैं। सब में देवत्व है क्योंकि सबके जन्म लेने की प्रक्रिया भी एक है। हां, प्रशिक्षण और अभ्यास ज़रूर किसी को भी खास बना सकता है।

संपादकीय

तब क्या होगा, हम देखेंगे

हम देखेंगे.. लाज़िम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज़ अहमद फैज ने ये नज़्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक़ ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज़्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के ज़रिए। दरअसल, ज़िया-उल-हक़ की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इक़बाल बानो ने सफ़ेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज़्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख़्त गिराए जायेंगे गाते ही भीड़ ने इंक़लाब ज़िंदाबाद नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक़्त से यह नज़्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज़्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।बरसों-बरस यह नज़्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नज़र नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज़्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज़्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज़्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज़्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फ़िल्म कोर्ट% के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फ़िल्म कोर्ट में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फ़िल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में %हम देखेंगे... नज़्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफ़आईआर दर्ज की है।शिकायत में कहा गया है कि फैज़ की कविता में सिंहासन हिलान और तानाशाही के दौर जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज़्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौ से तब, जब वह नज़्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाज़िमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फ़ैज़ अहमद फ़ैज के प्रशंसक थे और जिस नज़्म पर इस वक़्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।फैज़ की बात चली है तो यह बताना ज़रूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली ख़ान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध शांति वार्ता की जिम्मेदारी पोप पर डाली

बहुप्रतीक्षित ट्रंप-पुतिन कॉल से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने कहा कि उन्होंने रविवार को ट्रंप से बात की। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा कि वह पुतिन से शांति वार्ता को गंभीरता से लेने का आग्रह कर रही है। बयान में कहा गया है कि उन नेताओं ने %रूस द्वारा युद्धविराम और शांति वार्ता में गंभीरता से शामिल न होने पर प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर भी चर्चा की-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपने शांति प्रयासों को लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि सोमवार को तथाकथित दोस्त रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी दो घंटे की बातचीत नो एंट्री ज़ोन में समाप्त हो गयी। वेटिकन अब रूसी और यूक्रेनी नेताओं के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने के लिए दृश्य में प्रवेश कर गया है।कोई नहीं जानता कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने शिकागो में जन्मे पोप लियो-14 से मदद मांगी या नहीं, ताकि वे उन्हें बचा सकें और वार्ता की मेजबानी कर सकें, ताकि दोनों नेता उनकी बात सुन सकें। लेकिन वीपी जेडी वांस ने वास्तव में शिकागो के नये पोप लियो-14 से मुलाकात की और यूक्रेन सहित वैश्विक स्थिति के बारे में बताया।ट्रम्प ने यूक्रेन में युद्ध के %रक्तपात% को रोकने के प्रयास में सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की और अन्य नेताओं से अलग-अलग कॉल में बात की। लेकिन राष्ट्रपति की शांति पहल अनिर्णायक रही, जिससे वे निराश हो गये। ट्रम्प ने अपने सोशल नेटवर्क ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि-रूस और यूक्रेन अब तुरंत युद्ध विराम पर सीधी बातचीत करेंगे।हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि ये वार्ता किस रूप में होगी या कब होगी। ट्रम्प ने कहा कि वेटिकन ने वार्ता की मेजबानी करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा, %इसके लिए शर्तें दोनों पक्षों के बीच बातचीत से तय होंगी, क्योंकि ऐसा केवल इसलिए हो सकता है, क्योंकि वे वार्ता के विवरण जानते हैं, जिसके बारे में किसी और को पता नहीं होगा। पुतिन के साथ ट्रम्प की कॉल दो घंटे से अधिक समय तक चली और बहुत जानकारीपूर्ण और बहुत खुली थी, पुतिन ने रूसी राज्य मीडिया को बताया।

ट्रम्प ने ज़ेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत के बारे में बहुत कम कहा, जिनसे उन्होंने सबसे पहले बात की, सिवा इसके कि उन्होंने ज़ेलेंस्की और अन्य नाटो देशों के नेताओं को वार्ता के बारे में सूचित कर दिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। ज़ेलेंस्की के अनुसार, ट्रंप ने सोमवार को ज़ेलेंस्की से दो बार बात

की, एक बार आमने-सामने, पुतिन के साथ ट्रंप की कॉल से पहले, और फिर यूक्रेनी और नाटो नेताओं के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान।

ज़ेलेंस्की ने ट्वीट किया, मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से फिर से कहा कि-यूक्रेन पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम के लिए तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर रूसी हत्याओं को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं, तो उन पर कड़े प्रतिबंध लगाये जाने चाहिए।रूस पर दबाव उसे वास्तविक शांति की ओर ले जाएगा - यह दुनिया भर में सभी के लिए स्पष्ट है, रोम में एनबीसी न्यूज के साथ सोमवार को एक साक्षात्कार में, जहां पोप लियो-14 ने उनका स्वागत किया, उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहा, यह जोड़ते हुए कि हमने पोप के साथ राष्ट्रपति की प्रमुख शांति पहलों के बारे में बात की। हमने इस बारे में बहुत बात की कि इज़राइल और गाजा में क्या चल रहा है। हमने रूस-यूक्रेन की स्थिति के बारे में बहुत बात की। भविष्य की भविष्यवाणी करना कठिन है, लेकिन मुझे लगता है कि, न केवल पोप, बल्कि पूरे वेटिकन ने, आप जानते हैं, वास्तव में मददगार होने की इच्छा व्यक्त की है, और उम्मीद है कि एक शांति समझौते को सुविधाजनक बनाने के लिए मिलकर काम करना है। भविष्य की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, लेकिन यह बहुत सार्थक था, और मुझे उम्मीद है कि देश के लिए इसका फल मिलेगा।

इस बीच, पुतिन के प्रवक्ता दिमित्रीपेसकोव ने कॉल से पहले कहा कि रूस अमेरिका को बहुत महत्व देता है और अमेरिकी पक्ष का आभारी है। पत्रकारों के साथ एक ब्रीफिंग में, उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका शांतिपूर्ण तरीकों से हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है, तो यह वास्तव में बेहतर है। पेसकोव से ट्रंप और पुतिन की व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की संभावना के बारे में भी पूछा गया, जिसकी संभावना अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को जताई थी। पेसकोव ने कहा, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि वे खुद क्या फैसला करते हैं। उन्होंने कहा कि तारीखों और अन्य विवरणों के संदर्भ में दोनों नेताओं द्वारा बैठक पर काम करने की जरूरत ह।

बहुप्रतीक्षित ट्रंप-पुतिन कॉल से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने कहा कि उन्होंने रविवार को ट्रंप से बात की। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा कि वह पुतिन से शांति वार्ता को गंभीरता से लेने का आग्रह कर रही है। बयान में कहा गया है कि उन नेताओं ने रूस द्वारा युद्धविराम और शांति वार्ता में गंभीरता से शामिल न होने पर प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर भी चर्चा की%- कुछ ऐसा जिसकी ट्रंप पहले भी धमकी दे चुके हैं। फरवरी 2022 में शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को समाप्त करने के लिए कई दौर की शांति वार्ताएं हो चुकी हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सभी कब्जे वाली भूमि को रूसी के रूप में मान्यता देने, रूस को वे सभी क्षेत्र दिये जाने की मांग कर रहे हैं जिन पर उसका दावा है लेकिन उसका पूर्ण नियंत्रण नहीं है। फिर यह गारंटी भी कि यूक्रेन कभी भी नाटो में शामिल नहीं होगा, और वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को हटाना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की रूसी सैनिकों की पूरी तरह वापसी, कैदियों और अपहृत यूक्रेनी बच्चों की वापसी, युद्ध अपराधों के लिए रूसी नेताओं पर मुकदमा चलाने और आगे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहे हैं।रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच पहली बैठक आक्रमण शुरू होने के चार दिन बाद, 28 फरवरी 2022 को बेलारूस में हुई और बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई। बाद में वार्ता के दौर हुए- मार्च 2022 में बेलारूस-यूक्रेन सीमा पर और तुर्की के अंताल्या में। तुर्की में बातचीत से एक समझौता हुआ जिसके अनुसार यूक्रेन नाटो में शामिल होने की योजना को छोड़ देगा और अपनी सेना पर सीमाएं लगायेगा, जबकि पश्चिमी देशों से सुरक्षा गारंटी होगी और रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्ज़ा करने को मान्यता देने की आवश्यकता नहीं होगी। मसौदा संधि पर लगभग सहमति बन गयी थी, लेकिन सुरक्षा गारंटी और बुचा नरसंहार पर असहमति ने अंततः वार्ता की सफलता को रोक दिया।

डोनाल्ड ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद 2025 में नये सिरे से बातचीत शुरू हुई। ट्रम्प ने इस साल 12 फरवरी को पुतिन के साथ फ़ोन पर बात की और उसके तुरंत बाद अमेरिकी अधिकारियों ने ज़ेलेंस्की से मुलाक़ात की। सऊदी अरब शांति वार्ता के लिए प्राथमिक मेज़बान देश के रूप में उभरा। अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन के बाद, ट्रम्प और ज़ेलेंस्की के बीच संबंध खराब हो गये, जिसकी परिणति 28 फ़रवरी को दोनों के बीच हुई बैठक में हुई जिसमें अमेरिकी अधिकारियों ने यूक्रेफेनियों को बीच में ही चले जाने के लिए कहा और एक नियोजित यूक्रेन-अमेरिका खनिज राजस्व सौदे को छोड़ दिया। बैठक के बाद, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यूक्रेन में सैनिकों के साथ इच्छुक गठबंधन% द्वारा संरक्षित युद्ध विराम की योजना बनायी। मार्च से रूस और यूक्रेन दोनों द्वारा कभी-कभी कुछ सीमित युद्ध विराम पर सहमति होती रही है।

वेलवेट का स्टाइलिश फैक्टर

पुरुषों में वेलवेट

70 के दशक में एक्टर इफ्तिखार ने वेलवेट का स्मोकी जैकेट पहना था। उसके बाद कुछ दिनों तक इसका क्रेज रहा, लेकिन धीरे-धीरे वेलवेट के जैकेट का क्रेज कम होता गया। अभी हाल में अभिषेक बच्चन ने भी वेलवेट का जैकेट पहना था, लेकिन ड्रेससेंस से यह मैच नहीं खा रहा था। जबकि ऋतिक रोशन के ऊपर वेलवेट का यह जैकेट खूब फब रहा था। पुरुषों को वेलवेट का जैकेट पहनते समय अपना हेयरस्टाइल और पर्सनाल्टी देखना चाहिए।

कोई भी चीज एकदम में समाप्त नहीं हो जाती, खासकर फैशन में तो बिल्कुल नहीं। यह अलग बात है कि कुछ समय के लिए किसी भी फैशन का ट्रेंड समाप्त हो जाए, लेकिन वह एक बार फिर उसी लुक में या कुछ बदलाव के बाद नए लुक में दोबारा आता है। वेलवेट के साथ भी यही हुआ। 70-80 के दशक में धूम मचाने के बाद यह एक बार फिर से लौटा आया है।

परंपरागत भारतीय ड्रेस

सूट, लहंगा और साड़ी में वेलवेट के इस्तेमाल का चलन इन दिनों काफी बढ़ गया है। चाहे वह एप्लीक वर्क के रूप में हो या फिर बॉर्डर को सजाने में। वेलवेट एक रिच फैब्रिक है और लंबे समय बाद ट्रेंड में है। साड़ी के बॉर्डर से लेकर अनारकली सलवार-कमीज तक यह खूब पसंद किया जा रहा है। वेलवेट के इस ड्रेस को सिलेब्रिटीज भी खूब पसंद कर रहे हैं।

वेलवेट का आधुनिक तड़का

ड्रेस डिजाइनर मानते हैं कि, वेलवेट ट्रिमिंग इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। लोग अब नेट की साड़ी या दुपट्टे पर एक इंच का वेलवेट बॉर्डर चाहते हैं। किसी और समय के मुकाबले इसकी मांग इन दिनों सबसे ज्यादा है। मार्केट में इन दिनों कई तरह के वेलवेट उपलब्ध हैं। जिनमें पॉलिस्टर, विस्कोस और सिल्क हैं। इनमें सिल्क सबसे ज्यादा चमकदार और खर्चीला होता है। वैसे विस्कोस भी सिल्क जैसा ही प्रभाव पैदा करता है, वह भी कम खर्च में। वेलवेट में 'बर्न्ट-आउट वेलवेट भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह एक सिल्क जॉर्जेट फ्रेबिक है, जिस पर लाइक्रा और वेलवेट की थोड़ी सी इम्बॉसिंग होती है। यदि आपका ड्रेस एक चौड़े बॉर्डर वाला हो तो यह उस पर खूब फबता है। कुछ लोग कुंदन के काम वाले फुल वेलवेट शेरवानी और जैकेट भी पसंद करते हैं।

क्या है खास

साड़ी के पल्लू और ब्लाउज में वेलवेट वर्क काफी पसंद किया जाता है। वैसे, वेलवेट ब्लाउज तभी अच्छा लगता है, जब इसमें कम फैब्रिक यूज हो और इसका डिजाइन, कलर व वर्क साड़ी से ज्यादा हाइलाइट न हो। इन दिनों यह सूट-सलवार में भी खूब यूज हो रहा है। एक प्रभावी चौड़े वेलवेट बॉर्डर वाला सूट या लहंगा लंबे लोगों पर काफी फबता है।

ऑफ शोल्डर ड्रेसेज

ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने के लिए सबसे जरूरी है कि आप उसे एलिगेंट ज्वैलरी और परफेक्ट मेकअप के साथ कंबाइन करें।
फैशनेबल लुक के लिए ड्रेस को लंबी इयररिंग्ज और फंकी नेकलेस के साथ पहनें।
मेकअप को कम से कम रखें और बालों को बांध लें, ताकि फोकस आपके शोल्डर्स पर रहे।
इवनिंग लुक के लिए ड्रेस को ब्रच और शैनडलेयर्स के साथ कंबाइन करें।
छोटे कद की स्त्रियों को ऑफ शोल्डर ड्रेसेज पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें उनका कद और छोटा लग सकता है।
जिनकी बाहें अधिक हेवी हैं, उन्हें भी ऑफ शोल्डर ड्रेसेज नहीं पहनना चाहिए।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि आपके आर्म्स और अंडर आर्म्स ठीक तरह से वैक्स्ड और मॉयश्चराइज्ड हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से कुछ दिन पहले अर्म्स और शोल्डर्स को टोन करने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज भी कर सकती हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनते समय सही सपोर्ट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप सही इनरवेयर का चयन करें।
ग्लैमर लुक के लिए शोल्डर व नेक पर टैटू का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

सिलेब्रिटीज को है पसंद

वेलवेट की दीवानगी बहुत ज्यादा नहीं रही है। पिछले दिनों माधुरी दीक्षित, उर्मिला मातोंडकर, रानी मुखर्जी और ऐश्वर्या राय जैसी अभिनेत्रियां वेलवेट से बने परंपरागत ड्रेस में नजर आईं। वेलवेट का इस्तेमाल ज्यादातर परंपरागत ड्रेस लहंगा, सलवार कमीज और साड़ी में होता है। इनमें कशीदकारी बहुत ही बारीक और सुंदर रूप से उभर कर आती है। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लंबे व स्ट्रेट वेलवेट कुर्ते पहने थे, जिसे लोगों ने ज्यादा नोटिस नहीं किया था। लेकिन कुछ समय तक ब्राइडल आउटफिट्स का पार्ट रहने के बाद यह फैब्रिक मेनस्ट्रीम ड्रेसेज का पार्ट हो गया है। वैसे इस फैब्रिक को बॉलीवुड से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

लेदर एंक्लेटस

टॉम बाय पर्सनैलिटी की लड़कियों को लेदर का एंक्लेट्स बहुत खूबसूरत लगता है। यदि आप लेदर का एंक्लेट्स पहन रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह बहुत चौड़ी न हो नहीं तो यह आप के लुक को डाउन कर देगा।

एंक्लेट्स का ट्रेंडी फंडा

एक समय पैरो में सजी पायल और उससे निकले वाली मधुर ध्वनि सबको अपनी आरे आकर्षित करती थी लेकिन अब इसका फैशन पुराना पड़ गया है। आजकल एंक्लेट चलन में है। कॉलेज गोइंग गर्ल्स आज पायल की जगह एंक्लेट पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।

एक पैर में पहना जाने वाला यह एंक्लेट कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। स्टाइलिश लुक के लिए कई तरह की एंक्लेट्स मार्केट में है। आप इन्हें अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से चूज कर सकती हैं। आइए जानते हैं तरह-तरह के एंक्लेट्स के बारे में।

ऑरनामेंटल हैं खास

क्रिस्टल के बने एंकलेट्स बहुत ही खूबसूरत होने के साथ स्टाइलिश भी होते हैं। इसे पहनने के बाद आपको किसी तरह की खास एक्सेसरीज की जरूरत नहीं है। सिंपल और सोबर ड्रेस के साथ आप इसे पहन सकती हैं। ब्लैक, वाइट और ग्रे कलर के आउटफिट के साथ ये ज्यादा खूबसूरत लगती हैं।

चेन से सिंपल लुक

सिंपल एंकलेट्स की मार्केट में बहुत सी वैरायटी है। इसमें आप चाहें तो सिंगल लेयर से लेकर चार लेयर तक की एंकलेट्स का यूज कर सकती हैं। एंकलेट्स के साथ ही नेकलेस पहनना बेहतर रहता है। सिंपल एंकलेट्स शॉर्ट स्कर्ट और कैप्री पर पहनने से लुक काफी ग्लैमरस हो जाता है।

बीड्स एंकलेट्स

इस तरह के एंकलेट्स की खासियत है कि आप इसे किसी भी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये एंकलेट्स आपको सिंपल लुक देती हैं। इन्हें पहनते समय ध्यान रखें कि ज्यादा मेकअप और जूलरी न पहनें। बीड्स का रंग आपकी ड्रेस से मेल खाता हुआ होना चाहिए इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

पर्श पर भी नहीं है भारी

इन एंकलेट्स की सबसे खास बात यह है कि इनकी कीमतें सभी लोगों की पहुंच में हैं। यह लोकल मार्क ट में ये 20 से लेकर 50 रुपये तक है। वहीं बड़ शोरूमों में इनकी कीमतें 200 से लेकर 500 रुपये तक है।

पैर भी लगें स्टाइलिश

ड्रेस कोई भी हो लेकिन गर्ल्स एंक्लेट पहनना नहीं भूलती। इन दिनों कैप्री के साथ इसका चलन अधिक हो गया है। एंक्लेट पहनने से पैरों की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है। बीबीए स्टूडेंट डिंपल कहती है कि एंक्लेट कैप्री या शॉर्ट स्कर्ट के साथ पहना जाए तो डिफरेंट लुक देता हैं साथ ही साथ पैरों की खुबसूरती भी बढ़ जाती है।

ये हैं फेवरेट स्टाइल

थीन वायर एंक्लेट, छोटी बीड एंक्लेट, मल्टी कलर एंक्लेट,चोटी स्टाइल एंक्लेट, गोल्डेन, सिल्वर चेन एंक्लेट, बंधेज स्टाइल, मैटल स्टाइल, क्रिस्टल स्टाइल, शो-पीस घुंघरू स्टाइल।

कलरफुल एंक्लेट्स

फिलहाल कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर महिलाएं भी मैचिंग तथा कलरफुल एंक्लेट्स पहनने लगी हैं। वैसे कलरफुल एंक्लेट्स को हर ड्रेस पर पहना जा सकता है।

नग वाला एंकलेट्स

नए वाला एंकलेट्स अभी-अभी मार्केट में आया है लेकिन इसकी मांग सबसे अधिक है। नग एंकलेट्स को साड़ी, सूट और अन्य ड्रेस के मैचिंग को ध्यान में रखकर पहना जा सकता है। नग वाली एंकलेट्स मल्टी कलर में भी मिलती है। मल्टी कलर का एंकलेट्स सभी ड्रेसेज पर पर फबता है। और यदि डार्क कलर हो तो कहना ही क्या। हैवी नग वाली एंकलेट्स को शादी, पार्टी जैसे मौकों पर पहन सकती है। इसमें सिंगल से लेकर पांच लेयर तक की एंकलेट्स है जो आप अपनी जरूरत के मुताबिक खरीद सकते है।

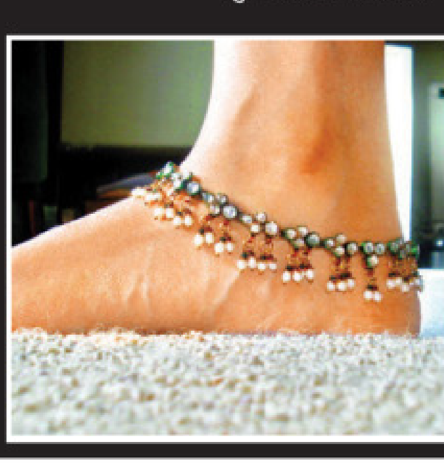

सब्जियां जो स्वाद बनाएं बेहतर

आप रोजाना घर में सब्जियां बनाते-बनाते परेशान हो गई हैं, लेकिन घर के सदस्यों को स्वाद बढ़िया नहीं लगता। रोज-रोज की झंझट में क्या बनाएं, क्या न बनाएं, कुछ समझ नहीं आता। आइए, हम सब्जियों की रेसिपी बताते हैं, जिससे आप सब्जियां बनाकर न केवल परिवार का दिल जीत लेंगी, वरना आपको भी इनका स्वाद बढ़िया लगेगा।

पालक पनीर

सामग्री - डेढ़ कप पालक, 500 ग्राम पनीर, एक चम्मच अदरक, एक चम्मच लहसुन, आधा कप प्याज (कसा हुआ), एक कप टमाटर (कटा हुआ), आधा कप प्याज, एक कप टमाटर (बारीक कटा हुआ), एक चम्मच जीरा, चौथाई चम्मच गर्म मसाला, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार और एक चौथाई कप तेल।

विधि - तेल गर्म करें और उसमें जीरा मिला दें। जब यह चटकने लगे, तो इसमें अदरक व लहसुन का पेस्ट मिलाएं। इसमें प्याज मिला दें और सभी चीजों को ब्राउन होने दें। इसमें टमाटर मिलाकर मध्यम आंच पर भूनें। अब इसमें गर्म मसाला, नमक और लाल मिर्च पाउडर मिला दें। इसमें पालक को मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करने के बाद पनीर मिला लें। पांच मिनट तक हल्की आंच पर रहने दें और गर्मागर्म सर्व करें।

पालक-मंगोड़ी

आवश्यक सामग्री - पालक - 750 ग्राम (एक बन्च) चीनी - आधा छोटी चम्मच मूंग दाल की मंगोड़ी - 100 ग्राम (एक कप) टमाटर - 4 (मीडियम आकार के) हरी मिर्च - 1-2 अदरक - 1 इंच लम्बा टुकड़ा तेल - 2 टेबल स्पून हींग - 1 पिंच जीरा - आधा छोटा चम्मच खड़ा मसाला हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच क्रीम या ताजा मलाई - 2 टेबल स्पून(यदि आप चाहें) बेसन - एक टेबल स्पून नमक - स्वादानुसार (1 छोटी चम्मच) लाल मिर्च - 1/4 छोटी चम्मच (यदि आप चाहें) हरा धनियां - 2 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

विधि - पालक के पत्तों से डंडिया हटा कर अलग कर दीजिए। पत्तों के पानी में अच्छी तरह डुबा कर 2 बार धो कर छलनी में या थाली में तिरछा करके रख दीजिए और पालक के पत्ते से पानी निकल जाने दीजिए। पालक के धुले पत्ते को किसी बर्तन में डालिए, आधा कप पानी और चीनी डाल कर, मध्यम आग पर उबालने के लिए ढंककर रख दीजिए। 8-10 मिनट में पालक उबल जाता है। आग बन्द कर दीजिए। कढ़ाई में 1 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए, गरम तेल में, मूंग दाल की मंगोड़ी डाल कर मध्यम आग पर हल्की ब्राउन होने तक भून लीजिए, भुनी मगोड़ी को प्याले में निकाल कर अलग रख लीजिए। अब मसाले में क्रीम डालिए और 2 मिनट और भून लीजिए भुने मसाले में मगोड़ी, डेड़ कप पानी, भुना हुआ बेसन और नमक डालकर, ढंककर, धीमी आग पर पकने दीजिए। मंगोड़ी नरम हो जाने पर पिसा पालक डालिए। अगर पानी कम लग रहा हो तो आवश्यकतानुसार और पानी मिला दीजिए। सब्जी में उबाल आने के बाद 2-3 मिनट सब्जी को पकने दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए। सब्जी में गरम मसाला और हरा धनियां डाल कर मिला दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है। पालक मगोड़ी की सब्जी को प्याले में निकालिए और ऊपर से थोड़ी सी क्रीम डाल कर सजाइए। गरमा गरम पालक मंगोड़ी की सब्जी चपाती, नान या चावल के साथ परोसिए और खाइए।

निकली है तोंद खतरे कई हजार

भूख और खाने में दो बाते होती हैं। एक ये कि एक इंसान अपनी भूख मिटाने के लिए पेट भरता है और दूसरी यह कि एक इंसान टेस्ट के लिए और ठस के पेट भरने के लिए खाना खाता है। यदि किसी को कोई चीज अच्छी लग गई तो वह इसे जी भरकर खा लेना चहाता है और अपने पेट से ज्यादा इसे लेने की कोशिश करता है। हर व्यक्ति की एक सीमा होती है जो इसे क्रॉस कर जाते हैं वह पेट बढ़ने की समस्या से पीड़ित हो जाते हैं। वैसे हर व्यक्ति को उम्र के किसी न किसी पड़ाव पर मोटापा महसूस होता है। कई बार शरीर में चर्बी बढ़ने के कारण गंभीर रोग भी हो जाते हैं।

बढ़ते पेट की समस्याएं

बेली फैट: पेट के निचले हिस्से में बढ़ने वाले फैट को बेली फैट कहा जाता है, यह देखने में काफी भद्दा लगता है और फिगर को गंदा बना देता है। इस फैट से पाचन क्रिया और रीढ़ की हड्डी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, अगर आपको भी बैली फैट होने लगा है तो इसे कम करने के बारे में सोचना शुरू कर दीजिए।

बढ़ने वाले पेट में टॉक्सिन इक्ट्ठे हो जाते हैं : शरीर में कहीं और चर्बी होने से अलग होता है बेली फैट। पेट में जमा होने वाले फैट में कई सारे टॉक्सिन भी इक्ट्ठे हो जाते हैं जिससे शरीर में ऐसे हारमोन निकलते हैं जो नुकसान पहुंचाते हैं।

यह मधुमेह का कारण भी बनता है : टमी फैट के कारण निकलने वाले हारमोन्स से एक हारमोन शुगर (डाइबिटीज) होने का कारण भी बन सकता है। यह शरीर में इंसुलिन प्रतिरोधक को बढ़ा देता है और व्यक्ति के शरीर में इंसुलिन की मात्रा कम होती जाती है।

हार्ट अटैक की वजह भी बन सकता है : इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ जाता है जिसकी वजह से हार्ट संबंधी रोग भी हो जाते हैं। जो गंभीर होते हैं और मरीज की जान लेने में देर नहीं लगाते। इसकी वजह से हार्ट अटैक, स्ट्रोक से तुंरत मृत्यु होने का खतरा बहुत ज्यादा हो जाता है।

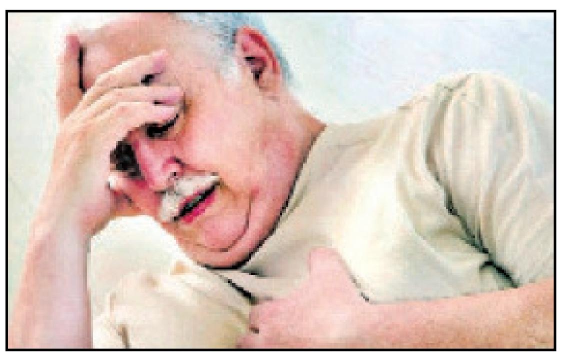

कैंसर का भी खतरा : कई बार मोटे पेट के कारण निकलने वाले हारमोन से कैंसर या अवसाद का खतरा भी बना रहता है। रक्त के थक्के का जमना, ब्लड प्रेशर आदि की समस्या भी हो सकती है।

सबसे पहले खुराक में परिवर्तन लाएं : इसीलिए, अगर आपको पेट के निचले हिस्से में फैट जमा होने लगा है तो अपनी खुराक में परिवर्तन लाएं। डाइट चार्ट के हिसाब से भोजन करें।

पेट को प्रोटीन के सेवन से इसे कम करें : शोध से यह बात साफ हो चुकी है कि प्रोटीन के सेवन से इसे कम किया जा सकता है तो प्रोटीन का भरपूर सेवन करें। लेकिन स्वस्थ रहें और पेट पर चढ़ने वाली चर्बी को कम करें।

पेट की चर्बी आसानी से कम नहीं होती : इसके लिए अपने खाने से लेकर जौगिंग और जिम में मेहनत करनी होगी। व्यायाम करें, दौड़ें, शारीरिक श्रम करें और बढ़े पेट को कम करने का प्रयास करें।

ग्लूकोमा रोगियों के लिए सिर झुकाने वाले आसन खतरनाक

न्यूयॉर्क। योग करते समय सिर झुका कर आसन करने और पुश-अप, भारी वजन उठाने जैसे अन्य व्यायाम करने से ग्लूकोमा के रोगियों की आंखों पर दबाव बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।

- ग्लूकोमा के रोगियों को अपनी आंखों पर जोर देने के लिए मनाही है

- यानी वो आसन या काम जो आप सिर झुका कर उठाते हो या आसन मुद्रा में करते हो, ऐसे आसन बिलकुल या काम बिलकुल न करें

- इन आसनों से ग्लूकोमा रोगी अपनी आखों की रोशनी हमेशा के लिए खो सकते हैं

अंधापन : ग्लूकोमा रोगियों में कम से लेकर अधिक स्तर तक यह आंखों की रोशनी को प्रभावित कर सकता है और इसकी वजह से रोगी की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए भी जा सकती है।

ऑप्टिक नर्व को नुकसान : ग्लूकोमा के रोगियों के ऑप्टिक नर्व को उस समय नुकसान पहुंच सकता है जब उनकी आंख के अंदर तरल पदार्थ का दबाव बढ़ जाता है। आंखों में तरल पदार्थ का दबाव बढ़ने का सबसे सामान्य कारण ''एलिवेटेड इंट्राऑक्यूलर प्रेशर' (आईओपी) है।

तरल पदार्थ का दबाव बढ़ा : अध्ययन में, ''न्यूयॉर्क आई एंड ईयर इनफर्मरी ऑफ माउंट सिनाई' (एनवाईईई) के अध्ययनकर्ताओं ने कई ऐसे प्रतिभागियों को शामिल किया जिनमें से कुछ को आंख से संबंधित कोई बीमारी नहीं थी और कुछ लोग ग्लूकोमा के रोगी थे। इन लोगों ने कई तरह के सिर झुकाकर किए जाने वाले योगासन किए थे। ऐसे आसन करने के बाद स्वस्थ लोगों और ग्लूकोमा पीड़ित लोगों की आंखों में तरल पदार्थ का दबाव बढ़ा हुआ पाया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ोन

नाना ने कुछ बडे हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा- 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बडी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया । बोल पडा- 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिकडम नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब-किताब रखा जाता है।'

□ □ □

नवविवाहित जोंडा जब हनीमून मनाने के लिए हिल स्टेशन के एक होटल में पंहुचा तो मैनजेर ने दूल्हे को देखते ही उसका नाम रजिस्टर में लिख दिया।

दुल्हन ने खुशी के मारे मैनेजर से पूछा- क्या मेरे पति इतने मशहूर है कि आपको उनका नाम-पता पूछने की जरूरत ही नही पडी बात असल में यह है देवीजी मैनेजर ने कहा-आपके पति हमारे होटल में हर वर्ष हनीमून मनाने आते है।

□ □ □

भोलाराम का बेटा मां से बोला- अम्मी तुम भी पिताजी की तरह क्रिकेट में छक्के लगा सक ती हो।

छक्के लगा तो नहीं सकती ,छुडा सकती हूं, मां बोली।

काकुरो पहेली - 4064

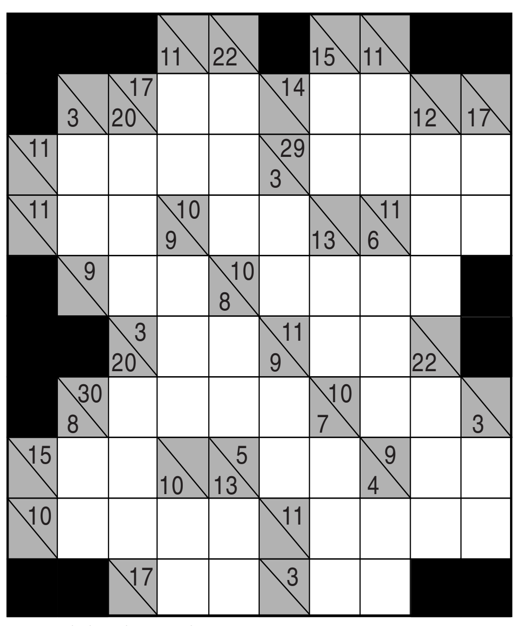

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

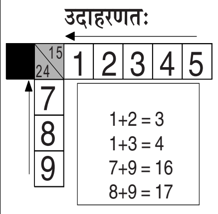

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4063 हल

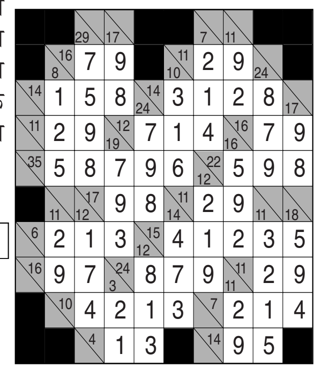

फिल्म वर्ग पहेली- 4064

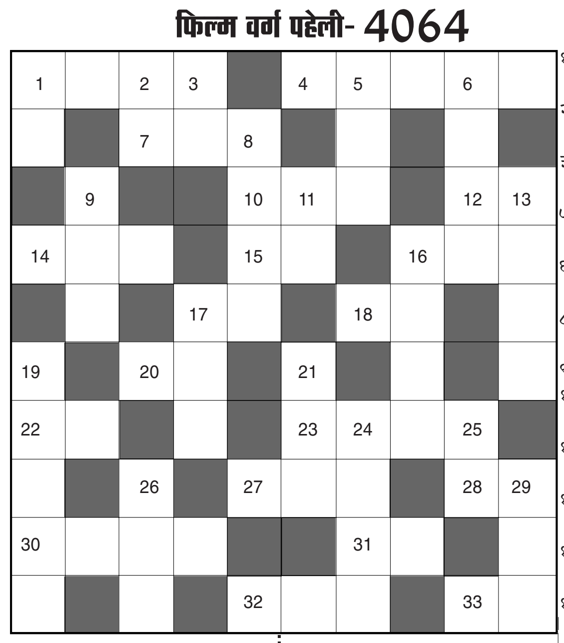

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4063

सूडोकु -4064

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4063 हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 4064

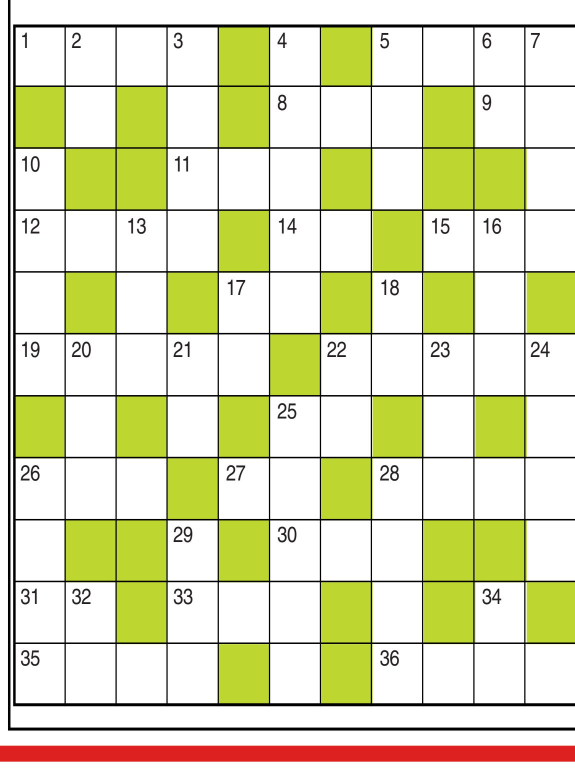

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -4063 का हल

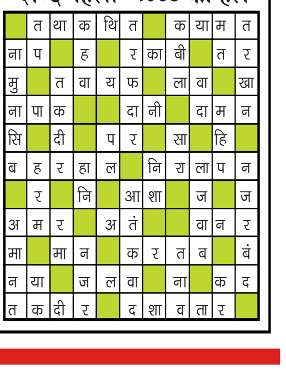

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। मुख्यमंत्री ममता द्वारा इस बार बैठक से दूरी बनाए जाने के पीछे स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन एक अधिकारी का कहना है कि पिछली नीति आयोग की बैठक का अनुभव उनके लिए सुखद नहीं था। उस बैठक में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि उन्हें बोलने का पूरा अवसर नहीं दिया गया और उनके भाषण के दौरान माइक बंद कर दिया गया। इस घटना के विरोध में उन्होंने बैठक कक्ष छोड़ दिया था। हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उस आरोप को खारिज करते हुए कहा था कि उन्हें निर्धारित समय तक बोलने का अवसर दिया गया था। इस वर्ष बैठक की थीम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य@2047 है। इसमें राज्यों पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा और इस प्रकार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत@2047 के लिए विकसित राज्य के दृष्टिकोण पर चर्चा की जाएगी।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ ने जब्त की 7.50 करोड़ रुपये की हेरोइन

श्रीगंगानगर। जिले से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तान की ओर से लगातार ड्रग भेजी जा रही है। ये ड्रग ड्रोन के जरिए आ रही है। अनूपगढ़ में भारत-पाक सीमा पर सीमा सुरक्षा बल को पीले रंग का एक पैकेट मिला। 14के के पास स्थित कैलाश पोस्ट के नजदीक तारबंदी के पास एक ड्रोन और पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ है। इसमें करीब डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मिली है। इसके बाद इस पूरे एरिया में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। अनूपगढ़ थाने के एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि करीब 9 बजे बीएसएफ से यह सूचना मिली। भारत-पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगाई गई तारबंदी के पास एक ड्रोन और एक पीले पैकेट में करीब डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मिली है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 7.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। ड्रोन और हेरोइन मिलने के बाद विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई है। बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त रूप से सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू कर दिया है।

मणिपुर में असम राइफल्स ने पकड़ा 5 करोड़ का मादक पदार्थ, ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इंफाल। असम राइफल्स ने मणिपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और लगभग 5 करोड़ की अवैध नशीली दवाएं जब्त कीं। असम राइफल्स के प्रवक्ता ने बताया कि तस्कर के पास से 50 साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखे गए हेरोइन के पैकेट बरामद किए गए, जिनका वजन 569.24 ग्राम था और बाजार मूल्य करीब 4 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, 49 पैकेटों में रखी गई एम्फेटामिन/मेथाम्फेटामिन गोलियां भी बरामद हुईं, जिनकी कीमत लगभग एक करोड़ बताई गई है। असम राइफल्स ने इस कार्रवाई को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अंजाम दिया। पकड़े गए आरोपित को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न विकासशील देशों के 19 विद्यार्थियों को डिप्लोमा

कोलकाता। भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता के अंतर्गत संचालित अंतराष्ट्रीय सांख्यिकी शिक्षा केंद्र (आईएसईसी) का 76वां दीक्षांत समारोह संस्थान परिसर में आयोजित किया गया। यह प्रतिष्ठित 10 माह का डिप्लोमा पाठ्यक्रम सांख्यिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित होता है, जिसमें विकासशील देशों के छात्र भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के सहयोग से संचालित होता है, जो जरूरतमंद और योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करते हैं। इस वर्ष बुरुंडी, फिजी, मॉरीशस, मंगोलिया, म्यांमार, नाइजीरिया, नाइजर, सिएरा लियोन, दक्षिण सूडान, तंजानिया, युगांडा, वेनेजुएला और जिम्बाब्वे जैसे देशों से कुल 19 छात्रों ने इस डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनमें से 18 छात्रों ने समारोह में भाग लिया और डिप्लोमा ग्रहण किया। समारोह की शुरुआत आईएसआई क्लब के सदस्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई।

मप्र के ग्वालियर हाई कोर्ट में डॉ. आम्बेडकर की मूर्ति लगाने के विवाद में अब मायावती की एंट्री

ग्वालियर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मामले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की भी एन्ट्री हो गई है। उन्होंने मामले में राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मांग की है कि सभी बाधाओं को दूर कर तत्काल उच्च न्यायालय परिसर में डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित कराई जाए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट खण्डपीठ ग्वालियर में अधिवक्ताओं की माँग व उन्हीं के आर्थिक सहयोग से बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा लगाने की अनुमति कोर्ट द्वारा दी गई।

डीआईजी राज कुमार नेगी को अमित शाह ने पुलिस पदक से किया सम्मानित

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन और डीआईजी राज कुमार नेगी को सराहनीय सेवाओं के लिए नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। बीएसएफ से उत्तराखंड पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर आए राजकुमार नेगी मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे उत्तराखण्ड में पुलिस प्रशिक्षण की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने नेगी को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। राज कुमार नेगी वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के

दौरान कालीमठ घाटी में राहत, बचाव व पुनर्निर्माण कार्यों में बीएसएफ की टीम का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में बीएसएफ ने आपदा प्रभावित कालीमठ घाटी के 22 गांवों को गोद लेकर राहत, बचाव एवं पुनर्निर्माण में योगदान दिया। कारगिल युद्ध के दौरान उन्हें ऑपरेशन विजय स्टार मेडल से भी सम्मानित किया गया। वे संयुक्त राष्ट्र संघ के यूनाइटेड नेशन मिशन इन कोसोवो में भी रहे और इस दौरान उन्हें संयुक्त राष्ट्र पुलिस पदक से भी नवाजा गया।

डोईवाला स्थित अंतरराष्ट्रीय बीएसएफ साहसिक खेल प्रशिक्षण संस्थान को बनाने व विकसित करने में भी कमांडेंट के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेगी ने कहा कि यह सम्मान उनके जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है और इससे उन्हें निरंतर जीवन में बेहतर करने की प्रेरणा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनके पिता डॉ. जेएस नेगी तथा माता डॉ. पार्वती नेगी ने उन्हें फोर्स में शामिल होने के लिए प्रेरित किया और आज उनकी प्रेरणा व उनके निरंतर मार्गदर्शन से यह उपलब्धि उन्हें प्राप्त हुई है।

नक्सलियों के सामने मुठभेड़ में मारे जाने या आत्मसमर्पण का ही बचा है विकल्प : पूर्व पुलिस महानिदेशक

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व पुलिस महानिदेशक और बस्तर में अपनी सेवाएं दे चुके आरके विज का कहना है कि लगातार बड़े कैडर के नक्सलियों के मारे जाने के साथ ही शीर्ष नक्सल लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू के मारे जाने से नक्सली संगठन का मनोबल टूटा है। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ से लेकर कर्रेगुट्टा तक नक्सलियों के गढ़ में अब सुरक्षा बल हावी है। इसके बाद अब बचे हुए नक्सलियों के सामने मुठभेड़ में मारे जाने या आत्मसमर्पण का ही विकल्प बच गया है। पूर्व पुलिस महानिदेशक विज का कहना है कि छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिले के सीमा पर अबूझमाड़ के गोटेर मुठभेड़ में 10 करोड़ (अन्य राज्यों की इनामी राशि भी शामिल) के इनामी नक्सल संगठन के महासचिव और शीर्ष नक्सली लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू नक्सली संगठन में वैचारिक और केंद्रीय सैन्य प्रमुख था। इसके मारे जाने के बाद अब बचे हुए नक्सलियों के सामने मुठभेड़ में मारे जाने या आत्मसमर्पण का ही विकल्प रह गया है। सुरक्षाबल की ओर से जारी आक्रामक अभियान के बाद नक्सली भले ही आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, लेकिन पिछले डेढ़ वर्ष से छत्तीसगढ़ में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के बाद वे यह समझ चुके हैं कि यह लड़ाई वे कभी जीत नहीं सकते हैं। वहीं दूसरी ओर खुफिया सूत्रों के अनुसार नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू के मारे जाने के बाद अब नक्सली संगठन के महासचिव पद के लिए थिप्परी तिरुपति उर्फ देवूजी एवं मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू उर्फ भूपति का नाम सामने आ रहा है। इसमें से तिरुपति उर्फ देवूजी नक्सल संगठन के केंद्रीय सशस्त्र सैन्य शाखा (सीएमसी) का प्रमुख है, जबकि वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति को पार्टी का वैचारिक प्रमुख माना जा रहा है।

आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा और इसमें ज्यादा दिन नहीं बचे हैं : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान हनुमानगढ़ी में श्रीहनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण किया। इस मौके पर योगी ने सनातन धर्म को भारत के अस्तित्व और वजूद का आधार बताते हुए कहा कि इसके सम्मान और गरिमा के खिलाफ कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं और संतों से आह्वान किया कि वे अपने योद्धा भाव को बनाए रखें और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने पाकिस्तान के प्रायोजित आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत छेड़ता नहीं है और कोई छेड़े तो उसे छोड़ता भी नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने हनुमानजी का उदाहरण देते हुए कहा कि बजरंगबली ने रावण के दरबार में यही संदेश दिया था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद को बर्बाद कर रहा है। भारतीय सेना की कार्रवाई में 124 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। यह गलती पाकिस्तान की है, जो आतंकियों को प्रश्रय दे रहा है। ये आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा और इसमें ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। जिसका अपना वास्तविक अस्तित्व न हो, उसकी एक निश्चित लाइफ होती है। अब पाकिस्तान का समय पूरा हो गया है। उसके अंत की शुरुआत हो चुकी है और आतंकवाद ही उसके अंत का कारण बनेगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में

अयोध्या को अव्यवस्थाओं में झोंककर इसे अपमानित करने का कार्य किया गया। वहीं 2014 और 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास डबल स्पीड से हुआ है। योगी ने कहा कि देश को सनातन धर्म के मार्ग में बाधा डालने वालों को चिह्नित करना होगा। सनातन धर्म भारत के अस्तित्व की पहचान है और इसकी गरिमा और सम्मान के विरुद्ध हमें कुछ भी स्वीकार नहीं है।

त्रेतायुगीन विरासत और सनातन धर्म का रक्षक है हनुमानगढ़ी

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत हनुमानगढ़ी के त्रेतायुगीन टीले को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि यहां से हनुमानजी महाराज ने अयोध्या धाम की रक्षा की है। उन्होंने बाबा अभयराम दासजी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह श्रीहनुमत कथा मंडपम बाबा अभयराम दासजी की दूरदर्शिता और वैष्णव अखाड़ों की सनातन परंपरा का जीवंत प्रतीक है। उनकी कृपा से आज हम इस भव्य स्वरूप को देख रहे हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन, पूज्य संतों और नागाओं की प्रशंसा की, जिन्होंने एक-एक पाई बचाकर इस मंडपम का निर्माण किया।

मप्र के मंत्री विजय शाह ने तीसरी बार मांगी माफी, बोले- ये मेरी भाषाई भूल थी, हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं

एजेंसी

भोपाल। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने तीसरी बार माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि 'ये मेरी भाषाई भूल थी। इसके लिए मैं बहन सोफिया कुरैशी और देशवासियों से माफी मांगता हूं। मंत्री विजय शाह ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि किसी को ठेस पहुंचाना मेरा उद्देश्य नहीं था। भूल वश कहे शब्दों के लिए फिर से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। दरअसल, मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। उनकी टिप्पणी के बाद मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मंत्री शाह ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को नामंजूर कर उनके बयान को लेकर एसआईटी गठित कर जांच के आदेश दे दिए है। जिसके बाद तीन सदस्यीय एसआईटी मामले की जांच में जुटी है। एसआईटी को 28 मई तक सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

एसआइटी की जांच के बीच मंत्री विजय शाह ने पत्र, वीडियो और ऑडियो संदेश जारी कर माफी मांगी है। उन्होंने बिना किसी को संबोधित करते हुए पत्र की शुरुआत 'जय हिंद'

से की है। अपने लैटर हेड पर जारी पत्र में उन्होंने लिखा है कि पिछले दिनों पहलगाम में हुए जघन्य हत्याकांड से मैं मन से बहुत विचलित और दुखी हूं। मेरा राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम और भारतीय सेना के प्रति आदर एवं सम्मान हमेशा से रहा है। मेरे द्वारा कहे गए शब्दों से समुदाय, धर्म और देशवासियों को दुख पहुंचा है, यह मेरी भाषाई भूल थी।

इंदौर में फिर मिले कोरोना के दो नए मरीज, घर पर ही किया आइसोलेट

एजेंसी

इंदौर। इंदौर में कोरोना के फिर दो नए मरीज मिले हैं। दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें घर पर आइसोलेट किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है। इनमें से एक की केरल की ट्रैवल हिस्ट्री भी मिली है।

इन्हें मिलाकर शहर में इस साल अब तक कोरोना के पांच मरीज मिल चुके हैं। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. बीएस सैत्या ने बताया कि दोनों नए मरीज 30 और 35 वर्ष के युवक हैं। उन्हें कोई गंभीर लक्षण नहीं हैं। दोनों को बुखार, सर्दी, खांसी की शिकायत के बाद प्राइवेट लैब में जांच कराई थी। इसमें पता चला कि दोनों कोरोना पॉजिटिव हैं। इनके फिर से एक बार सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जाएंगे। इनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है और उनके सैंपल लिए जाएंगे।

इसके पूर्व अप्रैल में कोरोना के दो मरीज मिले थे। इनमें एक युवक था, जबकि दूसरी बुजुर्ग महिला थी। दोनों को एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। दोनों को अलग-अलग बीमारियां भी थी। इनमें से महिला की किडनी और बीमारियों के चलते मौत हो गई थी। इसके अलावा एक अन्य पॉजिटिव मरीज मिला था। इस तरह इस साल अब तक कोरोना पॉजिटिव के 5 मरीज मिले हैं।

सुदूरवर्ती इलाकों के 38 बच्चों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में बाजी मारी

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय सेना की गजराज कोर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि संकल्प, मार्गदर्शन और अवसर एक साथ मिलते हैं, तो किसी भी क्षेत्र के बच्चे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग ज़िले के सुदूरवर्ती जंग और दिरांग क्षेत्रों से 44 छात्रों में से 38 ने अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त की है। कोलकाता स्थित सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजयदुर्ग की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि यह उपलब्धि जुलाई 2024 से अप्रैल 2025 तक चले गजराज कोर के

निःशुल्क और प्रभावी कोचिंग कार्यक्रम के माध्यम से हासिल हो सकी। इस पहल का उद्देश्य दुरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देना और उनमें वह आत्मविश्वास पैदा करना था, जो उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में सफल बना सके। सेना के प्रशिक्षकों ने न केवल विषयगत पढ़ाई कराई, बल्कि बच्चों में अनुशासन, लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता और मानसिक मजबूती भी विकसित की। सेना के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि ये होनहार बच्चे भारत का भविष्य हैं और इनकी सफलता दर्शाती है कि यदि उचित सहयोग मिले, तो देश के सबसे दूरस्थ कोने भी उजाले से भर सकते हैं। गजराज कोर का यह अभिनव प्रयास शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है। सेना ने इन सफल विद्यार्थियों और उनके परिवारों को बधाई दी है और यह भरोसा दिलाया है कि ऐसे प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे।

राधाकुंड में साधु भेषधारी महिला के पास मिला मेड इन पाकिस्तान पंखा, विरोध के बाद पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

मथुरा। गोवर्धन में साधु भेषधारी एक महिला के पास एक मेड इन पाकिस्तान का पंखा होने की फोटो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर मामले की जांच मांग पुलिस से की है। नगर पंचायत के भाजपा सभासद भोला दुबे और भुवनेश शर्मा ने भी एसएसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि थाना गोवर्धन इलाके की राधा कुंड चौकी के समीप परिक्रमा मार्ग क्षेत्र में स्थित एक दुकान पर एक साधुभेषधारी महिला एक इलैक्ट्रिक पंखा ठीक करवाने पहुंची। दुकान के मिस्त्री ने जब उस पंखा को खोला तो अंदर उस पर मेड इन पाकिस्तान लिखा देकर उसके होश उड़ गए। मिस्त्री ने उस पंखे के उस हिस्से की फोटो खींच सोशलमीडिया पर वायरल कर दी।फोटो के वायरल होते ही स्थानीय

लोगों में आक्रोश पनप गया है। राधाकुंड मार्ग पर तमाम लोग एकत्र होकर नारेबाजी कर अवैधानिक रूप से रह रहे साधुओं की जांच कराने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि इनमें कुछ बांग्लादेशी भी हो सकते हैं। प्रदर्शनकारी अपने हाथों में बांग्लादेशी नागरिकों के उपयोग किए जा रहे मेड इन पाकिस्तान लिखे उपकरणों के फोटोग्राफ लिए थे। नगर पंचायत के भाजपा सभासद भोला दुबे और भुवनेश शर्मा ने बताया कि राधाकुण्ड में लंबे समय से साधु भेष में बांग्लादेशी छिपे हुए हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई की होनी चाहिए। उनका कहना है कि बीते दिनों मथुरा के नौहझील ईंट भट्टे से लोकल खुफिया एजेंसी एलआईयू ने 90 बांग्लादेशी नागरिकों को चिन्हित किया और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई हुई। उसी तर्ज पर अब राधा कुंड में भी कार्रवाई होनी चाहिए। नगर पंचायत के भाजपा सभासद भोला दुबे और भुवनेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने एसएसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस फोटो शेयर करने वाले दुकानदार से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में गोवर्धन थानाध्यक्ष ने बताया कि यह पंखा 1978 से भी पुराना प्रतीत हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 87.50 लाख के 20 इनामी सहित 24 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के गोटेर मुठभेड़ में नक्सली संगठन के महासचिव और शीर्ष नक्सली लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू सहित 27 नक्सलियों के मारे जाने के बाद 24 सक्रिय इनामी नक्सली संगठन छोड़कर बीजापुर में आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें दो महिला सहित 20 इनामी नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों में दो महला नक्सली सहित पीएलजीए कंपनी नम्बर 2 के सीवायपीसी (डिप्टी कमांडर) राकेश, पीएलजीए बटालियन नम्बर-1 के सदस्य, माड़ डिवीजन कंपनी नम्बर-7 के पीपीसीएम, एसीएम/पीपीसीएम, कंपनी नम्बर-2 पार्टी सदस्य, सीएनएम अध्यक्ष, केएमएस अध्यक्ष, कालाहांडी-कंधमाल-बलांगिर -नुआपाड़ा डिवीजन के सदस्य, एलओएस कमांडर, सीएनएम सदस्य 87.50 लाख रूपये के 20 इनामी सहित

कुल 24 नक्सली शामिल हैं।सभी नक्सली आज एसपी कार्यालय बीजापुर पहुंचकर बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव एवं कमांडेंट 85 बटालियन केरिपु सुनिल कुमार राही सहित अन्य के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत प्रोत्साहन स्वरूप 50-50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। आत्मसमर्पित नक्सलियों में हनुमंत राव अंगनपल्ली ऊर्फ पाण्डू ऊर्फ राकेश (42 वर्ष) निवासी तमलापल्ली निर्मलगुड़ापारा थाना मद्देड़ जिला बीजापुर, पदनाम-कंपनी नम्बर 2 सीवायपीसी, 10 लाख रुपये की इनामी, वर्ष 1997 से सक्रिय। महिला नक्सली मंगली कोरसा ऊर्फ जैनी (37 वर्ष) निवासी मनकेली पटेलपारा, थाना बीजापुर जिला बीजापुर, पदनाम-कंपनी नम्बर 2 पीपीसीएम, 8 लाख रूपये की इनामी, वर्ष 2003 से सक्रिय। संपत पूनेम ऊर्फ सुकलु (35 वर्ष) निवासी पुसनार ध्रुवपारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर, पदनाम-माड़ डिवीजन कंपनी नम्बर 7 पीपीसीएम, 8 लाख रूपये का इनामी, वर्ष 2007 से सक्रिय। महिला नक्सली लक्ष्मी पूनेम (30 वर्ष) निवासी चिन्नागेलूर थाना तर्रेम जिला बीजापुर, पदनाम-माड़ डिवीजन कंपनी नम्बर 7 पीपीसीएम, 8 लाख रूपये की इनामी, वर्ष 2011 से सक्रिय।

भ्रष्टाचार के आरोप में आआपा विधायक गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के जालंधर रेंज कार्यालय ने जालंधर (केंद्रीय) के आम आदमी पार्टी (आआपा) से विधायक रमन अरोड़ा को जालंधर नगर निगम के कर्मचारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि 14 मई 2025 को इंजीनियर्स एंड बिल्डिंग डिजाइनर एसोसिएशन, जालंधर के तीन पदाधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित एक संयुक्त शिकायत ब्यूरो को प्राप्त हुई, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि सहायक टाउन प्लानर (ए.टी.पी.), नगर निगम, जालंधर सुखदेव वशिष्ठ उनसे अवैध रिश्वत की मांग करता है। शिकायत में कहा गया कि जब भी वह अपने अधिकार क्षेत्र में दौरा करता है, तो वह लोगों को उनकी इमारतों को सील करने और ध्वस्त करने संबंधी धमकी देता है। शिकायत में यह भी आरोप है कि उसके पास बहुत सारी फाइलें लंबित हैं जबकि इन फाइलों को नगर निगम (एम.सी.) के अन्य विंगों द्वारा मंजूरी दे दी गई है।प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की जांच के उपरांत विजिलेंस ब्यूरो जालंधर रेंज ने इंजीनियर्स एंड बिल्डिंग डिजाइनर एसोसिएशन, जालंधर के अध्यक्ष इंजीनियर सुनील कटियाल की शिकायत पर उक्त सुखदेव वशिष्ठ, एटीपी को 14 मई को गिरफ्तार कर लिया था और जांच आगे चल रही थी जिसके दौरान यह सामने आया कि आरोपित सुखदेव वशिष्ठ पठानकोट में सीनियर ड्राफ्टसमैन के रैंक पर तैनात था, लेकिन उसके पास एटीपी जालंधर, एम.सी. का अतिरिक्त चार्ज भी था। आरोपित अप्रैल 2022 से अब तक थोड़े-थोड़े समय के लिए लगातार जालंधर में तैनात रहा।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीद करनाल के विनय नरवाल के आश्रितों को असम सरकार ने दी पांच लाख की मदद

एजेंसी

चंडीगढ़। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के बर्बर आक्रमण में वीरगति को प्राप्त भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के हरियाणा स्थित आवास पर पहुंचकर असम सरकार के राजस्व एवं आपदा मंत्री केशव महंत ने असम सरकार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को आतंकवादियों के बर्बर हमले में प्राण गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए असम सरकार के निर्णय के तहत मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के प्रतिनिधि के रूप में राजस्व मंत्री महंत ने हरियाणा के

करनाल स्थित नरवाल के आवास पर पहुंचकर शोकसंतप्त परिवार के प्रति असम सरकार की ओर से संवेदना प्रकट की। राजस्व मंत्री ने शहीद के पिता राजेश नरवाल, काका हावा सिंह, माता आशा नरवाल और बहन सृष्टि नरवाल से मुलाकात की। उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का विशेष शोक पत्र और शहीद के परिवार को पांच लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में पहलगाम आतंकवादी हमले के शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने तथा असम की जनता की ओर से प्रत्येक को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का असम सरकार के कैबिनेट ने निर्णय लिया था। उक्त निर्णय के अनुसार मुख्यमंत्री ने राज्य मंत्रिमंडल के एक सदस्य को प्रत्येक शहीद के घर जाकर मुख्यमंत्री की ओर से उनके परिवारों को श्रद्धांजलि देने, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करने तथा वित्तीय सहायता के चेक जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री केशव महंत आज करनाल पहुंचे। शहीद लेफ्टिनेंट नरवाल के पिता राजेश नरवाल और काका हावा नरवाल को मंत्री महंत ने असमिया गामोछा देकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर असम सरकार के मीन और आबकारी विभाग के आयुक्त सचिव राकेश कुमार और करनाल सदर महकमा के मजिस्ट्रेट अनुभव मेहता आदि उपस्थित थे।

खाना बनाना पहली पसंद...

यहाँ स्त्री-पुरुष का भेद भी नहीं है; स्त्री हो या पुरुष कई सेलिब्रिटीज का चुनाव चिह्न (!) अब बेलन है। पाककला के अड्डे में कई बड़े-बड़े उतर आए हैं। चलिए आज मिलते हैं ऐसी ही कुछ सेलिब्रिटीज से, जिनकी 'भाषा लजीज' और 'खाना बौद्धिक' है; और इसमें कुछ भी उल्टा-पुल्टा नहीं है, सब सीधा-सीदा है। खाना बनाना आखिर कोई कम दिमाग का काम थोड़े ही है !

एक समय था जब कुकिंग को केवल घरेलू कार्य ही माना जाता था। कार्य विभाजन के चलते रसोईघर स्त्रियों को ही सौंपा जाता था खासकर घरेलू स्त्रियों को। हालाँकि मोटे तौर पर यह आज भी सत्य है, पर इस बीच एक और सत्य खंगाल लिया गया है कि कुकिंग एक ऐसी कला है जिसके गुणग्राहक लगभग सभी हैं। 'अच्छा भोजन' हर किसी को अच्छा लगता है। यह सत्य अन्वेषित करते ही कई बड़े-बड़े 'कलाकार' कुकिंग के क्षेत्र में उतर आए हैं।

अच्छा भोजन पकाना अब न बोरिंग कहलाता है, न घरेलू कहकर सीमित किया जाता है बल्कि इसे एक अंतरराष्ट्रीय कला विधा का दर्जा प्राप्त हो गया है। इसके चलते कई कलमकारों ने कलम के साथ ही खुर्ची ले ली है। रंग व ब्रश वाले हाथ गरम तवे पर छौंटे डालते नजर आते हैं, तो कहीं बुद्धिजीवी कहलाने वाले चिंतक, पत्रकारों, सोशलाइट्स ने भी बावर्ची की टोपी पहन ली है।

पद्मालक्ष्मी की गिनती विश्व की दिग्गज सुपर मॉडलों में होती है। एक छात्रा रहते ही मॉडल के रूप में कोई 2 लाख रुपए प्रतिदिन कमाने वाली पद्मालक्ष्मी हमेशा एक अत्याधुनिक, फैशनेबल महिला के रूप में जानी जाती रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में भी उनका दखल है। एक ऐसी जगह है,जहाँ ऐसी 'हाई लाइफ' जीने वाली महिला को पाने की उम्मीद प्रायः आप और हम नहीं करते। वह है रसोईघर... लेकिन यह क्या ! पद्मालक्ष्मी तो यहाँ भी मौजूद हैं ! वे न सिर्फ खाना पकाती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खान-पान विशेषज्ञ के रूप में ख्याति पा चुकी हैं। कुकिंगसंबंधी अनेक टीवी शोज कर चुकीं पद्मालक्ष्मी 1999 में लेखिका भी बनीं, जब उन्होंने मॉडल्स के खान-पान पर केंद्रित पुस्तक 'इजी एक्जोटिक' लिखी और अपनी इस पहली ही पुस्तक के लिए पुरस्कृत भी हुईं। दरअसल एक पार्टी में एक प्रकाशक हार्वे वाइनस्टीन ने पद्मालक्ष्मी को आम लोगों की ही तरह खाते हुए देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि आम तौर पर यही देखा गया है कि मॉडल्स अपना फिगर मैंटेन करने की खातिर भुखमरी की कगार तक चली जाती हैं। उन्होंने पद्मा से मॉडल्स की खुराक पर केंद्रित किताब लिखने को कहा। इस पर पद्मा ने विभिन्न देशों के कम वसायुक्त पकवानों की 30 विधियों की किताब तैयार कर डाली। इन दिनों वे अपनी दूसरी किताब लिखने में व्यस्त हैं।

एक समय था जब कुकिंग 'साधारण गृहिणियों' के एकाधिकार वाला 'बोरिंग' काम माना जाता था। उच्च शिक्षित, आधुनिक करियर वीमेन का इससे छत्तीस का आँकड़ा होना एक सामान्य बात समझी जाती थी। पुरुषों का इसमें दखल होना तो खैर, दुनिया का आठवाँ अजूबा ही माना जाता था (बशर्ते वे पेशेवर शेफ न हों) ! मगर आज स्थितियाँ बदल गई हैं। देश-विदेश में अपने-अपने क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियाँ (स्त्री एवं पुरुष दोनों) शौक की खातिर अथवा वैकल्पिक व्यवसाय के तौर पर रसोईघर की ओर रुख कर रही हैं। स्वयं विभिन्न प्रांतों व देशों के पकवान पकाने के अलावा वे टीवी पर कुकरी शो प्रस्तुत करते हैं, पाक विधा पर किताबें लिखते हैं, देश-दुनिया के पंच सितारा रेस्तराँओं से लेकर सड़क किनारे के ढाबों में जाकर वहाँ के व्यंजन चखकर उन पर अपनी राय देते हैं तथा लोगों को सलाह देते हैं कि क्या खाएँ, कहाँ खाएँ, कैसे खाएँ आदि। ऐसे सेलेब्रिटी पा कला विशेषज्ञों की लंबी फेहरिस्त बन सकती है। उदाहरण के लिए, मधु जाफरी हमेशा अभिनेत्री बनना चाहती थीं। वे स्कॉलरशिप पाकर एक्टिं सीखने इंग्लैंड गईं और अभिनेत्री बन भी गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्या प्राप्त कुछ फिल्मों में उन्होंने काम किया। फिर जब अभिनेता सईद जाफरी उनका तलाक हो गया तो उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ आया। उनके ऊप तीन बच्चों के लालन-पालन का जिम्मा था और अभिनय से पर्याप्त आय नहीं रही थी। मधुर ने अनेक छुट-पुट काम किए, जिनमें संयुक्त राष्ट्रसंघ गाइड का काम भी शामिल था। वे पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों पर लेख लिखने लगीं। इनमें पाक कला पर लिखे लेख इतने पसंद किए गए कि उन इसी विषय पर और लिखने के लिए कहा जाने लगा। देखते ही देखते उनव ख्याति अभिनेत्री से भी ज्यादा कुकरी विशेषज्ञ के रूप में स्थापित हो गई पत्र-पत्रिकाओं में उनके स्तंभ छपने लगे, किताबें छपीं, टीवी पर अने सफल शोज आए। भारतीय खान-पान को ब्रिटेन-अमेरिका में लोकप्रि बनाने में मधुर जाफरी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

रश्मि उदय सिंह ने पत्रकारिता की उपाधि प्राप्त की थी, लेकिन फि सिविल सर्विसेज परीक्षा में बैठीं और भारतीय राजस्व सेवा में चुन ली गई 13 वर्ष तक उन्होंने आयकर विभाग में नौकरी की। इसके साथ ही लेखन शौक को बरकरार रखते हुए वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लिखती रहीं अस्सी के दशक में उन्होंने जेआरडी टाटा, एमएफ हुसैन, रूसी करंजि और देव आनंद जैसे चिर युवाओं पर एक लेख लिखा। इसके लिए वे इ सभी युवाओं से मिलीं। इन सबमें जो एक समान बात उन्होंने पाई, वह य कि वे अपने काम में पूरा रस लेते थे और इसी से ऊर्जा प्राप्त करते थे। इ मुलाकातों ने रश्मि के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। वे इन चिर युवाओं जीवन दर्शन पर करीब दो साल तक सोचती रहीं। अंततः उन्होंने तय कि कि वे अपना शेष जीवन ऐसा काम करते हुए बिताना चाहेंगी जिसे तहेदिल से करना चाहती हों। उन्होंने आयकर उपायुक्त पद पर रहते हु नौकरी छोड़ दी और लेखन पर ध्यान केंद्रित कर दिया। वैसे तो वे कई विष पर लिखती थीं, लेकिन मुख्यतः उनका विषय रेस्तराँ और भोजन ही होत जब एक अखबार में उनका स्तंभ शुरू हुआ तो फिर रश्मि ने पीछे मुड़ नहीं देखा। आज वे एक दिग्गज कुकरी विशेषज्ञ के रूप में सुविख्यात हैं।

कुणाल विजयकर यूँ तो रंगमंच, फिल्मों एवं टीवी पर अभिनेता के रू में नाम कमा चुके हैं। वे विज्ञापन जगत से भी संबंध रखते हैं और पेंटिंग भी उनका ताल्लुक है, लेकिन इन दिनों वे खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका खासे चर्चित हो रहे हैं। अपने टीवी शो में वे देशके कोने-कोने में जाकर व के खास व्यंजनों की पड़ताल करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय राजनीति और समाज जुड़े प्रायः हर विषय पर लिखते हैं, लेकिन एक विषय जिस पर उनका लेख अपनी अलग ही छाप छोड़ता है, वह है खान-पान। वे इस पर नियमित स्तं भी लिखते हैं और किताब भी लिख चुके हैं, साथ ही टीवी पर भीशो कर हैं।

विनोद दुआ टीवी पर एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। भ्रष्टाचारियों व खबर लेना हो या फिर चुनाव विश्लेषण करना हो, विनोद दुआ के काय दर्शक हमेशा रहे हैं। अब वे एक खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका में नियमि रूप से टीवी पर नजर आ रहे हैं। वे प्रसिद्ध 'खाऊ' ठिकानों पर जाकर व की खास डिशेज का रसास्वादन करते हैं और उनकी खूबियों के बारे दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

खान-पान के क्षेत्र में इन लीक से हटकर हस्तियों के आने से ए महत्वपूर्ण बात यह सामने आई है कि खाने में पोषक तत्वों, कैलोरीज व मात्रा, पकाने की स्वास्थ्यवर्द्धक विधि आदि पर विशेष ध्यान दिया जा लगा है। चूँकि कुछेक अपवादों को छोड़कर ये विशेषज्ञ न्यूट्रीशन आ विषयों पर काफी कुछ पढ़ चुके हैं और अमूमन पाक कला के वैज्ञानिक प को भी बेहतर तरीके से समझते हैं, अतः उनके द्वारा बताई जाने वाल विधियों में यह वैज्ञानिक पहलू स्पष्ट झलकता है। वे स्वाद पर ही नहीं जा बल्कि पौष्टिकता और स्वास्थ्य की तराजूपर भी पकवानों को तौलते है इससे इनके पाठकों-दर्शकों का भला होता है। मनपसंद काम में रमने वैकल्पिक करियर उपलब्ध होने से इन सेलेब्रिटीज का भी भला होता है यानी दोनों ही पक्षों के हाथों में लड्डू !

शादी को यादगार बनाना हुआ दूभर

एजेंसी. न्यूयॉर्क

शादी के मौके पर फोटोग्राफर कीअहमियत सभी जानते हैं। यदि फोटोग्राफर ही न हो तो शादी के उन हसीन पलों को कैद करके रखना संभव नहीं है।

न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और पेनिसिलवेनिया के दर्जनोंजोड़ों के सामने एक नई समस्या खड़ी होगई है। यहां के फोटोग्राफरों ने बिना किसी चेतावनी के अपने स्टूडियो में ताले जड़ दिए हैं।

इस कारण यहां पर नई-नई शादी रचाने वाले युगलों कोकाफी परेशानी हो रही है। हाल ही में विवाह-सूत्र में बंधी किर्स्टन साउथॉफ का कहना है कि उनके पास पति का कोई भी फोटो नहीं है।

शादी वाले दिन कोईफोटोग्राफर नहीं मिला, जिसके कारण वे अपने यादगार दिन की कोई याद नहीं रख पाईं।

विशेषज्ञों के अनुसार शादी के लिए किसी फोटोग्राफर को लेने से पहले सारी जानकारियां एकत्रित कर लें। अपना पर्सनल कैमरा रखें तो और भी बेहतर है।

परिवार का खर्च चलाने में महिलाएँ माहिर

बेशक महिलाएँ ठाट-बाट और कीमती पोशाक की शौकीन होती हैं लेकिन वह घर का खर्चा पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से चला सकती हैं। घर के खर्चा-पानी का प्रबंधन महिलाएँ पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं यह बात एक अध्ययन में सामने आई है।

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि महिलाएँ घर का बजट ठीक ढंग से चलाती हैं, घर के फालतू खर्चों पर रोक लगा सकती हैं। महिलाओं के विपरीत पुरुष फालतू खर्चों पर रोक नहीं लगा सकते।

वह आर्थिक उधारी जैसे डेबिट कार्ड या बिल चुकाने में लेट- सवेर करते हैं और कभी-कभी तो उसे पूरी तरह नजरअंदाज ही कर देते हैं। पुरुष निवेश में विश्वास नहीं करते वह साल में कम से कम भुगतान करना पसंद करते हैं।

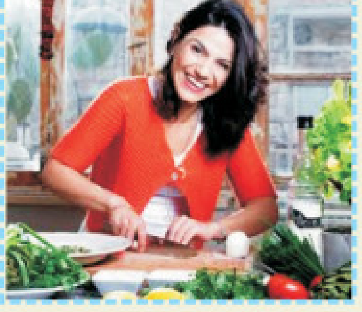

हालाँकि महिलाओं के बारे में हमेशा से माना जाता है कि वे बहुत खर्चीली होती हैं सजने- सँवरने,कपड़ों व जूतों पर ज्यादा पैसा खर्च करती हैं।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक इडी बोशर ऑफ लवली मनी डॉट कॉम ने अध्ययन में पाया कि पुरुष हमेशा यह सोचते रहते हैं कि वह घर का खर्चा-पानी चलाने में अपनी प्रतिष्ठा कैसे बचा सकते हैं जबकि महिलाएँ हमेशा यही सोचती रहती हैं कि उन्हें घर का खर्चा सही बजट के हिसाब से चलाना है।

3,000 ब्रिटेन के लोगों पर अध्ययन किया गया जिसमें आदमियों ने 2176 पाउंड का ऋण देना भूल गए जबकि 1987 पाउंड का ऋण सही समय पर चुका दिया।

वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

महिलाओं का वार्डरोब

आधुनिक पढ़ी-लिखी स्त्री खाली घर बैठकर घर संभालना पसंद नहीं करती। घर से बाहर निकलने पर स्त्री आत्मविश्वासी, समय की पाबंद और स्मार्ट होती है। बाहर निकलने पर भिन्न-भिन्न कपड़ों की भी आवश्यकता रहती है। प्रतिदिन वह अपने वार्डरोब को सही रूप नहीं दे सकती इसलिए उसे चाहिए कि वह अपना वार्डरोब अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों से तैयार रखे जिससे सुबह उसे समय नष्ट किए बिना अपनी जरूरत अनुसार कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें।

ऑफिसवियर: कामकाजी महिला को प्रतिदिन दफ्तर जाने के लिए जिन वस्त्रों की आवश्यकता हो, उन्हें एक शैल्फ में इस प्रकार लगा कर रखें कि सुबह बिना रुकावट के अपनी पसंद के कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें। ऑफिस हेतु आरामदेय वस्त्र ही पहनें, जो काम करते समय किसी प्रकार की रुकावट पैदा न करें। कपड़े ऐसे पहनें जो साथियों के बीच हंसी का पात्र न बन सकें। साड़ी पहनते समय पल्लू को ढंग से बांध कर रखें। ब्लाऊज और सूट के गले अधिक गहरे न रखें। सूट पहनते समय चुन्नी सही रूप से लें।

समारोहों पर पहनने वाले वस्त्र: इन कपड़ों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले वस्त्रों से अलग रखें। इन्हें हमेशा प्रैस करवा कर या चर्ख चढ़वा कर हैंगर में लटकाएं और कवर से ढंक कर रखें। जब भी समारोह पर वस्त्र पहनेंगे, प्रफुल्लता का एहसास होगा।

रात्रि में पहनने वाले वस्त्र: रात में ऐसे कपड़े पहनें जो नर्म और आकर्षक हों। नॉयलोन मिश्रित कपड़े त्वचा पर रैश पैदा कर सकते हैं। अधिक लेसदार नाइट वियर न पहनें। कपड़े वही पहनें जो त्वचा के लिए आरामदायक हों। रात को कभी सख्त और कसे हुए वस्त्र न पहनें। शरीर को रात्रि में पूरा आराम मिलना आवश्यक है। रात्रि के वस्त्रों का शैल्फ अलग रखें जो अन्य कपड़ों में मिक्स न हों।

वस्त्रों का चयन: वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

मेल खाते आभूषण: प्रतिदिन ऑफिस जाते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी, सूट के साथ मेल खाते गहने भी पहनें। जरूरी नहीं कि सोने के आभूषण बदल-बदल कर पहनें। आप मोतियों के, नगों के, नकली, चांदी के आभूषण ड्रैस के अनुसार पहनें। इन आभूषणों को भी अपने वार्डरोब में उचित स्थान दें जिससे सुबह आपको ढूंढने हेतु समय नष्ट न करना पड़े।

मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने दूसरे शॉटगन राष्ट्रीय ट्रायल्स में हासिल किया शीर्ष स्थान

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपियन मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की स्कीट स्पर्धा के फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल किया। मेराज ने फाइनल में 55 का स्कोर करते हुए पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके अनंतजीत सिंह नरूका को एक अंक से हराया, जिन्होंने 54 अंक बनाए। गनेमत ने भी एक अंक के अंतर से जीत दर्ज की, उन्होंने 53 का स्कोर किया जबकि महेश्वरी चौहान ने 52 अंक प्राप्त किए। पुरुष और महिला वर्ग में अंगद वीर सिंह बाजवा और परिनाज ढालीवाल ने क्रमशः तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन के अंतिम दो राउंड में भवतेग सिंह गिल ने 22 और 24 का स्कोर किया, जिससे उनका कुल स्कोर 73 से बढ़कर पहले स्थान के लिए पर्याप्त रहा। मेराज ने कुल 118 का स्कोर किया, जबकि स्मित सिंह (117), अंगद (116), और अनंतजीत (115) ने टॉप छह क्वालिफायर में जगह बनाई। महिला वर्ग में गनेमत ने क्वालिफिकेशन राउंड में 114 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। महेश्वरी और परिनाज ने 113-113 अंक प्राप्त किए। ओश्मी श्रीवास (108), दर्शना राठौड़ (107, SO-3), और मानसी रघुवंशी (107, SO-2) ने टॉप छह में जगह बनाई। जूनियर वर्ग के लिए अलग चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया गया था।

भारतीय सर्फिंग महासंघ ने की इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के छठे संस्करण की घोषणा

मंगलुरु। भारतीय सर्फिंग महासंघ (एसएफआई) ने इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (आईओएस) के छठे संस्करण की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता, जो नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा चरण है, 30 मई से 1 जून 2025 तक कर्नाटक के मंगलुरु स्थित ससिहित्लु बीच की खूबसूरत पृष्ठभूमि में आयोजित की जाएगी। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता की मेज़बानी मंत्रा सर्फ क्लब करेगा और इसका आयोजन सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। इंटरनेशनल सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष सर्फर चार श्रेणियों पुरुष ओपन, महिला ओपन, ग्रोम्स (अंडर-16) लड़के और ग्रोम्स (अंडर-16) लड़कियों में भाग लेंगे। आईओएस से पहले अप्रैल में आयोजित इंटरनेशनल सर्फिंग फेस्टिवल केरल वरकला 2025 इस सीरीज़ का पहला चरण था। आईओएस, राष्ट्रीय चैंपियनशिप की रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण अंक प्रदान करता है और भारत के पूर्वी व पश्चिमी तटीय राज्यों के सर्फरों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है।पिछले साल भारत ने पहली बार मल्टीस्पोर्ट इवेंट (एशियन गेम्स 2026) के लिए सर्फिंग में दो कोटा स्थान प्राप्त किए थे, जो मालदीव में आयोजित एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2024 में हासिल किए गए थे। इस वर्ष का आइओएस विशेष महत्व रखता है क्योंकि इससे एशियन सर्फ चैंपियनशिप (जो एशियन गेम्स के लिए क्वालिफायर है) के लिए रैंकिंग में सुधार का अवसर मिलेगा।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 का चेन्नई में 18 जून से होगा आगाज, 27 तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 (पुरुष एवं महिला वर्ग) के पहले संस्करण की तारीख और वेन्यू की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेज़बानी तमिलनाडु हॉकी यूनिट करेगी और मुकाबले चेन्नई में 18 जून से 27 जून 2025 तक खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी में एक नई शुरुआत है, जो अनुभवी और पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करता है। पुरुषों और महिलाओं, दोनों वर्गों में खेले जाने वाले इस आयोजन के ज़रिए यह दिखाया जाएगा कि उम्र चाहे जो भी हो, खेल के प्रति जुनून और समर्पण कभी खत्म नहीं होता। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पुरुष खिलाड़ियों की उम्र 40 वर्ष या उससे अधिक, जबकि महिला खिलाड़ियों की उम्र 35 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है। दोनों कैटेगरी में भाग लेने वाली टीमों के नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। खिलाड़ी अपनी-अपनी राज्य सदस्य इकाइयों के माध्यम से पंजीकरण कराकर इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में आयोजित होगी, जिसमें पूल का निर्धारण टीमों की अंतिम संख्या के आधार पर किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा ने इस आयोजन को लेकर खुशी जताई और कहा, पहले हॉकी इंडिया मास्टर्स कप का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बेहद भावुक और रोमांचक क्षण है।

इशान और कमिंस ने बिगाड़ा आरसीबी का खेल,हैदराबाद 42 रन से जीता

लखनऊ। विराट कोहली (43) और फिल साल्ट (62) की दमदार पारियां नवाबों के शहर लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के इशान किशन (94 नाबाद) और पैट कमिंस (28 रन पर तीन विकेट) के प्रदर्शन के आगे फीकी पड़ गयीं और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65 मैच में 42 रन की हार के साथ मायूस होकर अंकतालिका में तीसरी पायदान खिसकना पड़ा। अभिषेक शर्मा (34 रन) की तेज शुरुआत के बाद इशान किशन की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने छह विकेट पर 231 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में आरसीबी की पारी निर्धारित 20 ओवर में 189 रन पर सिमट गयी। आरसीबी की अब तक खेले गये 13 मैचों में यह चौथी हार है और वह 17 अंकों के साथ अंकतालिका में गुजरात जायंट्स और पंजाब किंग्स के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गयी है वहीं प्लेऑफ से पहले ही बाहर हो चुकी हैदराबाद की 13 मैचों में यह पांचवीं जीत है।

जिनेवा ओपन: जोकोविच 100वें एटीपी खिताब के एक कदम दूर, सेमीफाइनल में नॉरी को हराया

एजेंसी

जिनेवा। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कैमरन नॉरी को हराकर जिनेवा ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 100वें द्ध्ङ्घश्च्ब्द खिताब से महज एक कदम दूर पहुंच गए हैं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबले में ब्रिटेन के नॉरी को 6-4, 6-7 (6/8), 6-1 से हराया। पहला सेट जोकोविच ने सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में वह 5-2 से पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेक तक मुकाबला ले गए, लेकिन एक मैच पॉइंट गंवाकर सेट 6-7 से गंवा दिया। निर्णायक सेट में जोकोविच

पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने शुरुआती तीन गेम लगातार जीतते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः दूसरा मैच पॉइंट भुनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। अब फाइनल में जोकोविच का सामना पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज से होगा। अगर वह यह खिताब जीतते हैं, तो एटीपी टूर में 100 खिताब जीतने वाले जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के बाद तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। 38 वर्षीय जोकोविच का यह इस सीजन में पहला फाइनल है। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन उसके बाद से कोई खिताब नहीं जीता। यह टूर्नामेंट उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए चुना है। जोकोविच अब रविवार से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में उतरेंगे, जहां उनका पहला मुकाबला अमेरिका के मैकेंज़ी मैकडॉनल्ड से होगा। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चौथी बार खिताब जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना चाहेंगे।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के दौरान डोपिंग रोधी जागरुकता केंद्र बना दीव

एजेंसी

दीव। दीव में 19 मई से शुरू हुए खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 (केआईबीजी) के दौरान भारत की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) अपने काम को प्रभावी रूप से अंजाम दे रही है। नाडा की प्रमुख डोप नियंत्रण अधिकारी डॉ. उषा सुभाष निकुंभ अपने स्वयंसेवकों की टीम के साथ एथलीट्स के बीच डोपिंग के खिलाफ जागरूकता फैला रही हैं। वे हर खेल स्थल पर पहुंचीं और वहां पर उपस्थित खिलाड़ियों को हिंदी और अंग्रेजी में रंगीन जानकारीपूर्ण पर्चे वितरित किए, जिनमें डोपिंग से बचने के तरीके और नियमों की जानकारी दी गई थी डॉ. निकुंभ ने (भारतीय खेल प्राधिकरण) साई मीडिया को बताया कि उन्होंने यह पहल 2018 में शुरू की थी। इस अभियान का उद्देश्य एथलीट्स को यह बताना है कि वे स्वच्छ तरीके से कैसे प्रतिस्पर्धा करें और किन बातों का ध्यान रखें ताकि वे अनजाने में भी किसी डोपिंग उल्लंघन के शिकार न हों। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रीय चैंपियनशिप, अकादमियों, संस्थानों और हाल ही में संपन्न हुए बिहार के खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी इस तरह की जागरूकता गतिविधियों के साथ मौजूद थीं। उनके अनुसार, इस कार्यक्रम की वजह से अब खिलाड़ियों में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता है और डोपिंग उल्लंघनों के मामले भी घटे हैं। डॉ. उषा और उनकी टीम ने चार अलग-अलग तरह के पर्चे बांटे। एक पर्चे का नाम ऑल अबाउट वेयरअबाउट्स था, जिसमें रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आटीपी) में शामिल खिलाड़ियों को अपनी दैनिक गतिविधियों की जानकारी, ठहरने का स्थान, संपर्क विवरण और एक तय समय स्लॉट बताना जरूरी होता है।

आईपीएल 2025 : क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ में खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले में एक अनोखा और दुर्भाग्यपूर्ण विकेट देखने को मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से बल्लेबाजी कर रहे क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में यह दूसरा मौका है जब कोई बल्लेबाज़ इस अंदाज़ में आउट हुआ है।

क्रुणाल पांड्या इस सीज़न हिट विकेट आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने हैं। इससे पहले अभिनव मनोहर को इसी तरह का अजीबो-गरीब आउट देखा गया था। पूरे आईपीएल इतिहास की बात करें तो पांड्या अब इस तरह आउट होने वाले 17वें बल्लेबाज़ हैं। यह घटना दूसरे इनिंग्स के 19वें ओवर में घटी जब पांड्या पैट कमिंस की गेंद का सामना कर रहे थे। वह यॉर्कर गेंद को खेलने के लिए क्रीज़ में काफी पीछे चले गए, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनका बल्ला स्टंप्स से टकरा गया। गेंद बल्ले से नहीं लगी, लेकिन बल्ले से लगी गिल्लियां ज़रूर गिर गईं। इसके बाद पांड्या सिर हिलाते हुए

मात्र 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आईपीएल में सबसे पहले हिट विकेट का शिकार मुसाविर खोते बने थे। यह घटना 2008 में लीग के पहले सीज़न में हुई थी। तब से अब तक 17 खिलाड़ी इस तरीके से आउट हो चुके हैं। इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में 189 रन पर ही ढेर हो गई।

श्रेयस अय्यर के बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा- ब्रैड हैडिन

एजेंसी

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने टीम की बल्लेबाजी यूनिट पर भरोसा जताते हुए साफ किया कि कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अय्यर को नीचे के क्रम में बल्लेबाजी करते देखा गया था, जिस पर हैडिन ने कहा,उस दिन की परिस्थिति कुछ अलग थी। उनकी उंगली की चोट के बावजूद उन्होंने मैदान में उतरकर बहादुरी दिखाई। वह फील्डिंग के दौरान बाउंड्री पर सक्रिय रहे और अब वह फिर से नंबर 3 पर ही बल्लेबाजी करेंगे।

वह इस पूरे टूर्नामेंट में बल्लेबाज और कप्तान दोनों रूप में शानदार रहे हैं। हैडिन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे टॉप ऑर्डर ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शशांक और उमरजई ने जब भी जरूरत पड़ी, टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं। शशांक ने कुछ अर्धशतक लगाए हैं और उमर ने भी अच्छा योगदान दिया है। इस स्टेज पर हमें सभी बल्लेबाजों की स्थिति पर संतोष है। लॉकी फर्ग्युसन की जगह और कोचिंग स्टाफ से लगातार बात कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अगली बार जब वह मैदान में उतरेंगे, तो वह टीम की अपेक्षा के मुताबिक खेलेंगे। पंजाब किंग्स पहले ही

टीम से जुड़े मिचेल ओवेन के पिछले मैच में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने के बावजूद कोच ने उन पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मिच ताकतवर स्ट्राइकर हैं। अब उन्होंने यहां की परिस्थितियों को समझ लिया है। वह भारतीय बल्लेबाजों प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन हैडिन का कहना है कि टीम की नजरें अब भी मजबूती से तय लक्ष्यों पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, हमने खिलाड़ियों से काफी पहले ही इस बात पर चर्चा की थी कि हमें कैसा क्रिकेट खेलना है।

जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025: दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, 22वीं बार टॉप-2 में खत्म किया मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। पोलैंड में हुए जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने दमदार वापसी करते हुए आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में जर्मनी के जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया, जो उन्होंने दूसरे राउंड में फेंका। वहीं, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में बाज़ी मारते हुए पीटर्स को पीछे धकेला।

ओलंपिक चैंपियन नीरज की शुरुआत इस बार फीकी रही। उन्होंने पहला प्रयास फाउल किया, जबकि दूसरे राउंड में 81.28 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे और चौथे प्रयास में भी वे फाउल कर बैठे। हालांकि, पांचवें राउंड में उन्होंने खुद को बेहतर करते हुए 81.80 मीटर तक पहुंचे और आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर की दूरी तय कर टॉप-2 में अपनी जगह सुनिश्चित की। नीरज चोपड़ा के लिए यह लगातार 22वां इवेंट रहा, जिसमें उन्होंने टॉप-2 में जगह बनाई है। आखिरी बार वे 26 जून 2021 को फिनलैंड में हुए कूओर्तानि गेम्स में टॉप-2 से बाहर रहे थे। नीरज चोपड़ा अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लेंगे, जहां वे एक बार फिर पोडियम फिनिश की कोशिश करेंगे।

बंगाल प्रो टी20 लीग: सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मेंटर बने ऋद्धिमान साहा

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋद्धिमान साहा को बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीजन के लिए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का मेंटर नियुक्त किया गया है। यह लीग जून 2025 में आयोजित होगी। ऋद्धिमान साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट, नौ एकदिवसीय और 255 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया है। अब वह सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष और महिला दोनों टीमों को रणनीतिक मार्गदर्शन देंगे। इसके साथ ही वे फ्रेंचाइज़ी के साझेदार सर्वोटेक स्पोर्ट्स को प्रतिभा विकास के मुद्दों पर सलाह देंगेस्ट्राइकर्स टीम की प्रेस विज्ञप्ति में साहा ने कहा कि मैं सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से बतौर मेंटर जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे अनुभव से युवा खिलाड़ी लाभ उठाएंगे और बड़े मंच पर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकेंगे।

सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने कहा कि साहा का तकनीकी ज्ञान और नेतृत्व हमारे लिए अमूल्य है। उनकी मेहनत और मैदान पर समर्पण हमारी टीम की सोच से पूरी तरह मेल खाता है। हम उनका स्वागत करते हैं। इस महीने की शुरुआत में आयोजित महिला खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने एक मजबूत महिला टीम का चयन किया। मुंबई इंडियंस की ओर से विमेंस प्रीमियर लीग में खेल चुकीं भारतीय खिलाड़ी प्रियांका बाला को महिला टीम की मार्की खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा गया है।बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे संस्करण में कुल 188 खिलाड़ियों में से 128 का चयन किया गया, जिसमें स्ट्राइकर्स की महिला टीम काफी संतुलित मानी जा रही है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा ने कबड्डी में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

एजेंसी

दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के तहत सुबह घोघला बीच पर खेले गए फाइनल मुकाबलों को जीतकर हरियाणा ने कबड्डी में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल करके दबदबा कायम रखा। कबड्डी के इस दिग्गज राज्य ने इस महीने की शुरुआत में बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में भी यही उपलब्धि हासिल की थी। महाराष्ट्र ने दोनों वर्गों में कांस्य पदक अपने नाम किए।

पुरुष वर्ग के फाइनल में हरियाणा के कप्तान मोनू हुड्डा की अगुवाई में टीम ने राजस्थान पर पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 48-29 से एकतरफा जीत दर्ज की। हरियाणा ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ के अंत तक 33-11 की बढ़त बना ली थी। दो सीज़न

तक प्रो कबड्डी में हरियाणा स्टीलर्स की ओर से खेल चुके 23 वर्षीय मोनू हुड्डा वर्तमान में साई सोनीपत में प्रशिक्षण ले रहे हैं। मोनू ने मैच के बाद साई मीडिया से कहा, ÷यहां और मैट पर खेलने में तकनीकी अंतर है। यहां हर रेड 'डू ऑर डाई' होती है और हमें रस्सी पार नहीं करनी होती। हमें अंदर ही रहना होता है। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमें यहां खेलने का मौका मिला और हम स्वर्ण पदक जीत पाए। खेलो इंडिया बीच गेम्स में प्रबंधन और सुविधाएं बहुत अच्छी हैं। रेत पर खेलने से पकड़ की ताकत और संतुलन बढ़ता है, जबकि मैट पर स्पीड अधिक होती है। इस वजह से हमें यहां स्थिरता पर अधिक ध्यान देना पड़ता है।महिला वर्ग के फाइनल में हरियाणा की टीम को हिमाचल प्रदेश की मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ा। हरियाणा की युवा महिला टीम, जिसकी औसत आयु 21 वर्ष है, ने कड़े मुकाबले में 45-38 से जीत दर्ज की। पहले हाफ में मुकाबला बेहद करीबी रहा व हरियाणा को सिर्फ 22-20 की बढ़त मिल सकी थी।

बारिश के कारण वेस्टइंडीज बनाम आयरलैंड मैच हुआ रद्द

डबलिन। बारिश के कारण वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच खेला जा रहा दूसरा एकदिवसीय मैच रद्द कर दिया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण दूसरी पारी में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इससे पहले केसी कार्टी (102) रनों की शतकीय, मैथ्यू फोर्ड (58), शे होप (49) और जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 44) रनों की पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को जीत के लिए 353 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां कैसल ऐवन्यू स्टेडियम में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट 20 और उसके बाद दूसरा विकेट 46 के स्कोर पर गवां दिया

प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स दमन-दीव में मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार आयोजित प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स में मध्य प्रदेश के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इनमें पेंचक सिलाट के टेण्डिंग (फाइट) इवेन्ट में मध्य प्रदेश के अजय कालिया और महेन्द्र स्वामी ने 1-1 स्वर्ण पदक जीते हैं। दरअसल, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स का आयोजन 19 से 24 मई तक दमन दीव के घोघला द्वीप में किया जा रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश के 39 खिलाड़ी और 11 आफिशियल्स सहित कुल 50 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहे है। मध्य प्रदेश के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक अर्जित किये है। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने पेंचक सिलाट में पांच पदक अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स में कुल 8 खेल शामिल है। इनमें- सेपक ताक्रो, 2. पेंचक सिलाट, 3. बीच कबड्डी, 4. ओपन वॉटर स्विमिंग, 5. बीच व्हॉलीबाल 6. बीच सॉकर 7. मल्लखम्ब और 8.टग आफ वार डेमो स्पोर्ट्स के रूप में शामिल हैं। खेले गए पेंचक सिलाट के टेण्डिंग (फाइट) 70 से 75 किग्रा बालक व्यक्तिग इवेन्ट में मध्य प्रदेश के अजय कैला ने स्वर्ण पदक, अंडमान निकोबार के एम लोगार्जुन ने रजत पदक और हवेली दमन एवं द्वीप

के हंसदा आकाश ने कांस्य पदक अर्जित किया। इसी तरह फाइट (टेण्डिंग) 85 से 90 किग्रा बालक व्यक्तिग स्पर्धा में मध्य प्रदेश के महेन्द्र स्वामी ने स्वर्ण पदक, जम्मू एण्ड कश्मीर के जिब्रान मकसूद ने रजत पदक और उडीसा के रूद्र प्रताप संदगी कांस्य पदक अपने नाम किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पतंजलि ऋषिकुल के बच्चों ने लहराया परचम

एजेंसी

प्रयागराज। नई दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय स्टेयर्स नेशनल गेम्स 2024-25 में पतंजलि ऋषिकुल, प्रयागराज के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अर्जित किए। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने को दी। उन्होंने बताया कि देश भर से आए 20 से अधिक विद्यालयों के प्रतिभागियों के बीच हुए इस बहु प्रतिष्ठित आयोजन में ऋषिकुल के खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण और कौशल का अद्वितीय परिचय देते हुए प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की लड़कियों ने अपने शानदार तकनीकी कौशल, सशक्त शारीरिक क्षमता, प्रभावी संचार और टीम भावना के बल पर अंडर-12 व अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जबकि लड़कों ने अंडर-17 में रजत पदक प्राप्त किया। बास्केटबॉल के मैदान पर भी ऋषि कुलाइट्स ने सटीक पास, त्रुटिहीन डिफेंस और शार्प शूटिंग के दम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालिका वर्ग में अंडर-12, अंडर-14 एवं अंडर-17 श्रेणियों में स्वर्ण पदक तथा बालक वर्ग में अंडर-14 में स्वर्ण पदक और अंडर-17 में कांस्य पदक अर्जित किया। ताइक्वांडो में भी छात्रों ने अपनी तेज किकिंग और स्पिनिंग जैसीतकनीकों से प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया।

जिसमें अंडर-10 में कृत यादव तथा अंडर-8 में भानवी जैनव अक्षिता सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं अंडर-10 में आद्या सरोज ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं योग में भी विद्यालय के प्रतिभागियों ने अपनी मानसिक एकाग्रता, धैर्य एवं दृढ़ता का परिचय देते हुए लड़कियों व लड़कों के अपने-अपने वर्ग में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। जिसमें अंडर-14 में भूविशा आहूजा ने कांस्य पदक तथा अंडर-17 में सारांश सिंह ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाई।छात्रों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमारे छात्र जिस प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ खेल मैदान में उतरे, वह अत्यंत सराहनीय है। यह उपलब्धियां उनके सतत अभ्यास, खेलों के प्रति उनकी लगन और हमारे प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल हैं। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। विद्यालय की उपाध्यक्षा डॉ. कृष्णा गुप्ता भी बच्चों के प्रदर्शन से रोमांचित थीं। उन्होंने कहा कि असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और छात्रों की सफलता उनके अथक प्रयास का प्रमाण है। विद्यालय की निदेशिका रेखा बैद एवं सचिव यशोवर्धन ने भी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ÷पतंजलि ऋषिकुल का यह विश्वास रहा है कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बल्कि खेलों, संस्कारों और नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। हमारे छात्र जिस तरह खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी विजयी छात्रों, कोचों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए यह आशा व्यक्त की गई कि भविष्य में भी पतंजलि ऋषिकुल के छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

क्या जैस्मिन भसीन छपरी है? बॉयफ्रेंड अली गोनी ने पूछा सवाल, भड़क गए लोग

फेमस कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन पिछले 5 सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इनकी जोड़ी लोग काफी पसंद करते हैं, लेकिन ये कपल इन दिनों चर्चा में आ गया है. अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जैस्मिन की एक पुरानी तस्वीर शेयर की और एक ऐसी बात लिख दी जो फैंस को पसंद नहीं आई और उन्हें ट्रोल कर दिया गया.अली गोनी और जैस्मिन भसीन एक अच्छी बॉन्ड शेयर करते हैं. रियल लाइफ हो या रील लाइफ, ये दोनों हमेशा कहीं भी साथ जाते हैं और हैप्पी कपल के तौर पर दिखते हैं. लेकिन जब अली ने जैस्मिन के लिए एक शब्द लिख दिया तो ये बात फैंस को खटक गई.

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन की तस्वीर पर क्या लिखा ?

अली गोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. जहां जैस्मिन पर वो अक्सर तस्वीरों के जरिए प्यार ही लुटाते हैं, लेकिन जब अली ने जैस्मिन को छपरी बुलाया तो ये बात किसी को अच्छी नहीं लगी. दरअसल हुआ ये कि अली ने गर्लफ्रेंड जैस्मिन की एक पुरानी तस्वीर इंस्टा स्टोरी पर लगाई और लिखा, 'क्या जैस्मिन छपरी है ?' ये अली ने सवाल पूछा था, जिसका जवाब यस या नो में देना था.

हालांकि, अली ने इसके साथ हंसने वाला इमोजी भी बनाया और उन्होंने एक पोल क्रिएट किया था, जिसमें फैंस से जवाब मांगा था. फिर भी यूजर्स ने अली का ये अंदाज पसंद नहीं किया.

कुछ यूजर्स ने उन्हें एक सा कमेंट किया, जिसमें उन्हें रेड फ्लैग बता दिया जिसका मतलब होता है आने वाली किसी प्रॉब्लम की तरफ इशारा.लोगों ने आइडिया लगाया कि अली जैस्मिन से ब्रेकअप कर सकते हैं. वहीं किसी ने लिखा, 'कौन सा आदमी अपनी गर्लफ्रेंड के लिए ऐसा लिखता है ?' लोगों ने इन्हें अजीबो-गरीब कपल भी कहा क्योंकि जैस्मिन ने इसपर कोई रिप्लाई नहीं किया. हालांकि, अली अभी भी इसे मस्ती-मजाक का हिस्सा ही बता रहे हैं.

अली गोनी और जैस्मिन भसीन की मुलाकात

2018 में आए रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 9 के दौरान अली गोनी और जैस्मिन ने काफी समय साथ बिताया और अच्छे दोस्त बन गए थे. इसके बाद 'बिग बॉस 14' में अली और जैस्मिन बतौर कंटेस्टेंट पहुंचे थे जहां इनका अफेयर शुरू हुआ. 2020 में सलमान खान का शो बिग बॉस 14 आया था और तब से अब तक अली-जैस्मिन साथ हैं और समय समय पर एक-दूसरे से प्यार का इजहार सबके सामने करते रहते हैं.

सलमान खान या रणबीर कपूर, किससे शादी करोगी? कटरीना कैफ ने दिया था ऐसा जवाब

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने अपनी फिल्मों के साथ ही अपने अफेयर्स से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं. बॉलीवुड में उनके सबसे चर्चित अफेयर सलमान खान और रणबीर कपूर के साथ रहे. पहले कटरीना ने सलमान खान को डेट किया. इसके बाद जब दोनों का ब्रेकअप हुआ तो कटरीना कैफ ने रणबीर कपूर को डेट करना शुरू कर दिया.कटरीना कैफ और सलमान खान जब रिश्ते में थे तब फैंस को उम्मीद थी कि दोनों शादी भी करेंगे. वहीं जब वो रणबीर को डेट कर रहे थे तब भी फैंस इसी आस में थे. एक बार तो एक्ट्रेस से एक नन्हें फैन ने ये सवाल पूछ लिया था कि वो सलमान और रणबीर में से किससे शादी करेंगी ? तब कटरीना के पास ही रणबीर भी बैठे हुए थे. आइए देखते हैं तब एक्ट्रेस ने भरी महफिल में क्या जवाब दिया था ?

सलमान-रणबीर से शादी के सवाल पर कटरीना ने क्या कहा था ?

कटरीना कैफ और रणबीर कपूर अपनी एक फिल्म के लिए एक न्यूज चैनल पर प्रमोशन के लिए गए थे. इस दौरान फैंस भी वहां मौजदू थे. तब एक बच्चे ने कटरीना कैफ से पर्सनल सवाल पूछ लिया था. बच्चे ने रणबीर के सामने ही कटरीना से पूछा था, आप शादी किससे करेंगी सलमान खान से या रणबीर कपूर से ? पहले तो कटरीना इस सवाल को सुनकर हंसने लगीं. इसके बाद उन्होंने कहा था, मैं आपसे शादी करूंगी.

फिर विकी कौशल की दुल्हन बनीं

कटरीना कैफ का सलमान खान से ब्रेकअप हो गया था. इसके बाद एक्ट्रेस रणबीर कपूर के करीब आई. हालांकि ये रिश्ता भी ज्यादा नहीं चल पाया. सलमान और रणबीर से रिश्ता टूटने के बाद कटरीना की लाइफ में अभिनेता विकी कौशल की एंट्री हुई थी. दोनों की पहली मुलाकात साल 2019 में हुई थी. इसके बाद कपल ने एक दूसरे को डेट करना शुरु कर दिया था. दोनों ने करीब दो साल तक दुनिया की नजर से अपना प्यार छिपाए रखा. इसके बाद दिसंबर 2021 में धूमधाम से शादी कर ली थी. कटरीना और विकी 9 दिसंबर 2021 को सवाई माधोपुर के सिक्स सेंसेज फोर्ट बरवाड़ा में शाही अंदाज में शादी के बंधन में बंधे थे.

6 साल पुरानी फिल्म के सीक्वल से कटा कार्तिक आर्यन का पत्ता, ये एक्ट्रेस भी हुई बाहर

कार्तिक आर्यन ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं. उनकी हिट फिल्मों में एक नाम 'लुका छुपी' का भी है, जो साल 2019 में में रिलीज हुई थी. फिल्म ने 94.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इसमें कार्तिक के अपोजिट कृति सेनन दिखी थीं. दोनों की जोड़ी फिल्म में काफी पसंद की गई थी. अब इस फिल्म के सीक्वल बनने की खबर सामने आई है. हालांकि, इन दोनों स्टार्स का सीक्वल से पत्ता कट चुका है.पीपिंगमून की एक रिपोर्ट की मानें तो मैडॉक फिल्मस 'लुका छुपी' को एक फ्रेंचाइजी की तरह आगे बढ़ाना चाहती है. हालांकि, इस बार मेकर्स ने वरुण धवन और शरवरी वाघ को कास्ट करने का फैसला किया है. दोनों ही एक्टर्स फिल्म करने को राजी हैं. हालांकि, अभी दोनों ने फिल्म साइन नहीं की है. एक बार स्क्रिप्ट फाइनल हो जाएगी, उसके बाद ये दोनों साइन करेंगे.

अप्रोच नया, प्लॉट ओरिजिनल

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि मेकर्स नए अप्रोच के साथ 'लुका छुपी 2' बनाने वाले हैं. हालांकि, प्लॉट ओरिजिनल वर्जन की तरह ही होगा, जहां पर दिखाया गया था कि गुड्डू नाम के एक लड़के को रश्मि नाम की लड़की से प्यार हो जाता है. दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगते हैं. हालांकि, दोनों का ताल्लुक ट्रेडिशनल फैमिली से है.इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को लक्ष्मण उतेकर ने डायरेक्ट किया था. हालांकि, रिपोर्ट में बताया गया कि दूसरे पार्ट को लक्ष्मण डायरेक्ट नहीं करेंगे. हालांकि, वो इस फिल्म के साथ को-प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहेंगे. मेकर्स साल 2026 की शुरुआत में ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं.

इस फिल्म की शूटिंग करेंगे वरुण धवन

वरुण ने हाल ही में अपने पिता डेविड धवन के डायरेक्शन में बन रही फिल्म है 'जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग खत्म की है. इसके बाद में वो ;बॉर्डर 2 पर काम शुरू करने वाले हैं. 'लुक छुपी' में वरुण धवन के साथ पंकज त्रिपाठी अपारशक्ति खुराना, अभिनव शुक्ला जैसे स्टार्स भी नजर आए थे, अब देखना होगा 'लुका छुपी 2' में कौन-कौन से सितारे नजर आते हैं.

गौरी खान के घर अपनी दोस्त से फोन लगवाते थे शाहरुख खान, इस कोडवर्ड में करते थे बातचीत

शाहरुख खान और गौरी खान की लव स्टोरी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित प्रेम कहानियों में से एक है. दोनों की गिनती बॉलीवुड के पावर कपल में होती है. शाहरुख और गौरी की शादी को तीस साल से भी ज्यादा समय हो गया है. हालांकि इससे पहले दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. शाहरुख और गौरी के धर्म अलग-अलग थे, इसके बावजूद कपल ने अपने प्यार की खातिर किसी चीज की परवाह नहीं की.शाहरुख खान और गौरी खान एक दूसरे पर छोटी उम्र में ही दिल हार बैठे थे. शादी से पहले दोनों ने कई सालों तक एक दूसरे का साथ निभाया. लेकिन दोनों की बातचीत आसानी से नहीं हो पाती थी. शाहरुख गौरी के घर पर अपनी फ्रेंड से फोन लगवाते थे. उनकी दोस्त शाहरुख द्वारा बताए गए कोडवर्ड में बात करती थी. गौरी समझ जाती थी कि फोन शाहरुख ने लगवाया है. इसके बाद गौरी और शाहरुख देर तक बात किया करते थे.

इस कोडवर्ड से होती थी बात

शाहरुख जब अपनी फ्रेंड से गौरी के घर पर कॉल करवाते थे और कोई भी फोन उठाता था तो एक्टर की दोस्त अपना नाम शाहीन बताती थी. शाहीन कोडवर्ड सुनने के बाद गौरी समझ जाती थीं कि फोन शाहरुख ने करवाया है. इसके बाद शाहरुख और गौरी शाहीन कोडवर्ड के जरिए देर तक ढेर सारी बातें किया करते थे.

1992 में हुई थी शादी

शाहरुख खान जब महज 19 साल के थे तब दिल्ली के पंचशील क्लब में उन्होंने पहली बार गौरी को देखा था. तब गौरी की उम्र सिर्फ 14 साल थी. बताया जाता है कि पार्टी के दौरान गौरी डांस कर रही थीं, तब शाहरुख उन्हें देखते ही उन पर दिल हार बैठे थे. यहां दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. इसके बाद मुलाकातों का सिलसिला जारी रहा. फिर कपल ने 1992 में शादी कर ली थी. मुस्लिम रीति रिवाजों के अलावा दोनों ने हिंदू धर्म के अनुसार भी शादी की थी.

तीन बच्चों के पैरेंट्स हैं शाहरुख-गौरी

शाहरुख और गौरी शादी के बाद तीन बच्चों आर्यन खान, सुहाना खान और अबराम खान के पैरेंट्स बने थे. आर्यन का जन्म 1997 में, सुहाना का 2002 में और अबराम का सरोगेसी के जरिए साल 2013 में हुआ था.